ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगर एसीपी और टीएसपी कानून पूरे देश में लागू हो जाएं तो सबसे पहले मोदी को ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-103

प्रधानमंत्री ने हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे पर रखी नए टर्मिनल भवन की आधारशिला

मोदी ने वक्फ कानून को लेकर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला

कांग्रेस को अगर हमदर्दी है तो मुस्लिम को अध्यक्ष बनाए, 50% टिकट समुदाय को दे

हिसार (हरियाणा), 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि यदि कांग्रेस को वास्तव में मुसलमानों से हमदर्दी है तो उसे किसी मुसलमान को अपना अध्यक्ष बनाना चाहिए और चुनाव में समुदाय के लोगों को 50 प्रतिशत टिकट देने चाहिए। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर तुष्टिकरण की नीति अपनाने का भी आरोप लगाया।

हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखने और अयोध्या के लिए एक वाणिज्यिक उड़ान की शुरुआत के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने 2013 में वक्फ कानून में किए गए बदलावों को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होना चाहिए और संविधान भी इसका निषेध करता है, लेकिन कर्नाटक की कांग्रेस नीत सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के अधिकारों को छीनकर धर्म के आधार पर निविदाओं में आरक्षण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई, जिससे मुसलमानों में से केवल कुछ कट्टरपंथी ही खुश हुए, जबकि बाकी समुदाय उपेक्षित, अशिक्षित और गरीब बना रहा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की इस नीति का सबसे बड़ा सबूत 2014 के आम चुनावों से ठीक पहले वक्फ कानून में किए गए संशोधन हैं।

मोदी ने कहा, आजादी से लेकर 2013 तक वक्फ कानून था। लेकिन चुनाव जीतने और तुष्टिकरण तथा वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस ने 2013 के आखिर में जल्दबाजी में वक्फ कानून में संशोधन कर दिया ताकि उसे (कुछ महीने बाद 2014 में) चुनावों में वोट मिल सके। मोदी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए गए बदलाव बाबासाहेब का सबसे बड़ा अपमान हैं क्योंकि उन्होंने आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का उल्लंघन किया।

उन्होंने सवाल किया, अगर उन्हें (कांग्रेस को) वाकई मुसलमानों से थोड़ी हमदर्दी है, तो उन्हें अपना अध्यक्ष मुस्लिम समुदाय से ही बनाना चाहिए। वे ऐसा क्यों नहीं करते? मोदी ने कांग्रेस से 50 प्रतिशत चुनाव टिकट मुस्लिम समुदाय के लोगों को देने को भी कहा। उन्होंने कहा, जीतने के बाद वे अपने विचार सामने रखेंगे।

उन्होंने कहा, लेकिन वे (कांग्रेस) ऐसा नहीं करेंगे। वे कांग्रेस से कुछ नहीं देंगे, बल्कि नागरिकों के अधिकार छीन लेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस का कभी भी ▶10 पर

रामपाल कश्यप जिन्हें पीएम मोदी ने खुद पहनाए जूते, 14 सालों से थे नंगे पांव

पीएम मोदी ने आज हिसार के महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखी और अयोध्या के लिए एक कमर्शियल फ्लाइट की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने हिसार में एक जनसभा को भी संबोधित किया। सोमवार को हरियाणा में प्रधानमंत्री मोदी ने कैथल के रामपाल कश्यप से मुलाकात की और उन्हें जूते पहनाए। रामपाल कश्यप ने 14 साल पहले कसम खाई थी कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने तक वे जूते नहीं पहनेंगे और आज वे प्रधानमंत्री मोदी से मिले। पीएम ने उन्हें जूते पहनाए।

अब अमेरिका के नीति विशेषज्ञ जेफरी ने कहा

आर्थिक शक्ति बन चुके भारत को यूएनएससी में मिले स्थायी सीट

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्री और वैश्विक नीति विशेषज्ञ ने भारत में तेजी से हो रहे विकास और अर्थव्यवस्था में आ रही मजबूती की प्रशंसा करने में कोई कोर-कसर नहीं रखी। जेफरी अमेरिका में बहुत सम्मानित नीति विशेषज्ञ हैं इसलिए किसी देश की आर्थिक स्थिति कैसी है, किस दिशा में जा रही है इस पर उनके विचार लोग बहुत ध्यान से सुनते हैं।

जेफरी ने यह कहकर एक बार फिर से भारत की प्रशंसा की है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्यता दी जानी चाहिए। वह मानते हैं कि भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति, विशाल जनसंख्या, और सफल कूटनीति इसे अंतरराष्ट्रीय मामलों में एक महत्वपूर्ण देश बनाती है। उनका यह भी कहना है कि भारत को यूएनएससी में शामिल करना नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए आवश्यक है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर स्वयं कह चुके हैं कि इस अंतरराष्ट्रीय मंच को बहुध्रुवीय व्यवस्था के अंतर्गत लाया जाना चाहिए। इसके लिए वैश्विक दक्षिण के देशों को इसमें सम्मिलित किए जाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

अमेरिकी नीति विशेषज्ञ जेफरी सैक्स भारत की आर्थिक प्रगति की पहले भी सराहना कर चुके हैं। वे इसके भविष्य में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना भी जता चुके हैं। उन्होंने भारत की 6 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर, 17 खरब डॉलर की क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर अर्थव्यवस्था और इसके महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम को भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करने वाले कारक बताया है।

उनका मानना है कि भारत को यूएनएससी में स्थायी सदस्यता देना न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने इसे वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए महत्वपूर्ण बताया। उनका मानना है कि भारत की सदस्यता से यूएनएससी की वैधता और प्रभावशीलता बढ़ेगी। जैफरी सैक्स ने कहा कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था एक संक्रमणकालीन चरण में है, जिसमें पुरानी पश्चिमी-प्रभुत्व वाली व्यवस्था समाप्त हो रही है और एक नई बहुध्रुवीय व्यवस्था उभर रही है। उन्होंने भारत को इस बदलाव में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला देश बताया।

यहां बता दें कि भारत को यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए कई देशों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे बड़े देश शामिल हैं। लेकिन भारत के साथ दुनिया के इस हिस्से को साझा करने वाले चीन ने संभवत: भारत की इस आकांक्षा के पूरा होने के रास्ते में रोड़ा अटकाया हुआ है।

चीन खुद यूएनएससी का स्थायी सदस्य है, लेकिन भारत को इसमें सीट दिए जाने का विरोधी रहा है। चीन को इस बात से भी चिढ़ है कि जल्दी ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। फिलहाल भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।जेफरी सैक्स के इस विचार के अनेक समर्थक हैं कि भारत एक बढ़ती ताकत है और वैश्विक मंचों पर अपनी दमदार भूमिका के साथ प्रस्तुत रहता है। वे कहते हैं कि इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन तर्कों के आधार पर ही उन्होंने भारत को यूएनएससी में स्थायी सदस्यता देने की मांग की है। वे यह भी मानते हैं कि ऐसा होने पर भारत वैश्विक शांति और स्थिरता में और अधिक योगदान दे सकेगा। भारत की दृष्टि से भी यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा और इससे उसे वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिलेगी।

गुजरात एटीएस और कोस्टगार्ड ने 1800 करोड़ का 300 किलो ड्रग्स जब्त किया

पीएम मोदी के प्रयासों में यह कार्रवाई बड़ी सफलता : अमित शाह

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, भारतीय तटरक्षक बल ने 12-13 अप्रैल को एटीएस के साथ संयुक्त अभियान में लगभग 1,800 करोड़ रुपये मूल्य का 300 किलोग्राम से अधिक नारकोटिक्स जब्त किया हैं।

उत्तर महाराष्ट्र दक्षिण गुजरात क्षेत्र में बहु-मिशन तैनाती पर, तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम) के एक आईसीजी जहाज ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास एक ट्रांसशिपमेंट प्रयास को रोक दिया।

आईसीजी जहाज को निकट आता देख संदिग्ध नाव ने बड़ी मात्रा में ड्रग्स को समुद्र में फेंक दिया और फिर आईएमबीएल की ओर भाग गई। सतर्क भारतीय तटरक्षक जहाज ने तुरंत अपनी नौसैनिक नौकाओं को संदिग्ध नाव का पीछा करने और फेंके गए सामान को बरामद करने के लिए तैनात किया।

कोस्टगार्ड के जहाज ने संदिग्ध बोट को पकड़ने के लिए उसका पीछा किया लेकिन वह बोट अंतर्राष्ट्रीय सीमा को लांघ गई। कोस्टगार्ड के जहाज ने संदिग्ध बोट का पीछा करने और डंप किए गए माल को बरामद करने के लिए छोटी बोट को तैनात कर दिया था। जब्त किए गए नारकोटिक्स के जत्थे को पोरबंदर लाया गया है। यह नशीला पदार्थ किसको देना था और कौन इसे लाया था समेत के सवाल के जवाब के लिए एटीएस ने जांच शुरू कर दी है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने दो एजेंसियों के द्वारा किए गए इस संयुक्त प्रयास की सराहना की है। उन्होंने ट्वीट कर एटीएस और कोस्टगार्ड के काम की सराहना करते हुए 1800 करोड़ का 300 किलोग्राम ▶10 पर

बिहार चुनाव से पहले रालोजपा के पशुपति पारस का गठबंधन को लेकर बड़ा ऐलान

एनडीए से हमारा कोई नाता नहीं...

पटना, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने एनडीए से गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का अब एनडीए से कोई नाता नहीं रहेगा। पारस ने नीतीश सरकार पर हमला बोला और सरकार को दलित विरोधी बताया। ये घोषणा पटना में रालोजपा द्वारा आयोजित बापू सभागार कार्यक्रम के दौरान की गई।

पशुपति पारस ने सोमवार को बड़ा ऐलान करते हुए घोषणा की कि अब से उनका एनडीए के साथ कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, 'आज से हम एनडीए के साथ नहीं हैं, एनडीए से हमारा कोई संबंध नहीं है'। 2014 से एनडीए के साथ जुड़ने के बाद से हम उनके वफादार सहयोगी रहे हैं। लेकिन, हमें यह देखना पड़ा कि जब लोकसभा चुनाव होते हैं, तो हमारी पार्टी के साथ दलित पार्टी होने के कारण अन्याय होता है। अगर महागठबंधन हमें समय पर उचित सम्मान देता है, तो हम निश्चित रूप से भविष्य की राजनीति के बारे में सोचेंगे।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने एनडीए गठबंधन पर अपनी पार्टी के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 2014 से एनडीए की वफादार सहयोगी रही, लेकिन लोकसभा चुनावों में उन्हें बिना किसी कारण के दरकिनार कर दिया गया, क्योंकि उनकी पार्टी दलितों का प्रतिनिधित्व करती है। पारस ने कहा कि एनडीए की बैठकों में भी उनकी पार्टी को उचित सम्मान नहीं दिया गया। ▶10 पर

बंगाल में फिर भड़की हिंसा

* दक्षिण 24 परगना में पुलिस से भिड़े आईएसएफ

* कार्यकर्ता, कई गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी

कोलकाता, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के भांगर इलाके में हिंसा हुई है। स्थिति उस वक्त तनावपूर्ण बन गई जब इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों को कोलकाता की ओर मार्च करने से रोक दिया गया। पुलिस द्वारा रास्ता रोके जाने पर प्रदर्शनकारी उग्र हो गए, जिसके बाद पुलिस और समर्थकों के बीच झड़प हो गई। हालात काबू में लाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर करना पड़ा। वीडियो में पुलिस की एक गाड़ी क्षतिग्रस्त नजर आ रही है और कई दोपहिया वाहन जलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ कोलकाता में प्रदर्शन के लिए आ रहे इंडियन सेक्युलर फ्रंट के समर्थकों से भरी बसों को रास्ते में ही रोक दिया गया था। वक्फ कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मालदा, मुर्शिदाबाद सहित कई जिलों में व्यापक हिंसा देखी गई है, और इसको लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर हिंसा भड़काने के आरोप लगा रहे हैं।

आईएसएफ राज्य विधानसभा में तृणमूल और भाजपा के अलावा एकमात्र प्रतिनिधित्व रखने वाली पार्टी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने जब भांगर से आ रहे उनके वाहनों को कोलकाता के रामलीला मैदान की ओर बढ़ने से रोक दिया तब आईएसएफ कार्यकर्ताओं ने बसंती एक्सप्रेसवे को जाम कर दिया। मुर्शिदाबाद में हो रही हिंसा को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने बड़ा ▶10 पर

पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

* भारत की प्रत्यर्पण अपील के बाद एक्शन

* स्विट्जरलैंड भागने की तैयारी कर रहा था

ब्रुसेल्स, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को उसकी गिरफ्तारी हुई, फिलहाल वह जेल में है।

उसकी गिरफ्तारी के बाद बेल्जियम ने पहली प्रतिक्रिया देते हुए बताया है कि उसे आगे की न्यायिक प्रक्रिया के लिए जेल में रखा गया है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, उइख ने पिछले साल बेल्जियम से चोकसी को गिरफ्तार करने का अनुरोध किया था।

ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है। बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद मेहुल चोकसी ने अपने खराब सेहत का हवाला देते हुए कोर्ट में जमानत मांगी है। उसकी ओर से कहा गया है कि इलाज कराने के लिए बेल्जियम आया था और अपनी पत्नी के साथ एंट्वर्प में रह रहा था। चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 96,040/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,630/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 37^0

न्यूनतम : 26^0

सरकार ने लगाई एयरटेल, जियो, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल की क्लास

सभी से चीनी उपकरणों की जानकारी मांगी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत में एयरटेल, जियो, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल टेलीकॉम कंपनियां हैं। सरकार समय-समय पर यूजर्स के डेटा की सुरक्षा के लिए कदम उठाती रहती है। इसी कड़ी में सरकार ने सभी टेलीकॉम कंपनियों की क्लास लगा दी है। सरकार ने एक नया आदेश जारी कर कंपनियों से जरूरी डिटेल्स तलब की हैं।

भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने बड़ी टेलीकॉम कंपनियों जैसे एयरटेल, जियो, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल को एक नया आदेश दिया है। इस आदेश में कंपनियों से उनके नेटवर्क में इस्तेमाल हो रहे सभी चीनी उपकरणों की जानकारी मांगी गई है। यह कदम देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है और यह अमेरिका-चीन के बीच चल रहे व्यापार विवाद और बढ़ते सुरक्षा खतरों को देखते हुए जरूरी है। ईटी टेलीकॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार टेलीकॉम और स्पेस सेक्टर में चीन में बने उपकरणों की मौजूदगी और उनके इस्तेमाल पर नजर रखना चाहती है। सुरक्षा एजेंसियों ने इन उपकरणों को जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए संभावित खतरा बताया है। हालांकि, हुआवेई और जेडटीई जैसी चीनी कंपनियों को भारत के 5 जी नेटवर्क में शामिल होने से पहले ही रोक दिया गया है, लेकिन उनके उपकरण अभी भी 2 जी, 3 जी और 4 जी नेटवर्क में खासकर बीएसएनएल, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के वायरलेस और ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क में खूब इस्तेमाल हो रहे हैं। ▶10 पर

मुफ्त राशन पर कुंडली मारकर बैठे सरकारी शिक्षक और डॉक्टर

डाटा खंगालने पर पकड़े गए पांच हजार से अधिक कर्मचारी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत कोरोना काल में गरीबों के लिए मुफ्त राशन वितरण का प्रावधान शुरू किया गया जो बदस्तूर जारी है। लेकिन इस योजना का लाभ जरूरतमंदों को मिलता कैसे, जब इस पर सरकारी कर्मचारी कुंडली मारकर बैठे हैं। नवगठित दिल्ली सरकार ने जैसे ही विभिन्न विभागों से आंकड़े लेकर जानकारी निकाली तो उसमें ये मुफ्तखोर सरकारी अधिकारियों के नाम सामने आने लगे, जो बीते कई वर्षों से जरूरतमंदों का हक मारकर मुफ्त का राशन खा रहे हैं।

बता दें कि समय-समय पर दिल्ली सरकार का खाद्य एवं आपूर्ति विभाग अन्य विभागों से आंकड़े मंगवाकर लाभार्थियों की छंटनी का काम करता है। ताकि जरूरतमंदों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। लेकिन पूर्व आप शासित सरकार के कार्यकाल के दौरान यह कार्य नहीं किया गया। साथ ही दिल्ली में केंद्र की ई-केवाइसी सत्यापन योजना को प्रारंभ करने में भी दिलचस्पी नहीं दिखाई गई। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सिधेश्वर गुरुवानन्द स्वामी ने किया गर्भगृह पूजन

सत्य पर कभी संदेश नहीं करना चाहिए सत्य को मानना चाहिए: गुरुवानन्द स्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के बन्नेरघट्टा रोड स्थित बीटीएम लेआउट रांका कॉलोनी में सलासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में निर्माणाधीन मन्दिर निर्माण स्थल पर तीन दिवसीय आंजनेय महोत्सव का आयोजन किया गया। पंडित बालकृष्ण शास्त्री ने मंत्रोच्चार द्वारा विधिवत शिला चढ़ाया। आमंत्रित सदस्यों ने हवन बेदी पर पूजन किया व हवन में आहुति दी। इससे पूर्व धार्मिक अनुष्ठान के लिए मन्दिर कमेटी ने सभी सदस्यों को पूजम के लिए टोकन वितरण किया। सायं 3.45 से गायक विमल पंवार ने भजनों की गंगा बहाते हुए मंगल भव नियं मंगल हारी दिन दयाल बिरधु सँभारि की चौपाइयों से पूरे सभागार को राम मय बना दिया।

सायं 4.30 बजे से सिधेश्वर ब्रह्मर्षि गुरवानन्द स्वामी के पंडाल में पधारने पर सभी श्रद्धालुओं ने खड़े होकर एक स्वर में जय गुरुदेव जय गुरुदेव के जयघोष से स्वागत अभिनन्दन किया। प्रमोद मुरारका, सतीश मित्तल, संजय शाह, विमल केडिया, प्रमोद टांटिया, प्रभात किशपुरिया, राजकुमार सिपानी, महेश खेतान, महेश मित्तल और कैलाश अग्रवाल ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संजय शाह ने कहा कि सलासर बालाजी का मंदिर सभी भक्त मिलकर बनावा रहे हैं। मन्दिर कमेटी ने गुरुवानन्द स्वामी का सम्मान किया। प्रमोद मुरारका ने बताया कि आंजनेय महोत्सव अन्नदान से शुरू होकर शिला पूजन कर गर्भगृह की पूजा के साथ संपन्न हुआ। सालासर बालाजी के मन्दिर के गर्भगृह की पूजा करने बड़ी ईश्वरीय शक्ति का पर्दापण हुआ है। इस ईश्वरीय शक्ति का प्रभाव शहर में ही नहीं पूरे संसार में होगा। गुरुवानन्द स्वामी ने सभी सन्यासी समाज की ओर से उप-स्थित सभी भक्तों का स्वागत व धन्यवाद किया। उन्होंने कहा आप के प्रेम से बहुत खुश हूं। आपका प्रेम ही मुझे अपनी तपस्या और सिद्धि को ताकत देता है। इस दुनिया में कोई भी आपके लिए परफेक्ट नही हैं। आप किसी को परफेक्ट ना समझों। गलती किसी से भी हो सकती है। गलती होने पर भी उसको अकेला मत छोड़ों। उसको अपना कर उसकी बुराइयों को एकत्रित कर उसकी समीक्षा कर उसकी गलती को सुधारने में सहयोगी बनो। किसी को कभी तकलीफ आये तो उसका साथ देना।

हनुमान ने राम का हमेशा साथ दिया और राम ने हनुमान का भी हमेशा साथ दिया। भगवान पर कष्ट आया तो हनुमान उनके साथ थे। हनुमान जो करते हैं वो कभी नहीं बोले कि यह मैने किया। उन्होंने यही कहा प्रभु श्री राम का दूत हूँ मै। भौतिक संसार में हम धनवान बनना चाहते है। हनुमान एक ऐसे हैं जो बिना स्वार्थ के कार्य किया। आप भी सांसारिक जीवन में हनुमान जैसे निस्वार्थ कार्य करना सीखो। गुरुवानन्द स्वामी ने मन्दिर कमेटी को बालाजी महाराज के मन्दिर निर्माण के लिये बधाई दी। सोमवार को प्रातः गर्भगृह का पूजन ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द स्वामी के करकमलों से किया गया। दक्षिण भारत में सालासर बालाजी के मन्दिर निर्माण के लिए भक्तगण उत्साह के साथ तन मन धन से बड़ी संख्या में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। एस.एन.एन. बिल्डर के डायरेक्टर व मन्दिर निर्माण समिति के चेयरमैन संजह शाह ने बताया कि आयोध्या में बने श्री राम मंदिर के जैसा ही बेंगलूरु में साल-ासर बालाजी का मंदिर बनेगा। इसके लिए उनकी पूरी टीम इस मन्दिर निर्माण कार्य में रातदिन लगी है। जानेमाने आर्किटेक्ट चेतन सोमपुरा पूरे मंदिर को विभिन्न कलाकृतियों से उकेरेगे।

हिन्दू मंदिर हमारी संस्कृति का प्रतीक

अग्रवाल समाज कर्नाटक, माहेश्वरी समाज, स्वास्तिक सेवा संघ, गौड़ ब्राह्मण संघ, जीण माता सेवा समिति, आपनो परिवार, दादी धाम प्रचार समिति, दादी परिवार, मारवाड़ी युवा मंच, सबका साथ सबका विकास मंच, महोत्सव में अपनी पूरी टीम के साथ जिम्मेदारी से सेवा में सराहनीय सहयोग कर रहे हैं। मन्दिर कमेटी ने सहयोग के लिए भक्तों को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सचिन पाण्डिया, प्रमोद टांटिया, विमल केडिया, महेश खेतान, अतुल सुरेखा, नवीन गिडिया, महेंद्र दफ्तरी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने गुरुदेव के दर्शन किए। लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या व विधायक सतीश रेड्डी ने भी बतौर विशेष अतिथि उपस्थिति होकर गुरुवानन्द स्वामी से आशीर्वाद लिया। सांसद ने कहा कि हमारे हिन्दू मंदिर हमारी संस्कृति का प्रतीक है। मन्दिर निर्माण कमेटी की ओर से विशेष अथिति का स्वागत सम्मान किया गया। मंच संचालन विष्णु पारीक ने किया।

मानव सेवा कार्य में सहयोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मानव सेवा के अंतर्गत तेयुप राजाजीनगर के सदस्यों ने श्री जैन मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा माहेश्वरी भवन में आयोजित मानव सेवा कार्य में अपनी सेवाएं प्रदान की।

शांतिलाल, लादूलाल पितलिया परिवार द्वारा संचालित श्री जैन मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा सोमवार प्रातः काल माहेश्वरी भवन में अनेक संघ संस्थाओं के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में लगभग 300 ब्लाइंड व्यक्तियों को नाश्ता करवाकर राशन सामग्री के कीट वितरण में परिषद परिवार ने अपनी सेवाएं प्रदान की। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने पितलिया परिवार को ऐसे नेक एवं अनेक कार्य, जैसे 365 दिन आपके द्वारा फुटपाथ पर प्रवास करने वाले गरीब लोगों को खाना खिलाया जा रहा है और पौधे लगाना और उसकी वापस देखभाल करना, असमर्थों को स्कूल कॉलेज की फीस भरना आदि समाज सेवा के लिए धन्यवाद किया।

इस अवसर पर अभातेयुप के अभूतपूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, सभा संस्थापक अध्यक्ष सुखलाल पितलिया, सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप से संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना, तेयुप प्रमार्शक चंद्रेश मांडोत, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, सभा परिवार एवं तेयुप परिवार की उपस्थिति रही।

पूनम मेला विषेश त्योहार का रूप लिए संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्रद्धालुओं की आस्था से चैत्र पूनम मेला विषेश त्योहार का रूप लिए संपन्न हुआ। मेला लाभार्थी परिवार चिक्कमगलूरु निवासी लालचंद मंजू देवी भंसाली परिवार द्वारा बस यात्रा से संघ के आगमन पर बैंड बाजो सहित स्वागत का दृश्य मनोहर रहा।

बेंगलूरु के तुषार गुरु द्वारा पार्श्व भैरव महापुजन के पश्चात भैरवदेव को परंपरागत छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया। भक्ति में बेंगलूरु के प्रख्यात संगीतकार सुर सम्राट दिलखुश बाफणा एवं राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त जय सोलंकी के साथ प्रकाश राठोड, रिंकू बाफणा, प्रेमलता ने अपने मधुर आवाज में श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। बेंगलूरु, मैसूरु, चिक्कमगलूरु, राणीबेन्नुर, कडुर, बीरुर, हासन, टिपटूर, तुमकुरु, दावणगेरे आदी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्तों का सैलाब उमड़ा। आरती के पश्चात लाभार्थी परिवार का स्वागत बहुमान ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने किया। इस अवसर पर ट्रस्टी पारसमल वेद मुथा, मांगीलाल मेहता, डॉ. विजय कुमार सुराना, रमेश कुमार कटारिया, अमरचंद चंडालिया, प्रवीण परमार, रमेश लुंकड, राहुल कल्पवृक्ष, राजेश बंदामुथा, ललित पुनमिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

जय महावीर डायलिसिस सेंटर के लाभार्थियों का अभिनन्दन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के हलसूर में स्थित कर्नाटक जैन रिलीफ फाउंडेशन के जय महावीर डायलिसिस सेंटर के सदस्यों और लाभार्थियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान डायलिसिस सेंटर के अनेक लाभार्थियों का बहुमान अभिनन्दन किया गया। यह सेंटर पिछले तीन वर्षों से मानव सेवा के लिए मील का पत्थर बनते हुए किडनी की समस्या से ग्रसित प्रतिदिन 25 से 30 डायलिसिस जरूरतमंदों को रियायती दामों पर करती आ रही है। पिछले तीन वर्षों में संस्था द्वारा दस हजार से अधिक डायलिसिस सम्पन्न किए जा चुके हैं। कार्यक्रम की शुरुआत हलसूर महिला मंडल के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण से हुई। संस्था के संस्थापक सदस्यों तेजराज लोढ़ा, जवाहरलाल बोहरा, उत्तमचंद गादिया, गौतम चंद गदिया, जयप्रकाश मकाना, अशोक चंद सकलेचा, किशनलाल तालेड़ा, महेंद्र कुमार भंसाली, ललित कुमार जांगड़ा और विनोद कुमार बोहरा ने पधारे हुए सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया। डायलिसिस सेंटर में मशीनें प्रदान करने वाले दानदाताओं जयप्रकाश मकाना, ज्योति सुनील रांका, मिलाप चंद भंडारी, गौतम चंद गादिया, रोटरी क्लब के विजय कुमार एवं नरेंद्र कुमार का सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया गया। संस्था के डायलिसिस हेतु लाइफटाईम डोनर बसन्त कुमार सुराणा, श्री स्थानकवासी जैन संघ हलसूर से सदस्य उपस्थित थे। ललित कुमार कटारिया, पदमचंद तातेड, श्री ब्यावर संघ युवा शाखा के अध्यक्ष ललित डाकलिया और उनकी टीम, अशोक कुमार लोढा, मुकेश अशोक बोहरा को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। मरीजों की सेवा करने वाले डॉक्टरों की टीम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कार्यकारिणी से अजित लोढा, विनोद बोहरा, महावीर बोहरा, पदम तातेड, राजेश लोढा, ललित डाकलिया, हेमंत जांगड़ा, ललित कटारिया, मुकेश अशोक बोहरा, कमल गदिया, रोहित गादिया और कुशल चौपड़ा के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे।

प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच पर गृहणी और साहित्य पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की मासिक साहित्यिक गोष्ठी रविवार को वाट्सऐप पर आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. संध्या जावली ने किया तो स्वागत व संचालन मंच की संस्थापक अध्यक्ष वीणा मेदनी ने किया। साहित्यिक चर्चा का विषय गृहणी और साहित्य था। चर्चा में ज्योति तिवारी, मंजू बंसल, गीता चौबे गूँज, मंजू रूस्तगी, भगवती सक्सेना, शिवालिका सिंह कुशवाहा, डॉ. संध्या जावली एवं वीणा मेदनी ने सहभागिता निभाई। साहित्यिक चर्चा सारगर्भित सकल सफल एवं सार्थक रही।

प्रेक्षा ध्यान और डिप्रेशन कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में प्रेक्षा प्रवाह शांति एवं शक्ति की ओर के अंतर्गत सोमवार को तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा प्रेक्षा ध्यान और डिप्रेशन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र एवं बहनों द्वारा प्रेक्षा ध्यान गीत के संगान के साथ हुआ। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के प्रारूप की जानकारी दी। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका उपासिका एवं प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका मंजू लुणिया ने निभाई, जिनका परिचय मंत्री दीपिका गोखरू ने दिया। मुख्य वक्ता मंजू ने विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए बताया कि किस प्रकार प्रेक्षा ध्यान के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक तनाव से मुक्त हुआ जा सकता है। डिप्रेशन को दूर करने में कार्योत्सर्ग के महत्व को बताते हुए उन्होंने कार्योत्सर्ग का प्रयोग करवाया तथा इसके साथ ही अनुलोम- विलोम प्राणायाम भी करवाया। साइकाट्रिस्ट डॉ.अनिता गौतम के ऑडियो के माध्यम से बताया कि डिप्रेशन अच्छा और बुरा दोनों प्रकार का होता है। डिप्रेशन से बचने के लिए हमें चाहिए कि हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, नींद अच्छी लें, हेल्दी डाइट ले तथा निरंतर योग, प्राणायाम एवं आसानों का प्रयोग करें। साथ ही उन्होंने टाइम मैनेजमेंट पर भी बल दिया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका रेखा पितलिया एवं नीता सेठिया ने भी आसन एवं प्राणायाम के प्रयोग करवाएं। कार्यक्रम का कुशल संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया एवं आभार ज्ञापन सुनीता पींचा ने व्यक्त किया।

आंतरिक शुद्धि की वैज्ञानिक प्रक्रिया है तप: आचार्य

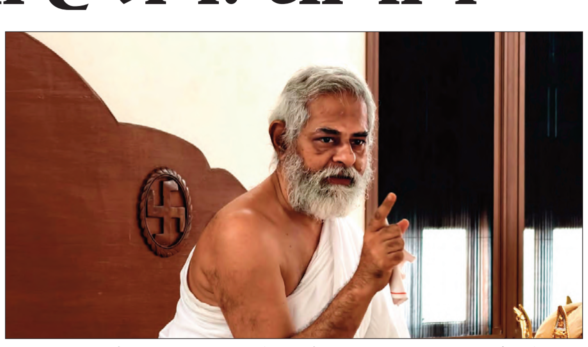

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जयनगर स्थित श्री धर्मनाथ जैन संघ में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि जैन दर्शन में आत्मिक विकास हेतु तप धर्म की अनोखी अवधारणा दर्शाई गई है, जो तन-मन और आंतरिक शुद्धि में भी मददगार साबित होती है। तप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तप की वास्तविक परिभाषा है इच्छाओं का निरोध करना, क्योंकि जीवन में दुःख का कोई कारण है तो वह है अशुभ इच्छा। तप एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है और इच्छाओं को नियंत्रित करने हेतु तप के 12 प्रकार बताए गए हैं। तप की परिभाषा सिर्फ भूखे रहने तक सीमित नहीं है। जिन-जिन माध्यमों से इच्छाओं पर अंकुश लाया जा सकता है उन तमाम प्रक्रियाओं को तप में समाविष्ट किया गया है। बाह्य रूप से कठिन लगने वाला तप वास्तव में व्यक्ति को सुखी बनाने में समर्थ है।

चैत्र मास में आने वाली नवपद ओली की आराधना के वैज्ञानिक पहलू के बारे में उन्होंने कहा कि किसी भी क्रिया का प्राण भाव होता है और भावों को जागृत करने में अनुकूल द्रव्य, क्षेत्र और काल का सीधा संबंध है जो साधक के भावों को प्रभावित करते हैं। इनमें संधि काल यानी दो ऋतुओं के बीच का काल है चैत्र मास। ऋतु परिवर्तन में तन मन को साधना में जोड़ने हेतु आयंबिल तप पर विशेष भार दिया गया है। जिसमें सात्विक आहार द्वारा शरीर को पूरा पोषण मिलने पर भी मन में विकार उत्पन्न करने वाले किसी भी प्रकार के तामसी द्रव्यों को स्थान नहीं दिया गया है। प्रवचन के पश्चात संघ के पदाधिकारियों ने चैत्र मास की नवपद ओली की आराधना में निश्रा प्रदान करने के लिए आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

रणजीत बोथरा सरदारशहर परिषद बेंगलूरु के नए अध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजराजेश्वरीनगर स्थित एक होटल में सरदार शहर परिषद की असाधारण आम सभा का आयोजन किया गया। विमल श्यामसुखा एवं रविप्रकाश नाहटा द्वारा मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर केयर टेकिंग समिति के सदस्य पवन बुच्चा, उमेद बुच्चा, विमल श्यामसुखा, आलोक सेठिया तथा चुनाव अधिकारी ऋषभ बरडिया की उपस्थिति में रणजीत बोथरा को निर्विरोध सरदारशहर परिषद का नया अध्यक्ष (कार्यकाल 2025-2027) मनोनीत किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष रणजीत बोथरा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने के पश्चात अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की। उन्होंने उपाध्यक्ष पद हेतु विनोद बोथरा और सुनीत डागा, सचिव के रूप में राजेश सेठिया, कोषाध्यक्ष के रूप में रवि नौलखा तथा सह-सचिव पदों पर अमित नौलखा और राजेंद्र नाहटा को शपथ दिलाई। इसके अतिरिक्त ऑडिटर के रूप में अशोक पींचा, संगठन सचिव कनक सेठिया, प्रसन्न दुगड़ सहित अन्य समिति सदस्यों, सलाहकारों और समन्वयकों को भी जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। निवर्तमान अध्यक्ष पवन बुच्चा ने परिषद की गतिविधियों तथा अब तक के आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया, जिसे सभी सदस्यों ने ध्वनिमत से पारित किया। इस महत्वपूर्ण सभा में समाज के अन्य गणमान्य सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आम सभा में जयसिंह डागा, सुनील दुगड, रविप्रकाश नाहटा, राकेश श्यामसुखा, दीपचंद दुगड, उम्मेद पूरबा आदि सदस्यों ने परिषद प्रगति हेतु बहुमूल्य सुझाव पेश किये। कार्यक्रम का सफल संचालन आलोक सेठिया ने किया।

विधान सौधा के सामने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण

अगर एसीपी और टीएसपी कानून पूरे देश में लागू हो जाएं तो सबसे पहले मोदी को धन्यवाद देंगे: सीएम

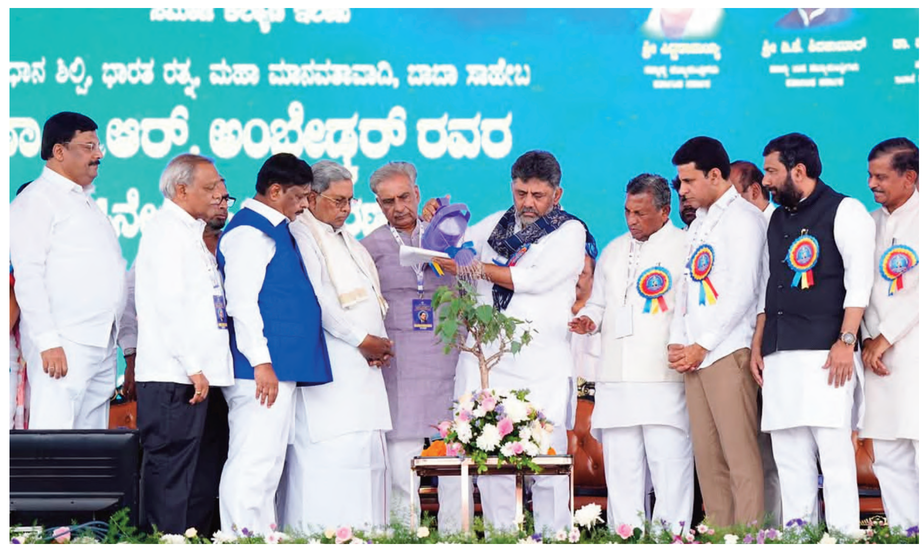

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी है कि अगर एसीपी और टीएसपी कानून पूरे देश में लागू हो जाएं तो वे सबसे पहले उन्हें धन्यवाद देंगे। अंबेडकर जयंती पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के अलावा कर्नाटक सरकार एससीपी और टीएसपी लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य है। हम जनसंख्या के अनुसार पैसा खर्च कर रहे हैं।

इसे छिपाने के लिए भाजपा यह आलोचना कर रही है कि अनुसूचित जातियों के विकास के लिए धनराशि अलग तरीके से हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा को ऐसे बयान देने में शर्म आनी चाहिए। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी कि वह केंद्र में एससीपी और टीएसपी लागू करके दिखाए, क्योंकि भाजपा शासित किसी भी राज्य में एससीपी और टीएसपी कानून नहीं है। इससे पहले, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को कम धनराशि आवंटित की जाती थी। हमारी सरकार द्वारा लाए गए कानून के परिणामस्वरूप इस वर्ष 32,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। हमने पूरे देश में पदोन्नति में आरक्षण के लिए कानून बनाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सामाजिक न्याय और संविधान के खिलाफ है। संविधान का उद्देश्य महिलाओं, अनुसूचित जातियों और शोषितों को समानता प्रदान करना है।

स्वतंत्रता और लोकतंत्र का उद्देश्य भी समानता है। हमारी सरकार इस संबंध में कई कार्यक्रम बना रही है। उन्होंने कहा कि यदि लोगों के पास क्रय शक्ति नहीं होगी तो आर्थिक गतिविधियां ध्वस्त हो जाएंगी। जाति व्यवस्था में कोई गतिशीलता नहीं है, केवल शिक्षित लोग ही जाति बना रहे हैं।

अम्बेडकर ने अपने ज्ञान का उपयोग शोषण मुक्त समाज के निर्माण के लिए किया। सभी को अंबेडकर के मूल मंत्र और आकांक्षाओं का अनुसरण करना चाहिए। सभी को शिक्षित होना चाहिए। हमें संगठित होने ही आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि अंबेडकर के बिना शोषितों को न्याय नहीं मिल पाता। हम सभी को अपना जीवन वंचितों के लिए लड़ने में समर्पित करना चाहिए। हमारी सरकार ने अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों को पट्टे देकर आरक्षण देने का निर्णय लिया है। उन्होंने तुष्टीकरण की राजनीति के रूप में अल्पसंख्यकों को ठेकों में दिए गए आरक्षण की व्यापक रूप से निंदा की। मुसलमानों में आर्थिक और सामाजिक शक्ति का अभाव है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को उन लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास करना चाहिए जिन्हें न्याय पाने का मौका नहीं मिल पाता। मुझे उच्च वर्ग विरोधी के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया गया है।

मैं किसी के खिलाफ नहीं हूं। उन्होंने कहा मैं शोषितों के हित में काम करूंगा, जैसा कि अंबेडकर चाहते थे। शिक्षा पर जोर देने के लिए प्रत्येक बस्ती में एक आवासीय विद्यालय शुरू करने का निर्णय लिया गया है। हमने इस वर्ष 26 आवासीय विद्यालयों को मंजूरी दी है। गरीबों के बच्चे भी डॉक्टर और इंजीनियर बनने चाहिए। उन्होंने कहा कि यही हमारी सरकार की आशा है। अनुसूचित जातियों के विरुद्ध अत्याचार के मामलों में सजा की दर कम थी। मैसूरु विश्वविद्यालय में एक संविधान पीठ स्थापित की जाएगी। बेंगलूरु विश्वविद्यालय में अंबेडकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा तथा उनकी अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विधान सौधा के सामने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी, मंत्री एचसी महादेवप्पा, केएच मुनियप्पा, विधायक रिजवान हर्षद, पीएम नरेंद्रस्वामी और अन्य उपस्थित थे।

5.75 लाख रुपये मूल्य का गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, उडुपी सीईएन पुलिस ने मणिपाल के पास 5.75 लाख रुपये मूल्य के 7 किलोग्राम से अधिक गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल के गु-लजार स्ट्रीट निवासी अरीब अहमद (31) के रूप में पहचाने गए आरोपी पर कथित तौर पर विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश से मंगाया गया गांजा बेचने का प्रयास करने का आरोप है। 80 बडागाबेट्टू गांव के एक सार्वजनिक क्षेत्र में योजनाबद्ध बिक्री के बारे में विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, निरीक्षक रामचंद्र नायक के नेतृत्व में एक टीम ने सहायक कर्मचारियों के साथ मिलकर एक त्वरित छापेमारी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर, अरीब मादक पदार्थों के कब्जे के लिए कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस प्रदान करने में विफल रहा। पुलिस ने उसके कब्जे से 7.304 किलोग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 5,75,000 रुपये है। इसके अलावा, अधिकारियों ने लगभग 20,000 रुपये मूल्य के दो मोबाइल फोन, तस्करी के सामान को ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक बैग, एक काला बैग और 1,520 रुपये नकद जब्त किए। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 5,96,520 रुपये है। आरोपी ने कथित तौर पर विजयवाड़ा में एक साइकिल रिक्शा चालक से गांजा खरीदने की बात कबूल की है। उडुपी के सीईएन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

वरिष्ठ कन्नड़ हास्य अभिनेता जनार्दन का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता और हास्य अभिनेता बैंक जनार्दन का सोमवार की सुबह 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने बेंगलूरु के मणिपाल अस्पताल में सुबह करीब 2.30 बजे अंतिम सांस ली, जहां उन्हें उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भर्ती कराया गया था। दिवंगत अभिनेता का पार्थिव शरीर सुबह 10 बजे से जनता के दर्शन और अंतिम श्रद्धांजलि के लिए बेंगलूरु के सुल्तानपाल्या स्थित उनके आवास पर रखा गया। 1948 में चित्रदुर्ग जिले के होलालकेरे में जन्मे बैंक जनार्दन ने 1985 में पितामह से सिल्वर स्क्रीन पर अपनी शुरुआत की थी। दशकों से, वे कन्नड़ सिनेमा में एक प्रिय व्यक्ति बन गए, जिन्होंने 500 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। हालाँकि 2016 के बाद उन्होंने धीरे-धीरे फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन माता (2022) और अंडेनामा (2023) में भूमिकाओं के साथ वे इंडस्ट्री से जुड़े रहे। बैंक जनार्दन टेलीविजन में भी एक लोकप्रिय नाम थे, जिन्होंने पापा पांडु, जोकली, रोबो फैमिली और मंगला जैसे धारावाहिकों में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

17 को कैबिनेट की बैठक में रिपोर्ट पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पिछड़े वर्गों की जाति जनगणना रिपोर्ट पर 17 तारीख को होने वाली कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। वह तब तक कोई बयान नहीं देंगे। उन्होंने भाजपा के इस आरोप पर कड़ी प्रतिक्रिया दी कि राज्य सरकार ने जाति जनगणना रिपोर्ट अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए पेश की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 तारीख को होने वाली कैबिनेट बैठक में रिपोर्ट के संबंध में केवल एक ही विषय पर चर्चा होनी है। उन्होंने कहा मैं उस बैठक के बाद बोलूंगा। उससे पहले मैं कोई बयान नहीं दूंगा। जाति जनगणना रिपोर्ट ने राज्य में गरमागरम बहस छेड़ दी है, जिसमें पक्ष और विपक्ष दोनों तरह की बहसें हो रही हैं। कांग्रेस पार्टी के भीतर कई लोग जाति आधारित जनसंख्या गणना पर असंतोष व्यक्त कर रहे हैं। कुछ मंत्रियों को रिपोर्ट मिल गई है। वे कह रहे हैं कि वे इसका अध्ययन करने के बाद जवाब देंगे। एक ओर जहां भाजपा इस रिपोर्ट पर कड़ा रोष व्यक्त कर रही है, वहीं जेडीएस ने भी विरोध जताया है। ऐसे में कांग्रेस के नेता ही अपनी सरकार के फैसले को सही ठहराने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं बयान देने में हिचकिचा रहे हैं। इससे पहले उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने खुद अभी तक जाति जनगणना रिपोर्ट नहीं देखी है और इसे पढ़ने के बाद ही कोई टिप्पणी करेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है और अगर कोई खामियां पाई जाती हैं तो उन्हें दूर किया जाएगा। शिवकुमार ने शनिवार शाम को यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि उन्हें जाति जनगणना सर्वेक्षण रिपोर्ट की एक प्रति दी गई है और उन्होंने अभी तक इसे नहीं पढ़ा है। कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने का वादा किया था, जिससे प्रत्येक समुदाय की प्रगति जानने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा हम भगवान बसवेश्वर के सिद्धांतों का पालन करते हैं। हम रिपोर्ट को देखेंगे। अगर कोई खामियां पाई जाती हैं तो उन्हें दूर किया जाएगा। घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

अपराधों में प्रवासी मजदूरों की संलिप्तता

कर्नाटक के गृह मंत्री श्रम विभाग के साथ करेंगे चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि वह अन्य राज्यों से प्रवासी मजदूरों से जुड़े अपराधों की बढ़ती संख्या के संबंध में उठाए जा सकने वाले कदमों पर श्रम मंत्री संतोष लाड के साथ गृह और श्रम विभागों की एक संयुक्त बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से कर्नाटक आने वाले श्रमिकों को रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उनकी संलिप्तता वाली आपराधिक गतिविधियों पर ध्यान देने और उनके खिलाफ कदम उठाने की निश्चित रूप से आवश्यकता है। गृह मंत्री का यह बयान हुब्बल्ली में पांच वर्षीय बच्ची के कथित अपहरण और हत्या के मद्देनजर आया है। बिहार के पटना निवासी 35 वर्षीय रितेश कुमार की रविवार को पुलिस की गोलीबारी में मौत हो गई थी। देश के विभिन्न भागों से मजदूर आ रहे हैं क्योंकि बेंगलूरु एक तेजी से विकसित हो रहा शहर है और पूरे कर्नाटक में भी। कई मामलों में हम देखते हैं कि वे आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। हमें निश्चित रूप से इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि देश के अन्य भागों से आने वाले लोग ऐसे अपराधों में अधिक शामिल हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं श्रम मंत्री और संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा करूंगा और देखूंगा कि हम क्या कर सकते हैं। हम विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रमिकों को रोक नहीं सकते, लेकिन हम कुछ उपाय कर सकते हैं। मैं श्रम मंत्री के साथ इस पर चर्चा करूंगा। हम (गृह और श्रम विभागों की) एक संयुक्त बैठक करेंगे कि क्या उपाय किए जा सकते हैं। बिहार के एक व्यक्ति द्वारा रविवार को हुब्बल्ली में एक पांच वर्षीय लड़की के अपहरण और हत्या को भयावह घटना बताते हुए गृह मंत्री ने कहा कि पुलिस ने कुछ ही समय में आरोपी को पकड़ लिया था, और जब उसे सबूत इकट्ठा करने के लिए उस स्थान पर ले जाया गया जहां वह रहता था, तो उसने अचानक पुलिस पर हमला कर दिया, और खुद को बचाने के लिए स्वाभाविक रूप से पुलिस ने उस पर गोली चला दी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा मैंने तथ्यों को सामने लाने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा जांच के आदेश दिए हैं। रिपोर्ट आने दीजिए। इस महीने की शुरुआत में सुद्दागुंटेपल्या में एक महिला से छेड़छाड़ के सिलसिले में एक संदिग्ध की गिरफ्तारी के बारे में परमेश्वर ने कहा कि उसे केरल में सुरक्षित रखा गया है और उसे बेंगलूरु लाया जा रहा है तथा आगे की जांच की जाएगी। शहर की पुलिस ने रविवार को कहा कि एक सप्ताह की तलाशी के बाद उन्होंने तिलकनगर के पास गुलबर्गा कॉलोनी निवासी 29 वर्षीय संतोष डी नामक व्यक्ति को केरल के कोझिकोड से ढूंढ निकाला है, जिसने कथित तौर पर 3 अप्रैल को सुद्दागुंटेपल्या की सड़कों पर चल रही एक कॉलेज छात्रा से छेड़छाड़ की थी। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति ब्रुकफील्ड के पास एक ऑटोमोबाइल शोरूम में ड्राइवर के रूप में काम करता था। यह घटना 3 अप्रैल को सुबह 1.55 बजे हुई थी और कथित घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गया था।

जब दो महिलाएं सड़क पर चल रही थीं, तो एक आदमी, जिसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था, ने उनमें से एक को छुआ और उसके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की। जब महिलाओं ने मदद के लिए चिल्लाया तो वह तुरंत मौके से भाग गया।

नम्मा मेट्रो मैजेस्टिक स्टेशन पर ट्रेनों की आवृत्ति में कमी के कारण अव्यवस्था

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। नम्मा मेट्रो के नादप्रभु केम्पेगौड़ा (मैजेस्टिक) स्टेशन पर सोमवार की सुबह अव्यवस्था का नजारा देखने को मिला, क्योंकि ऑफिस जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ वीकेंड के बाद शहर लौटने वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर भीड़भाड़ और मेट्रो ट्रेनों में देरी का सामना करना पड़ा। अंबेडकर जयंती के लिए सरकारी छुट्टी के कारण ट्रेनों की आवृत्ति सामान्य से कम होने के कारण व्यवधान उत्पन्न हुआ। पीक ऑवर्स के दौरान ट्रेनें कथित तौर पर हर 8 से 10 मिनट में आ रही थीं, जो सामान्य 3 से 5 मिनट के अंतराल से काफी कम है। समय पर काम पर पहुंचने के लिए मेट्रो पर निर्भर सैकड़ों दैनिक यात्रियों के साथ, मैजेस्टिक के प्लेटफॉर्म पर जल्द ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जहां खड़े होने या हिलने-डुलने के लिए मुश्किल से जगह बची थी। एक यात्री ने कहा मैं रोजाना मेट्रो से यात्रा करता हूं और समय पर ऑफिस पहुंचने के लिए मेरे पास कुछ निश्चित समय-सारिणी है। इसमें पहले कभी कोई बदलाव नहीं हुआ, इसलिए सोमवार को मैं उसी पर निर्भर था। हालांकि, समय-सारिणी अलग थी। मैजेस्टिक में प्रतीक्षा करने वाली लाइनें वास्तव में लंबी थीं और अगली मेट्रो 15 मिनट बाद थी। मैं ऑफिस देर से पहुंचा, हालांकि मैं अपने सामान्य समय पर घर से निकला था। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की, और भीड़ का अनुमान लगाने में विफल रहने के लिए बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) को दोषी ठहराया। एक यात्री ने कहा बीएमआरसीएल को लगता है कि सभी की छुट्टी है, इसलिए भीड़ के समय 10 मिनट की आवृत्ति पर ट्रेनें चला रहे हैं। मैजेस्टिक में इन दिनों भगदड़ मचेगी और इसके लिए केवल बीएमआरसीएल ही जिम्मेदार होगा। कोई कतार नहीं, कोई नियम नहीं, आज सब कुछ मुफ्त है।

अंबेडकर ने भारतीयों के जीवन को आकार दिया: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि आइए हम संविधान को बचाने का संकल्प लें, जब तक हमारे शरीर में खून है। केपीसीसी कार्यालय में आयोजित अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा अंबेडकर ने भारतीयों के जीवन को आकार दिया है। अंबेडकर ही कारण हैं कि दुनिया भर में लोग हमारे भारतीय संविधान की सराहना करते हैं। संविधान में यह भी कहा गया है कि सभी धर्मों की सुरक्षा महत्व-

पूर्ण है। अंबेडकर सिर्फ दलितों के लिए नहीं, बल्कि हर भारतीय नागरिक के लिए हैं।

अंबेडकर का अपमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में किया जाता है, जिसने संसद में भारत के संविधान को समर्पित किया। हमारे नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' का संकल्प लिया और कार्यक्रम लिखा, जय बापू, जय भीम, जय संविधान।

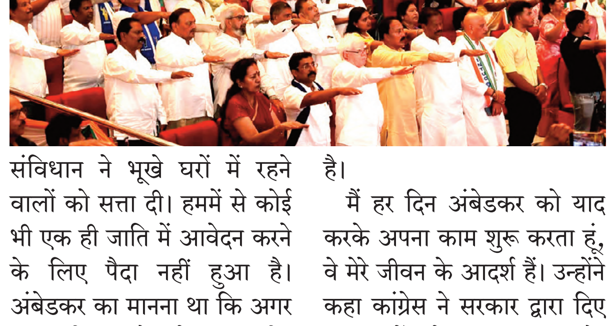

संविधान ने भूखे घरों में रहने वालों को सत्ता दी। हममें से कोई भी एक ही जाति में आवेदन करने के लिए पैदा नहीं हुआ है। अंबेडकर का मानना था कि अगर मृत्यु इतिहास है, तो जीत शक्ति है।

मैं हर दिन अंबेडकर को याद करके अपना काम शुरू करता हूं, वे मेरे जीवन के आदर्श हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस ने सरकार द्वारा दिए गए शब्दों को बरकरार रखा है। केंद्र की भाजपा सरकार ने महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया है। हमने गरीबों को महंगाई से बचाने के लिए 52 हजार करोड़ की पांच गारंटी योजनाएं दी हैं। लोग महंगाई से परेशान हैं। प्रदेश भाजपा को केंद्र सरकार के खिलाफ रैली करनी चाहिए थी। 17 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में हम केंद्र की महंगाई के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं।

इस लड़ाई की प्रेरणा बाबा साहब अंबेडकर हैं। अंबेडकर ने कहा था कि हमें संघर्ष से जीतना चाहिए।

मुडा अवैध भूमि आवंटन मामला

विशेष अदालत आज ईडी द्वारा दायर याचिका पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर याचिका पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगी, जिसमें लोकायुक्त बी. रिपोर्ट को चुनौती दी गई है, जिसमें कहा गया है कि मुडा अवैध भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कोई भूमिका नहीं थी। विशेष जन प्रतिनिधि न्यायालय के न्यायाधीश गजानन भट्ट द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार को दिया गया आदेश करो या मरो वाला है। यदि न्यायालय लोकायुक्त जांच रिपोर्ट को बरकरार रखता है तो सिद्धरामैया को अपनी कानूनी लड़ाई में बड़ी जीत मिलेगी। यदि लोकायुक्त की रिपोर्ट तकनीकी आधार पर खारिज कर दी गई तो बड़ी कानूनी कठिनाइयां पैदा हो जाएंगी। इसलिए, यह फैसला न केवल सिद्धरामैया के लिए, बल्कि राजनीतिक क्षेत्र में भी बहुत महत्व रखता है। ईडी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मुडा घोटाले के संबंध में लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर बी रिपोर्ट पर आपत्ति जताई थी और वी.2 को जनप्रतिनिधियों के विशेष न्यायालय में चुनौती याचिका दायर की थी। पिछले बुधवार को सुनवाई के दौरान लोकायुक्त पुलिस के वकील वेंकटेश अरबत्ती ने ईडी की शिकायत अर्जी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कानून में ईडी की अर्जी की अनुमति नहीं है, अर्जी में जांच के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है और लोकायुक्त पुलिस ने ईडी को एक पत्र और 27 दस्तावेज दिए हैं। लोकायुक्त ने तर्क दिया था कि जांच अधिकारी ने इन दस्तावेजों पर विचार किया था और बी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इसके अलावा, आरोपपत्र के पृष्ठ संख्या 646 पर ईडी का पत्र और दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं। लोकायुक्त जांच अधिकारी की राय भी दर्ज कर ली गई है। वेंकटेश अरबत्ती ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि ईडी को इस तरह का अंतरिम आवेदन दायर करने की अनुमति नहीं है, क्योंकि यह कोई पीड़ित व्यक्ति नहीं है, जिसने इस पर सवाल उठाने के लिए बी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। लोकायुक्त जांच अधिकारी ने जांच अधिकारी द्वारा एकत्रित सभी दस्तावेजों और अन्य लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों की समीक्षा की है और अपनी राय दी है। यदि किसी तीसरे पक्ष, ईडी को अनुमति दी गई तो यह एक समस्या होगी। इसलिए लोकायुक्त के वकीलों ने अनुरोध किया था कि ईडी के आवेदन पर विचार न किया जाए। विजय मदन लाल चौधरी मामले में ईडी की शक्तियों को स्पष्ट कर दिया गया है। यहां तक कि 2022 में भी मॉर्टन निर्णय और नागराज निर्णय हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के अधिकार को बरकरार रखते हुए फैसला दिया है। ईडी ने फैसला दिया है कि स्थानीय पुलिस द्वारा की गई जांच पूरक होनी चाहिए। इन मामलों में पीड़ितों को चेहरा दिखाने की आवश्यकता नहीं होती।

ईडी ने यह भी तर्क दिया था कि वह बी रिपोर्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज कर सकती है। लोकायुक्त पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले शिकायतकर्ता को नोटिस जारी नहीं किया। जांचकर्ता असमंजस में हैं। उनका कहना है कि आरोप साबित नहीं हुआ है। तो फिर सेनानियों को क्या करना चाहिए? लोकायुक्त जांच अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ईडी का पत्र मीडिया में भी लीक हो गया। वह पत्र और दस्तावेज आरोपपत्र के पृष्ठ संख्या 646 पर प्रस्तुत किए गए हैं। लोकायुक्त जांच अधिकारी की राय भी दर्ज कर ली गई है। वेंकटेश अरबत्ती, जिन्होंने आपत्ति जताई कि ईडी एक पीड़ित व्यक्ति नहीं है जो लोकायुक्त पुलिस की बी रिपोर्ट पर सवाल उठाने का हकदार है, को इस तरह का अंतरिम आवेदन दायर करने का अधिकार नहीं है, और उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया। लोकायुक्त जांच अधिकारी ने जांच के दौरान एकत्र सभी दस्तावेजों और अन्य लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों की समीक्षा की और अपनी राय दी। यदि किसी तीसरे पक्ष, ई.डी. को अनुमति दी गई तो यह एक समस्या होगी। इसलिए लोकायुक्त ने एसपीपी अदालत से ईडी के आवेदन पर विचार न करने का अनुरोध किया था। इसके बाद, शिकायतकर्ता के वकील स्नेहीमही कृष्णा ने तर्क दिया कि जो भी व्यक्ति सूचना प्रदान करता है, उसे गवाह माना जाना चाहिए। लेकिन लोकायुक्त पुलिस एक तरह से रिपोर्ट करती है, और ईडी दूसरी तरह से। लोकायुक्त ने आपत्ति जताई थी कि पुलिस ने पूरी रिपोर्ट पर विचार नहीं किया है। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना आदेश 16 अप्रैल तक सुरक्षित रख लिया।

यह सच्चाई जानने की जरूरत है कि

कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर के साथ कैसा व्यवहार किया: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि जब जनता ने कांग्रेस को ललकारा है और उन्हें दोषी बनाना शुरू किया है तो अब कांग्रेस द्वारा डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को याद किया जा रहा है कि बाबा साहब संविधान के निर्माता थे। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को संविधान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य और देश के लोगों को यह सच्चाई जानने की जरूरत है कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर के साथ कैसा व्यवहार किया। आजादी के बाद से कांग्रेस ने लंबे समय तक, 50-55 साल तक शासन किया है।

उन्होंने महान नेता बाबासाहेब अंबेडकर को भारत रत्न न देने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, जबकि गांधी परिवार 40-45 वर्षों तक देश की सत्ता पर काबिज रहा।

गांधी परिवार को तीन भारत रत्न मिले। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि संविधान निर्माता अंबेडकर को भारत रत्न देने का विचार कांग्रेस के दिमाग में कभी नहीं आया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अपने जीवनकाल की तुलना में अब अधिक प्रासंगिक हैं। क्या इतने लम्बे समय तक हम पर शासन करने वालों ने हमारी समस्याओं को सुधारा है? क्या आपने समस्याएं हल कर ली हैं? कांग्रेस पार्टी कई सच्चाइयों को छिपा रही है और समाज को कुछ और दिखा रही है।

मैं भी कांग्रेस के अंधेरे कमरों की सच्चाई से वाकिफ हूं। अब एक-एक करके सच्चाई सामने आ रही है। इस अवसर पर विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, राज्य महासचिव प्रीतम गौड़ा और अन्य गणमान्य मौजूद थे।

केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन पाखंडपूर्ण नाटक: बीवाई विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को पाखंडपूर्ण नाटक करार दिया है। पार्टी के संघर्ष से घबराई कांग्रेस 17 तारीख को केंद्र के खिलाफ संघर्ष की योजना बना रही है।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए इसे राज्य के लोगों का ध्यान भटकाने की चाल बताया और कांग्रेस पार्टी के संघर्ष को पाखंडपूर्ण नाटक बताया। उन्होंने कहा कि आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ चाहे जितना भी संघर्ष करें, लोग आप पर विश्वास नहीं करेंगे और आपके प्रयास सफल नहीं होंगे। राज्य कांग्रेस सरकार की मूल्य वृद्धि के खिलाफ भाजपा के नेतृत्व में जनाक्रोश यात्रा का पहला चरण सफल रहा है। हमने सरकार की मूल्य वृद्धि के खिलाफ दिन-रात सफल विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा भी इस यात्रा में शामिल हुए थे। हमने पूरे राज्य में मूल्य वृद्धि के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। हम तीन चरणों में जन आक्रोश मार्च निकाल रहे हैं। पांच दिनों तक चली जनाक्रोश यात्रा का पहला चरण नौ जिलों में सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। हमारे सभी नेता जनाक्रोश यात्रा में आये थे। दोनों पक्षों के नेताओं ने सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि जनाक्रोश यात्रा के दौरान उन्होंने 115 किलोमीटर की यात्रा की। राज्य सरकार वित्तीय स्थिति को प्रबंधित करने में विफल रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया आर्थिक स्थिति को संभालने में विफल रहे हैं। वे अपनी विफलता छिपाने के लिए केंद्र पर आरोप लगा रहे हैं। यह सरकार राज्य के लोगों को विकास नहीं दे रही है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि मूल्य वृद्धि इसमें योगदान दे रही है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा हुब्बल्ली एन-काउंटर में आपका स्वागत है। जिसने भी ऐसा बुरा काम किया है, उसे कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। जाति जनगणना रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने पूछा कि सिद्धरामैया इसके पीछे क्यों पड़े हैं। जब सर्वेक्षण हुआ तो संख्या एक करोड़ थी। अब वहां छह करोड़ लोग हैं। उन्होंने पूछा कि क्या एक करोड़ लोगों को समुद्र में फेंक दिया जाना चाहिए? यतनाल को मिली जान से मारने की धमकी के संबंध में मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी जान से मारने की धमकी नहीं दी जानी चाहिए। हम हिंदुत्व के लिए बोलने और लड़ने वाले किसी भी व्यक्ति का समर्थन करते हैं। हम मौत की धमकी की निंदा करते हैं।

बेंगलूरु छेड़छाड़ मामला

राज्यव्यापी तलाश के बाद आरोपी केरल से गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बेंगलूरु के एक रिहायशी इलाके में दो महिलाओं से छेड़छाड़ करने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। आरोपी की पहचान 26 वर्षीय संतोष डेनियल के रूप में हुई है। उसे सड्डुगुंटेपल्या पुलिस ने केरल के एक गांव से गिरफ्तार किया, जहां वह अपने एक दोस्त के घर में छिपा हुआ था। उसने कथित तौर पर अपने मेजबानों को अपराध के बारे में कुछ भी नहीं बताया था। पुलिस पूछताछ के दौरान उसने अपराध कबूल कर लिया। चौंकाने वाली यह घटना 4 अप्रैल की सुबह हुई और सीसीटीवी फुटेज ऑनलाइन सामने आने के बाद सामने आई, जिसमें एक व्यक्ति शांत सड़क पर चल रही दो अनजान महिलाओं को परेशान करता हुआ दिखाई दे रहा था।

17 सेकंड की क्लिप में आरोपी उनके पीछे चलता हुआ दिखाई देता है, एक को धक्का देता है और दूसरी को यौन उत्पीड़न करते हुए घटनास्थल से भाग जाता है। महिलाएं स्पष्ट रूप से घबराई हुई दिखाई देती हैं और कुछ देर के लिए रुकती हैं। वायरल वीडियो के बाद, सड्डुगुंटेपल्या पुलिस हरकत में आई और स्थानीय निवासी लोकेश गौड़ा की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की। अपराधी का पता लगाने के लिए गठित दो विशेष टीमों ने 1,600 से अधिक सीसीटीवी क्लिप की जांच की। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर और तकनीकी सुरागों का उपयोग करते हुए, जांच बेंगलूरु, तमिलनाडु और केरल में फैली। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने शुरू में अपना फोन बंद कर दिया और होसूर और कृष्णागिरी भाग गया, अंततः केरल पहुंचा। फिर उसने बेंगलूरु में एक पूर्व सहयोगी से संपर्क किया और उसके घर पर शरण ली। सूत्रों ने खुलासा किया कि संतोष डेनियल वर्तमान में बेरोजगार है और उस पर बार-बार अपराध करने का संदेह है।

उसकी गिरफ्तारी से क्षेत्र के निवासियों को कुछ राहत मिली है, जिनमें से कई ने हमले की बेशर्मी पर चिंता व्यक्त की और विशेष रूप से रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। इस घटना ने राजनीतिक विवाद को भी जन्म दिया है।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु की झांकी को मिला दूसरा स्थान

महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में शानदार सहभागिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन युवा संगठन द्वारा आयोजित महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में जीतो महिला विंग, बेंगलूरु ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रभावशाली उपस्थिति के माध्यम से समाज को गौरवान्वित किया।

इस भव्य शोभायात्रा में बेंगलूरु के विभिन्न जैन संगठनों की कुल 13 अद्वितीय झांकियाँ निकाली गईं, जो जैन संस्कृति, आस्था और अध्यात्म की विविध छवियाँ प्रस्तुत कर रही थीं। जीतो महिला विंग की झांकी महावीर प्रभु के स्नात्र महोत्सव पर आधारित थी और इसे दूसरा स्थान प्राप्त हुआ, जो विंग के समर्पण और रचनात्मकता का प्रमाण है। झांकी का मूल उद्देश्य था चलो संकल्प लें, जैन संस्कृति और सिद्धांतों को अगली पीढ़ी तक गर्व के साथ पहुँचाएं। इस भावपूर्ण संदेश को कलाकारों ने आत्मिक ऊर्जा और नाटकीयता के साथ जीवंत किया। इस झांकी में दर्शाया गया कि तीर्थंकर महावीर के जन्म के समय केवल पृथ्वी ही नहीं, बल्कि चारों गतियों के जीवों को भी सुख और शांति की अनुभूति हुई थी। यहाँ तक कि निगोद जैसे नीचतम स्थानों के जीव भी आनंदित हुए यह प्रभु वीर के जन्म को एक सार्वभौमिक कल्याणकारी घटना के रूप में प्रस्तुत करता है। इस झांकी में जीवन्त अभिनय के माध्यम से विभिन्न पात्रों को सजीव रूप दिया गया, जिससे दर्शकों को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक गौरव का अनुभव हुआ। झांकी के विभिन्न पात्रों में इंद्र भगवान, दिक्कुमारियाँ, श्रावक और श्राविकाएँ सम्मिलित थीं, जिनका प्रभावशाली मंचन जीतो महिला विंग की सदस्यों ने आत्मीयता और निष्ठा के साथ किया। इस अद्भुत प्रस्तुति में मुख्य भूमिका निभाने वालों में अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना और बबिता रायसोनी, महामंत्री रक्षा छाजेड़, सहमंत्री चंद्रा जैन तथा कार्यकारिणी सदस्याएं संगीता सियाल, अस्मिता चौहान, नंदा बाफना, सारिका और बिंदु नाहर शामिल थीं। इन सभी ने पूरी श्रद्धा के साथ अपने पात्रों को जीवंत किया और झांकी को एक आध्यात्मिक उत्सव में परिवर्तित कर दिया। इस शोभायात्रा और महोत्सव की गरिमा को विशेष रूप से बढ़ाया गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने, जिनका मार्गदर्शन और प्रोत्साहन जीतो महिला विंग के लिए प्रेरणास्रोत रहा। आयोजन में जीतो मुख्य विंग के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी, उपाध्यक्ष महेन्द्र रांका, महामंत्री नितिन लुनिया, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र आच्छा, कमेटी सदस्य दीनेश खीवेंसरा, सुनील लोढ़ा, एपेक्स कन्वीनर बिंदु रायसोनी, सुनीता गांधी, पिंकी जैन उपस्थित रहे। कमेटी सदस्य नेहा भंडारी, निशा कोठारी, बेंगलूरु नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महामंत्री विजय सिंघवी ने भी उपस्थिति दर्ज कराई और शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

घरेलू हिंसा के आरोप में बेंगलूरु के एक इंजीनियर ने राजभवन के पास आत्मदाह का किया प्रयास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक परेशान करने वाली घटना में, जिसने एक बार फिर घरेलू विवादों में पुरुषों के बीच बढ़ते संकट की ओर ध्यान आकर्षित किया है, एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने रविवार को बेंगलूरु में राज्यपाल के आवास के पास आत्मदाह करने का प्रयास किया। व्यक्ति की पहचान चिक्कबल्लापुरा जिले के मूल निवासी जुनैद अहमद के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जुनैद ने कथित तौर पर खुद पर पेट्रोल डाला और खुद को आग लगाने की तैयारी कर रहा था, जब मौके पर मौजूद अधिकारियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जुनैद कथित तौर पर चल रहे घरेलू मुद्दों के कारण गंभीर मानसिक आघात का सामना कर रहा था। उसने दावा किया कि उसकी पत्नी ने दहेज उत्पीड़न के मामले में उस पर झूठा आरोप लगाया था और उसके खिलाफ कई अन्य कानूनी शिकायतें दर्ज कराई थीं। स्थानीय अधिकारियों की निष्क्रियता से निराश जुनैद ने कहा कि उसने चिक्कबल्लापुरा पुलिस स्टेशन में जवाबी शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। इससे क्रोधित और असहाय महसूस करते हुए, उसने कथित तौर पर राजभवन के सामने आत्महत्या का प्रयास करके विरोध करने का फैसला किया। उस समय ड्यूटी पर मौजूद पुलिस ने तुरंत इस कृत्य को रोका और जुनैद को हिरासत में ले लिया। उसे विधान सौधा पुलिस स्टेशन लाया गया, जहाँ अधिकारियों ने उसकी शिकायतें सुनीं और उसे रिहा करने से पहले परामर्श दिया।

हावेरी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव के साथ वन्दे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, हावेरी गदग सांसद बसवराज बोम्मई, ब्यादगी विधायक बसवराज शिवण्णावर, मैसूरु मंडल रेलवे प्रबंधक मुदित अग्रवाल, दपरे जोनल सलहकार समिति सदस्य (जेडआरयूसीसी) महेन्द्र सिंघी, चीफ कमर्शियल मैनेजर पर्सनल डॉ. अनूप दयानद साधु ने श्री मेलारा महादेवप्पा रेलवे स्टेशन हावेरी पर अतिरिक्त ठहराव के साथ ट्रेन संख्या 20662 धारवाड़ बेंगलूरु वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जो क्षेत्र में रेल संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपने संबोधन में बसवराज बोम्मई ने हावेरी में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने के लिए वी. सोमन्ना को धन्यवाद दिया और उनके नेतृत्व में किए गए विभिन्न विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने हावेरी रेलवे स्टेशन पर दो एस्केलेटर और अतिरिक्त ट्रेन स्टॉपेज का अनुरोध किया। इसके अलावा, उन्होंने गदग -यलविगी नई लाइन सर्वेक्षण को शीघ्र पूरा करने और रानेबेन्नूर और बेड़गी में माल शेड के विस्तार का आग्रह किया, जो कृषि उपज के प्रमुख केंद्र हैं। अनुरोधों पर प्रतिक्रिया देते

हुए वी. सोमन्ना ने आश्वासन दिया कि हावेरी स्टेशन पर जल्द ही दो एस्केलेटर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि हावेरी-गदग क्षेत्र में सभी लेवल क्रॉसिंग को जल्द से जल्द समाप्त कर दिया जाएगा। कर्नाटक में रेल विकास पर प्रकाश डालते हुए सोमन्ना ने कहा कि पूरे भारत में 104 वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं, जिनमें से 10 कर्नाटक में चल रही हैं।

उन्होंने राज्य में दो और वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की योजना की घोषणा की, जिसमें बेलगावी से हावेरी होते हुए बेंगलूरु तक वंदे भारत स्लीपर सेवा भी शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि आधुनिक सुविधाओं वाली नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें जल्द ही इस क्षेत्र में भी शुरू की जाएंगी। सोमन्ना ने रेलवे और केंद्रीय बजट को मिलाने के लिए केंद्र सरकार की सराहना की, जिससे रेलवे विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में कर्नाटक में कवच सुरक्षा प्रणाली की स्थापना के लिए 1,900 रूट किलोमीटर का काम शुरू किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि हुब्बल्ली-अंकोला रेलवे लाइन के लिए डीपीआर जमा कर दिया गया है और परियोजना जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने कर्नाटक में प्रमुख रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति पर भी प्रकाश डाला।

हुब्बल्ली-मायाकॉन्डा खंड का दोहरीकरण 1,674 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। देवरगुड्डा-करजगी खंड और तोलहूंसे-देवरगुड्डा खंड पर क्रमशः 55 करोड़ और 56 करोड़ की लागत से विद्युतीकरण कार्य पूरा हो चुका है।

इसके अतिरिक्त, कोट्टूर और हरिहर के बीच हरपनहल्ली के माध्यम से 65 किलोमीटर की नई रेलवे लाइन 4,676 करोड़ की लागत से पूरी हो चुकी है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी ने सभी नेताओं को आजाद कर दिया

अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने भंग की सभी समितियां

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 अप्रैल।

डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने प्रांतीय, जिला और ब्लॉक समितियों सहित पार्टी की सभी इकाइयों को भंग कर दिया है। प्रवक्ताओं का पैनल भी भंग कर दिया गया है। इसके साथ ही पार्टी के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है।

पार्टी की ओर से जारी एक आधिकारिक संचार में कहा गया है कि डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने प्रवक्ता सहित राज्य, प्रांतीय, जिला और ब्लाक समितियों सहित पार्टी की सभी इकाइयों को भंग कर दिया है। इसमें आगे कहा गया है कि समितियों का उचित समय पर पुनर्गठन किया जाएगा। यह अध्यक्ष की स्वीकृति से जारी किया जाता है। यह आदेश अध्यक्ष के सचिव बशीर आरिफ द्वारा जारी किया गया है। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की पार्टी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है क्योंकि बताया जा रहा है कि उनकी पार्टी के अधिकतर नेता पार्टी को छोड़ने जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का राजनीतिक सफर केंद्र शासित प्रदेश में अपने अंतिम पड़ाव पर हो सकता है।

वर्ष 2022 में कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेताओं ने फिर से बड़ी पुरानी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक ताज मोहिउद्दीन के नेतृत्व में कई नेता अगले कुछ दिनों में फिर से कांग्रेस में शामिल होने वाले हैं। ताज ने आजाद की पार्टी में शामिल होने के लिए अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। बाद में उन्होंने पिछले साल अगस्त में पार्टी से इस्तीफे की घोषणा की और फिर उड़ी निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2024 का विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन असफल रहे। कांग्रेस में फिर से शामिल होने का इरादा रखने वाले अन्य नेताओं में जीएम सरूरी, देवसर से मुहम्मद अमीन भट, अशोक कुमार, गुलजार अहमद वानी और अन्य शामिल हैं। इस समाह जम्मू या नई दिल्ली में बड़े पैमाने पर फिर से शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस में फिर से शामिल होने की उम्मीद रखने वाले कई नेताओं ने पिछले साल ही डीपीएपी से इस्तीफा दे दिया था।

इससे पहले यह खबर दी जा चुकी थी कि 2024 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद डीपीएपी अनिश्चित भविष्य का सामना कर रही है। पार्टी की गतिविधियां ठप्प हो गई हैं, और आजाद खुद जम्मू कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य से असामान्य चुप्पी और अनुपस्थिति बनाए हुए हैं।

मुर्मू, धनखड़, मोदी और अन्य नेताओं ने अंबेडकर जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियों ने सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, पीयूष गोयल, सांसद एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य नेताओं ने भी डॉ अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

इससे पहले श्री मोदी ने अपने पोस्ट पर कहा, मैं सभी देशवासियों की ओर से भारत रत्न पूज्य बाबासाहेब को उनकी जयंती पर नमन करता हूं।

उन्होंने आगे कहा, उनकी प्रेरणा के कारण ही आज देश सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में समर्पित भाव से लगा हुआ है। उनके सिद्धांत और आदर्श आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को शक्ति और गति प्रदान करेंगे।

चौदह अप्रैल को अंबेडकर जयंती भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक बी.आर. अंबेडकर की स्मृति में मनायी जाती है। बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर ने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के खिलाफ सामाजिक और जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए जीवन भर दृढ़ता से काम किया। एक साधारण शुरुआत से वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री बने। उन्हें 1990 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

गोल्डमैन सैक्स ने जारी किया नया अनुमान

सोने का भाव पहुंच सकता है 1.30 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम

अभी रिकॉर्ड हाई पर चल रहा

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना इंटरनेशनल मार्केट में 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.30 लाख रुपए तक जा सकते हैं।

विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है। हालांकि ऐसा तभी होगा जब ट्रेड वॉर और मंदी का रिस्क बहुत ज्यादा बढ़ जाए। अगर ट्रेड वॉर और मंदी का रिस्क एक्स्ट्रीम लेवल पर नहीं पहुंचता है, तब भी सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है।

पहला अनुमान: फरवरी 2025 में जारी किए गए अनुमान में गोल्डमैन ने सोने के 3,100 डॉलर प्रति औंस तक जाने की संभावना जताई थी।

दूसरा अनुमान: मार्च 2025 में जारी किए गए अनुमान में गोल्डमैन ने सोने के 3,300 डॉलर प्रति औंस तक जाने की संभावना जताई थी।

तीसरा अनुमान: अप्रैल 2025 में जारी किए गए अनुमान में गोल्डमैन ने सोने के 3,700 डॉलर प्रति औंस तक जाने की संभावना जताई है।

सोना अभी अपने रिकॉर्ड हाई पर है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (खइए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 93,353 पर पहुंच गया है। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 17,191 रुपए यानी 22.57% बढ़कर 93,353 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।

सोने में तेजी की 3 वजह : (1)अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ़ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। (2) डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। इस साल रुपए में लगभग 4% की गिरावट आई है, जिससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। (3) शादियों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में सोने के गहनों की मांग बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में ज्वेलर्स ने बताया कि ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी है, क्योंकि लोग सोने को निवेश और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

हज से पहले वीजा प्रतिबंध से श्रद्धालुओं में चिंता बढ़ी

सऊदी अरब के वीजा प्रतिबंध में मोदी से हस्तक्षेप का आग्रह

जम्मू, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

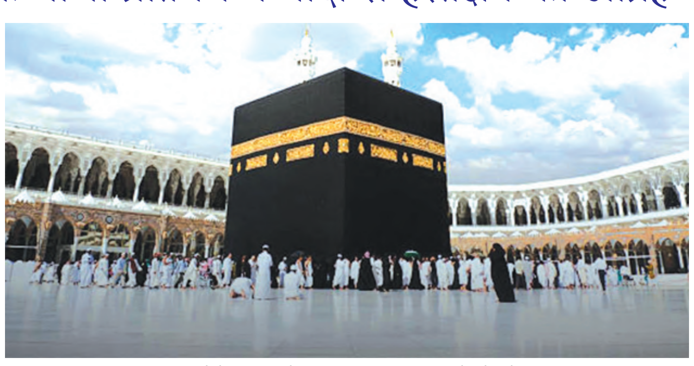

नेशनल कॉन्फ्रेंस के संरक्षक और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने भारत सहित 14 देशों के नागरिकों को अल्पकालिक वीजा जारी करने पर अस्थायी रूप से रोक लगाने के सऊदी अरब के हालिया फैसले पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप करने की अपील की। अब्दुल्ला ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से सऊदी अरब के नेताओं से बात करने और उनसे हज यात्रियों के हमारे कोटे को कम न करने का आग्रह करने की अपील करता हूं। यहां नौकरियों का भी सवाल है।

वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि वह जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से प्रधानमंत्री को औपचारिक रूप से पत्र लिखने का आग्रह करेंगे, जिसमें भारतीय तीर्थयात्रियों और श्रमिकों के हितों की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया जाएगा।

जानकारी के लिए सऊदी अरब ने नए अल्पकालिक वीजा पर अस्थायी निलंबन लागू किया है, जिसमें व्यावसायिक यात्रा वीजा (एकल और बहु प्रवेश), ई-पर्यटक वीजा और पारिवारिक यात्रा वीजा शामिल हैं। इस उपाय का उद्देश्य आगामी हज यात्रा से पहले यात्रा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। भारत के अलावा, निलंबन से प्रभावित अन्य देशों में पाकिस्तान, मिस्र, बांग्लादेश, यमन, ट्यूनीशिया, मोरक्को, जॉर्डन, नाइजीरिया, अल्जीरिया, इंडोनेशिया, इराक, सूडान और लीबिया शामिल हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने जोर देकर कहा कि सऊदी के इस कदम से हजारों भारतीयों पर असर पड़ सकता है, जिनमें जम्मू कश्मीर के श्रद्धालु शामिल हैं जो तीर्थयात्रा करने की योजना बना रहे हैं और जो रोजगार या पारिवारिक यात्रा की तलाश में हैं, उन्होंने मामले को सुलझाने के लिए त्वरित राजनयिक जुड़ाव का आह्वान किया।

अमरनाथ यात्रा के लिए कल से शुरू होगा पंजीकरण

जम्मू, 14 अप्रैल (ब्यूरो)।

इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। इस बार पूरे 39 दिन भक्तों को बाबा बर्फानी के दर्शन करने का मौका मिलेगा। अगर आप भी इस यात्रा पर जाने की सोच रहे हैं, तो जल्दी ही रजिस्ट्रेशन शुरू होने वाला है। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होगा। पहले इसे 15 अप्रैल से शुरू किया जाना था पर बैंकों में सरकारी छुट्टी की वजह से इसे एक दिन आगे खिसका दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति देश भर में 533 बैंक शाखाओं में रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड और हेल्थ सर्टिफिकेट जरूरी होगा। सरकार इस बार यात्रियों के लिए और भी अच्छी सुविधाएं देने वाली है, ताकि यात्रा आराम से हो सके। सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। अमरनाथ यात्रा भारत की सबसे पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक है, जो भक्तों को जम्मू और कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा तक ले जाती है। हर साल देश भर से हजारों तीर्थयात्री इस आध्यात्मिक यात्रा में हिस्सा लेते हैं। 2025 में अमरनाथ यात्रा में शामिल होने के लिए पहले से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है।

इस साल, पंजीकरण आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है और अधिकृत बैंकों और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध है। यूं तो इस बार भी केवल सीमित संख्या में तीर्थयात्रियों लगभग 15,000 प्रतिदिन को भाग लेने की अनुमति है।

इसलिए, अंतिम समय की भीड़ से बचने और आवश्यक स्वास्थ्य और आयु मानदंडों को पूरा करने के लिए पहले से पंजीकरण करने की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है। पर अक्सर देखा गया है कि शुरुआती दिनों में भीड़ का रेला यात्रा की व्यवस्थाओं को भंग करता रहा है।

पंजीकरण करवाना बहुत ही आसान है। आधिकारिक श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर जाएं और शीर्ष मेनू में ऑनलाइन सेवाएं पर क्लिक करें। सूची से यात्रा परमिट पंजीकरण का विकल्प चुनें। सभी दिशा-निर्देश, क्या करें और क्या न करें पढ़ें।

एक बार हो जाने के बाद, मैं सहमत हूं पर क्लिक करें और फिर पंजीकरण चुनें। अपना व्यक्तिगत विवरण भरें, जैसे नाम, यात्रा तिथि, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, आदि। पासपोर्ट आकार की फोटो और अपने अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र की स्कैन की गई कॉपी अपलोड करें। अपने पंजीकृत नंबर पर भेजे गए ओटीपी का उपयोग करके अपना मोबाइल नंबर सत्यापित करें। दो घंटे के भीतर, आपको भुगतान लिंक प्राप्त होगा। पंजीकरण शुल्क (लगभग 220 रुपए, परिवर्तन के अधीन) का भुगतान करें। सफल भुगतान के बाद, आप पोर्टल से अपना यात्रा पंजीकरण परमिट डाउनलोड कर सकते हैं। इन चरणों को पूरा करके, आप आधिकारिक परमिट के साथ पवित्र अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए तैयार हो जाएंगे।

ऑफलाइन पंजीकरण पसंद करने वालों के लिए, जम्मू और कश्मीर सरकार ने वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन हॉल सहित कई केंद्र स्थापित किए हैं। यहां बताया गया है कि प्रक्रिया कैसे काम करती है। निर्दिष्ट केंद्रों में से किसी एक से टोकन स्लिप प्राप्त करें। ये टोकन चयनित यात्रा तिथि से तीन दिन पहले जारी किए जाते हैं। अगले दिन, अपनी मेडिकल जांच और औपचारिक पंजीकरण के लिए सरस्वती धाम जानाहोगा। उसी दिन, अपना कार्ड लेने और प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए जम्मू में आरएफआईडी कार्ड केंद्र पर जाना होगा।

चाहे आप ऑनलाइन या ऑफलाइन पंजीकरण चुनें, अपनी यात्रा के दौरान असुविधा से बचने के लिए सभी औपचारिकताएं पहले से ही पूरी कर लें और सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें।

सलमान को घर में घुसकर मारेंगे, कार बम से उड़ाएंगे

गैलेक्सी अपार्टमेंट में हुई फायरिंग के सालभर बाद फिर मिली धमकी, शिकायत दर्ज

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सएप मैसेज कर सलमान खान की कार को बम से उड़ाने की बात कही।

रविवार देर रात भेजे गए इस मैसेज में लिखा है- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे। मुंबई की वर्ली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इछड) की धारा 351(2)(3) के तहत शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस केस में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी ने खुदकुशी कर ली है।

लॉरेंस गैंग से लगातार मिल रही

धमकियों पर सलमान खान ने कुछ समय पहले ही पहली बार चुप्पी तोड़ी। फिल्म सिकंदर की प्रेस मीट में एक्टर ने कहा था-भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे।

सिक्योरिटी बढ़ाई जाने पर सलमान ने कहा, 'कभी-कभी इतने लोगों को साथ लेकर चलने से दिक्कत हो जाती है।

2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से वाई+ कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 पीएसओ भी शामिल होते हैं।

सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है।

गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हुई फायरिंग के बाद जनवरी में सलमान के अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है। साथ ही हाई रेजोल्यूशन कैमरे भी चारों तरफ लगाए गए हैं।

ठीक एक साल पहले 14 अप्रैल को सुबह करीब 5 बजे सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट पर 7.6 बोर की पिस्टल से 4 राउंड फायरिंग हुई थी। इस समय सलमान खान घर में ही मौजूद थे।

संभल में बोले रामभद्राचार्य : जहां जहां मंदिर है, उसे अब लेकर रहेंगे

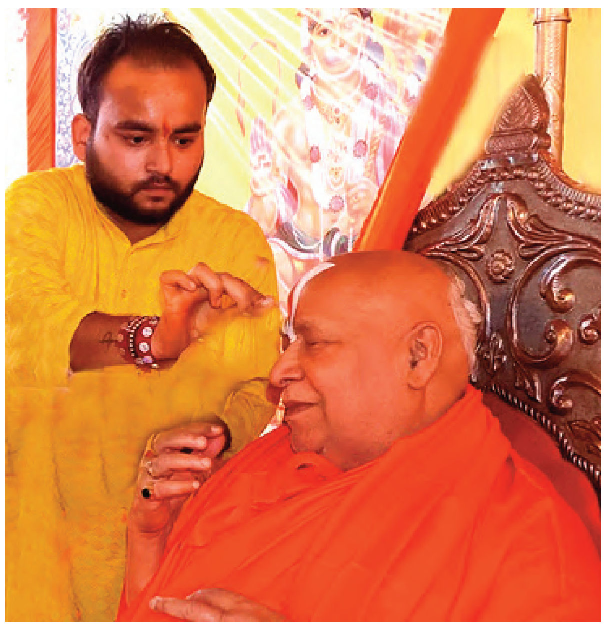

संभल, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। संभल जिले के बहजोई में आयोजित श्रीरामकथा में जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म की रक्षा के लिए सब कुछ समर्पित होना चाहिए। अब मंदिरों को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा, हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन अगर कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं, अब हिंदू जाग चुका है। हम हिंदू हैं, तो हिंदू धर्म की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्राण समर्पित होने चाहिए। जहां-जहां हिंदू मंदिर हैं, वह तो हम ले ही लेंगे।

श्रीरामकथा में जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने चौपाइयां सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने हिंदुत्व पर अपनी बात रखते हुए श्रोताओं में जोश भर दिया। उन्होंने कहा, अब कोई समझौता नहीं होगा। भगवान श्रीराम की कृपा हुई और वक्फ बोर्ड का मामला पास हुआ। जगद्गुरु ने कहा कि संभल कल्कि भगवान की धरती है। यहां भगवान कल्कि का अवतार होना है।

जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि श्रीराम राष्ट्र नायक इसलिए बने कि उन्हें हनुमान जैसा पूरी तरह से समर्पित सेवक मिला। वीर हनुमान रामावतार में श्रीराम के दूत व पुत्र बने और कृष्णावतार में कृष्ण जी के मित्र। रविवार को हुए आयोजन में आयोजकों ने हीरादेवी तोत-ाराम कन्या इंटर कॉलेज में पहुंचने पर रामभद्राचार्य जी महाराज के चरण छूकर व माला पहनाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वेद मंत्र हुए। मंच पर विराजित जगद्गुरु के मुख से निकली मंगल भवन, अमंगल हारी व सीताराम हनुमान आदि चौपाइयां सुनकर श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए।

जगद्गुरु वीर हनुमान के प्रसंग सुनाते हुए कहा कि वीर हनुमान भगवान राम के पुत्र व कन्हैया के मित्र हैं।

कन्हैया जी ने महाभारत में हनुमान को अर्जुन के रथ पर लगे ध्वज पर बैठाया और स्वयं सारथी बनकर नीचे रथ पर बैठे। वह बोले, श्रीराम राष्ट्र नायक बने। वह इसलिए कि श्रीराम को हनुमान जैसा पूरी तरह से समर्पित सेवक मिला। वीर हनुमान रामावतार में श्रीराम के दूत व पुत्र बने और कृष्णावतार में कृष्ण जी के मित्र। इसी प्रकार जैसे कन्हैया ने दो माताएं बनाईं। देवकी व यशोदा।

उसी प्रकार हनुमान ने भी दो माताएं बताईं। अंजना व सीता। वहीं, कन्हैया ने दो पिता बनाए। वासुदेव व नंदबाबा। उसी प्रकार हनुमान ने दो पिता बनाए। पवन व केसरी। इस बीच वीर हनुमान का प्रसंग सुनकर श्रोता दोनों हाथों से तालियां बजाकर जय-जयकार कर रहे थे। इसके बाद भगवान श्रीराम की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। श्रीराम कथा से पहले हुए वेदमंत्रों और पूजा-अर्चना में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया परिवार संग शामिल हुए। इस बीच डीएम ने जगद्गुरु के माथे पर तिलक लगाकर और माला पहनाकर आशीर्वाद लिया। पालिकाध्यक्ष राजेश शंकर राजू समेत कमल कुमार कमल, नीरज वार्ष्णेय, डॉ. संजय कुमार व मंजू दिलेर चौहान आदि भी मौजूद थे।

लखनऊ शहर से भाग गई चीनी कंपनी

फंस गई 56 करोड़ की वसूली

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। कूड़ा प्रबंधन के काम में ला-परवाही पर लगा 56 करोड़ का जुर्माना भरे बिना ही चीनी कंपनी शहर छोड़कर भाग गई। इसकी वजह से वसूली फंस गई है। नगर आयुक्त ने एनजीटी को पूरी रिपोर्ट सौंपी है।

राजधानी लखनऊ में कूड़ा प्रबंधन के काम में लापरवाही पर लगा 56.94 करोड़ रुपए का जुर्माना जमा किए बिना ही चीनी कंपनी इकोग्रीन एनर्जी शहर से बोरिया बिस्तर समेट कर चली गई है। शहर में जिस पते पर कंपनी का ऑफिस था, अब वहां पर उसका निशान तक नहीं है। ऐसे में जुर्माने की रिकवरी करने के लिए जिला प्रशासन की टीम भटक रही है। अब उसने नगर निगम से कंपनी के उन खातों की जानकारी मांगी है, जिसमें पैसा भेजा जाता था। कंपनी का पंजीकृत पता भी मांगा है। कचरा प्रबंधन योजना में ज्योति इनवायरो टेक कंपनी के फेल होने के बाद नगर निगम ने 2017 में चीनी कंपनी इकोग्रीन एनर्जी को काम दिया था। इस कंपनी ने करीब दो साल तो सही से काम किया, मगर उसके बाद फर्जीवाड़ा करने लगी। लापरवाही के कारण शिवरी प्लांट पर करीब 20 लाख मीट्रिक टन कूड़े का पहाड़ बन गया।

इस पर एनजीटी ने 40 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के साथ ही नगर आयुक्त का वेतन तक रोका। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी जुर्माना लगाया। यह जुर्माना साल 2019-22 के बीच कई बार में अलग-अलग था। इसके बाद भी चीनी कंपनी ने न तो काम में सुधार किया न ही जुर्माना भरा। ऐसे में जुर्माने की कुल राशि 56.94 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी की लापरवाही को देखते हुए नगर निगम ने सितंबर 2023 में अनुबंध निरस्त कर दिया।

नगर आयुक्त ने एनजीटी को पूरी रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि शिवरी प्लांट पर जमा कूड़े के लिए कंपनी जिम्मेदार है। इसमें नगर निगम के जिन अधिकारियों ने लापरवाही की थी, उन्हें शासन ने निलंबित कर दिया। इसके बाद नगर आयुक्त के वेतन पर लगी रोक हटी थी।

मोहन भागवत ने यूपी के पहले संघ भवन का उद्घाटन किया

भारत हिंदू समाज का घर है और संघ जीवन है

कानपुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन मधुकर भागवत ने सोमवार को कारवाल-ोनगर में नवनिर्मित प्रदेश के पहले संघ भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संघ कार्यकर्ता मौजूद रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए समाज को कार्य करना होगा। भारत हिंदू समाज का घर है। संघ जीवन है। संघ का कार्य सबके जीवन में सुचिता और करुणा लाना है। भागवत ने बाबा साहब को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदू समाज को विषमता से बाहर लाने का काम किया।

भागवत पांच दिन शहर में ही प्रवास करेंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह क्षेत्र और कानपुर प्रांत से जुड़े प्रचारकों के साथ बैठक कर अक्टूबर में होने वाले संघ के शताब्दी वर्ष की कार्ययोजना तैयार करेंगे।

इसे पूरे देश में अभियान के तौर पर लागू किया जाएगा। शाम को उन्होंने क्षेत्र, प्रांत, विभाग, जिला प्रचारकों के साथ बैठक कर सेवा, समरसता, पर्यावरण के क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों पर भी चर्चा की। इसमें घर-घर तुलसी वितरण, प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाली हानियों पर भी बातचीत की गई। वह 15 तथा 16 अप्रैल को संघ के छह आयाम में से एक सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद 15 को ही कोयला नगर और 16 को निराला नगर की शाखा में शामिल होने जाएंगे। 17 को संघ की प्रांत कार्यकारिणी के साथ संघ शताब्दी वर्ष में संघ पंच परिवर्तन को लेकर चर्चा की जाएगी।

नवनिर्मित चार मंजिल संघ भवन में राजस्थान से लाए गए लाल पत्थरों का प्रयोग किया गया है। भवन की पेंटिंग गोबर मिश्रित विशेष पेंट से कराई गई है। भवन का मुख्य द्वार और चारदीवारी भी लाल पत्थर से बनाई गई है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग के अलावा एक बड़ी लाइब्रेरी की स्थापना भी की गई है।

यहां पर सभी हिंदू धर्मों, इतिहास को बताने वाले साहित्य और ज्ञानवर्धक पुस्तकें रखी गई हैं। भागवत ऐसे पहले सर संघ चालक हैं, जो उत्तर प्रदेश के किसी संघ भवन में पहली बार प्रवास कर रहे हैं। अभी तक जब भी उनका कानपुर या प्रदेश के किसी भी जिले में आना हुआ है, उनका प्रवास संघ कार्यालयों की जगह किसी अन्य स्थान पर ही रहा है। अभी तक प्रदेश में संघ की अपनी कोई ऐसी जगह नहीं थी।

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण की लखनऊ खंडपीठ का उद्घाटन

सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ : सीएम योगी

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी रहे मौजूद

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां) सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ। यह समयबद्ध, सहज और सरल हो और एक कॉमन मैन के साथ सामान्य कार्मिक वहां तक पहुंच बना सके। उसकी समय पर सुनवाई और मेरिट के आधार पर मामलों का निस्तारण हो, यह जरूरी है। आज का दिन हम सभी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण क्योंकि भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पावन जयंती को दलित, वंचित और समाज के उपेक्षित वर्ग को न्याय दिलाने के महामानव के रूप में मनाते हैं। इसको लेकर सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है। हमारे न्यायालय में बहुत मामले लंबित पड़े हुए हैं। इन लंबित मामलों के लिए कोर्ट के अनावश्यक समय को जाया ना करना पड़े, इसके लिए ट्रिब्यूनल के स्तर पर मामलों की अलग से सुनवाई हो। इस मंशा के अनुरूप ट्रिब्यूनल ने देश में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) लखनऊ खंडपीठ के उद्घाटन कार्यक्रम में कही। इस दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ट्रिब्यूनल समयबद्ध तरीके से संबंधित पक्षों को मेरिट के स्तर पर न्याय प्रदान कर सके, यह सरकार की प्राथमिकता में है। कैट की भूमिका भी ऐसी ही है। केंद्रीय सरकार से जुड़े हुए विभिन्न सरकारी उपक्रम और शासकीय व्यवस्था से जुड़े हुए अधिकारियों और कार्मिकों को किसी स्तर पर न्याय नहीं मिल पाया, उनके लिए प्लेटफॉर्म देने और समय पर न्याय देने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि फुल बेंच हो या सर्किट बेंच अगर उनके पास कोई भी संसाधन नहीं है तो वहां दूसरों को न्याय प्रदान करने के लिए कितने एग्रेसिव तरीके से अपने कार्य को आगे बढ़ा पाएंगे, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। आज यहां पर 16 जनपदों के केंद्रीय कार्मिकों के लिए कैट की व्यवस्था की गई है। यहां शानदार भवन बना करके तैयार हो गया है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप किसी मजबूरी में कार्मिकों यहां आना पड़ा तो उन्हे न्याय उपलब्ध कराने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण करेगा।

सीएम ने कहा कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप लखनऊ पीठ ने 10 वर्षों में कुल 6,700 मामलों में से 6,000 से अधिक मामलों का निस्तारण किया है, इसको अभी और तेज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे मामलों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठा कर सुना जाए तो ऐसे ही बहुत सारे मामलों का निस्तारण हो सकता है। प्रदेश में वर्ष 2017 में राजस्व के 33 लाख मामले लंबित थे। इन बहुत सारे छोटे मामले थे। इस पर सरकार ने इन मामलों को मेरिट के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये। इन मामलों को लेकर टाइम बाउंड किया गया। इसकी जवाबदेही के साथ ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जाने लगी। पिछले आठ वर्षों में 34 लाख मामलों को निस्तारण किया गया जबकि पिछले 8 वर्षों में 10 लाख नये मामले आए। इन मामलों को भी टाइमलाइन के अनुसार निस्तारित किया जा रहा है। इससे सरकार के साथ कर्मचारियों को भी राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि मुझे नव निर्मित भवन से कार्मिकों को समय पर न्याय मिलने के साथ शासन के अनावश्यक बोझ को भी कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अध्यक्ष कैट नई दिल्ली न्यायमूर्ति, विभागाध्यक्ष कैट लखनऊ न्यायमूर्ति अनिल कुमार ओझा, प्रशासनिक सदस्य कैट लखनऊ संजय कुमार आदि उप-स्थित थे।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा कि सीएम योगी के प्रयासों से ही कैट का भव्य भवन बनकर तैयार हुआ है क्योंकि आपकी ही सरकार में जमीन के ट्रांसफर का काम शुरू हुआ। सीएम ने 1,825 स्क्वायर फीट जमीन देने में सरकार ने तनिक भी देर नहीं लगायी। इस पर 18 करोड़ का निर्माण कार्य हुआ। ये सारा काम आपके सीएम योगी सहयोग से भी सम्पन्न हुआ है।

जननी सुरक्षा में बड़ा घोटाला उजागर

छह महिलाओं की 19 नसबंदी और 116 बार प्रसव

आगरा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा में जननी सुरक्षा योजना में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। इस फर्जीवाड़े में फतेहाबाद सीएचसी स्टाफ के खातों की जांच शुरू हो गई है। जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) और नसबंदी में घोटाले में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फतेहाबाद सीएचसी के एक अधिकारी और उसके रिश्तेदारों के खातों की जांच शुरू कर दी है। एक आशा ने मिलीभगत का आरोप लगाया है।

6 महिलाओं की 19 नसबंदी और 116 बार प्रसव दिखाकर 1.88 लाख रुपए खातों से निकाले गए। विभाग की एक आशा ने सीएचसी के एक अधिकारी और उनके दो रिश्तेद-ारों पर गड़बड़ी करने का आरोप लगाया। इस पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी। खातों के साथ अन्य रिकार्ड भी खंगाले जा रहे हैं। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव का कहना है कि फर्जीवाड़े में पांच लोगों पर केस दर्ज करा दिया है। अभी विभागीय जांच चल रही है। फतेहाबाद सीएचसी लंबे समय से विवादित रही है। बीते दिनों यहां आशाओं ने खाते से रुपए निकालने की शिकायत करते हुए हंगामा भी किया था। प्रसव कक्ष में एएनएम के फिल्मी गीत पर रील बनाने का वीडियो भी वायरल हुआ था।

अब शुरू हुई हिसार से अयोध्या की सीधी उड़ान

अयोध्या, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। डबल इंजन की सरकार अयोध्या की एयर कनेक्टिविटी देश के कोने-कोने से कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को हरियाणा के हिसार से अयोध्या के लिए पहली उड़ान शुरू हुई, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई हवाई सेवा न केवल दो शहरों को जोड़ेगी, बल्कि अयोध्या के तीर्थाटन और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। डबल इंजन की सरकार, जो केंद्र और राज्य में एकसमान नेतृत्व के साथ विकास को गति दे रही है। उसने इस पहल के माध्यम से एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है।

यह उड़ान दोपहर 12:35 बजे अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंची। अयोध्या में विमान के आगमन पर इसका वाटर कैनन सैल्यूट के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद हवाई अड्डे पर मौजूद यात्रियों का स्वागत डायरेक्टर विनोद कुमार ने बड़े उत्साह के साथ किया। यात्रियों के लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें केक काटने की रस्म शामिल थी। इसके साथ ही सभी यात्रियों को गुलाब का फूल उपहार के रूप में भेंट किया गया। माथे पर तिलक लगाया गया। इसके बाद यात्रियों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इस तरह के स्वागत ने यात्रियों के लिए इस यात्रा को और भी यादगार बना दिया। डायरेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि यह उड़ान सप्ताह में दो

दिन संचालित होगी शुक्रवार और रविवार को।

हिसार से अयोध्या के लिए विमान दोपहर 12:35 बजे लैंड करेगा और इसके बाद 1:00 बजे हिसार के लिए उड़ान भरेगा। इस यात्रा में कुल एक घंटे 45 मिनट का समय लगेगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि यह एक एटीआर 72 सीटर विमान है, जिसमें 72 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। पहली उड़ान में 61 यात्री अयोध्या आए, जबकि 42 यात्री हिसार के लिए रवाना हुए। यह आंकड़ा इस नई सेवा की शुरुआती लोकप्रियता को दर्शाता है।यह नई हवाई सेवा अयोध्या को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाएगी। खास तौर पर, धार्मिक पर्यटन के दृष्टिकोण से अयोध्या का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

योगी सरकार में राम मंदिर के निर्माण के बाद देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ रहे हैं। हिसार जैसे शहरों से सीधी उड़ान शुरू होने से न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि समय की भी बचत होगी। यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगी, क्योंकि पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, परिवहन और अन्य व्यवसायों को लाभ मिलेगा। डबल इंजन की सरकार ने अयोध्या के विकास को प्राथमिकता दी है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मिलकर अयोध्या को एक विश्वस्-तरीय तीर्थस्थल बनाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। नई सड़कें, रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण और अब हवाई कनेक्टिविटी जैसे प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। हिसार-अयोध्या उड़ान इसका ताजा उदाहरण है।

हिसार से आए यात्री कुणाल ने बताया कि योगी सरकार ने छोटे से शहर का बड़ा सपना पूरा कर दिया। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि हम हिसार से प्लेन से अयोध्या आ सकेंगे। रेनू गिल ने बताया कि हमें बहुत खुशी मिली है कि हवाई यात्रा की शुरुआत हुई है। थैंक्यू यू मोदी जी। हिसार से ही आई अदिति गोयल ने हरियाणवी भाषा में कहा कि प्रधानमंत्री हो तो नरेंद्र मोदी जैसा।

संपादकीय

बंगाल की हिंसा

हमारा संदेह है कि पश्चिम बंगाल में इतना हिंसक, दंगानुमा, आगजनी, रेलवे ट्रैक को बाधित करने और खून-खराबे वाला माहौल क्यों है? देश के अन्य राज्यों में ऐसी हिंसा क्यों नहीं है? क्या बंगाल में दंगाइयों और उपद्रवियों को सत्ता का संरक्षण रहा है? क्या वोट बैंक की खातिर इन दंगाइयों को खुली छूट मिली हुई है? हिंदू पिता-पुत्र की चाकू से गोद कर हत्या कैसे कर दी गई? उपद्रवियों और एक खास जमात के दंगाइयों ने घरों, दुकानों, मंदिरों पर हमले करने का दुस्साहस कहां से हासिल किया? रेलगाडियां रोक दी गईं, क्योंकि पटरियों पर हजारों की भीड़ बैठी थी। ऐसे हालात के मद्देनजर कलकत्ता उच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि अदालत आंखें मूंद कर नहीं बैठ सकती। उच्च न्यायालय को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश देना पड़ा। बीएसएफ के 300 जवानों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 5 कंपनियां भी तैनात की गई हैं। यह नौबत ही क्यों आई? राज्यपाल सीवी आनंद बोस को कठोर बयान देने पड़े कि सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और किसी की जिंदगी को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल ऐसे उग्र, नफरती, हिंसक हालात और माहौल का बुनियादी सबब क्या है? वक्फ संशोधन कानून एक मुखौटा कारण हो सकता है, लेकिन जो मुस्लिम नेता, सांसद, मौलाना आदि सरेआम औसत मुसलमानों को भडक़ा-सुलगा रहे हैं, क्या उनके 'कुत्ते', 'हरामखोर', 'गद्दार' वाले बयान किसी कानून के दायरे में नहीं आते? क्या ये गालियां भी 'अभिव्यक्ति की आजादी' हैं? कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, लिहाजा अमन-चैन बरकरार रखना मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस का संवैधानिक दायित्व है। संविधान में केंद्र और राज्य की भूमिकाओं की स्पष्ट व्याख्या है। समवर्ती सूची का कानून केंद्र और राज्य दोनों ही बना सकते हैं। यदि ऐसे किसी कानून पर केंद्र बनाम राज्य की टकरावपूर्ण स्थिति पैदा होती है, तो संविधान के अनुच्छेद 254 के तहत केंद्र का बनाया कानून ही मान्य होगा। राज्य सरकार उसे खारिज नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री ने बंगाल में केंद्र की 'आयुष्मान भारत' योजना भी लागू नहीं होने दी है। संविधान का अनुच्छेद 245 बताता है कि संसद पूरे भारत अथवा उसके किसी भाग के लिए कानून बना सकती है। राज्य विधानमंडल राज्य अथवा उसके किसी भाग के लिए कानून बना सकता है। अनुच्छेद 246 अधिकार-क्षेत्र संबंधी विवादों को दूर करने के लिए विधायी विषयों को सौंपता है। वक्फ बिल इन्हीं अनुच्छेदों की परिधि में पारित कराया गया है। वह समवर्ती सूची का भी कानून है, लिहाजा संसद द्वारा पारित किए गए बिल को बंगाल कैसे नकार सकता है? यदि इस संबंध में भारत सरकार कोई कार्रवाई करती है, तो संघीय ढांचे के उल्लंघन का रोना रोया जाएगा। यह विवाद फिलहाल सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। इसी 16 अप्रैल को 20 याचिकाओं की सुनवाई होगी। वक्फ कानून की आड़ में उपद्रव मचाने वालों को याद रखना चाहिए कि आखिर फैसला शीर्ष अदालत को ही करना है। तोड़-फोड़ करने या गली-गली आंदोलन सुलगा कर कुछ भी हासिल नहीं होगा। मौलाना किसान आंदोलन की तुलना करना छोड़ दें। सवाल यह भी है कि वक्फ का मामला प्रशासनिक है, इसे मजहबी किसने और क्यों बनाया है? आखिर प्रदर्शनकारियों को कानून के किस प्रावधान पर आपत्ति है? यह पक्ष भी अदालत में रखा जाना चाहिए। ममता सरकार के मंत्री सिद्दिकुल्ला चौधरी ने यहां तक बयान दिया है कि राज्य की 50 जगहों पर दस-दस हजार लोगों की भीड़ जमा की जाए। क्या यह बयान संवैधानिक है? बंगाल में 2026 में चुनाव हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री 'तुष्टिकरण' के खेल में जुटी हैं, तो भाजपा हिंदू-मुस्लिम को हवा दे रही है। आम आदमी बीच में पिस रहा है। उसे तो 'वक्फ' के मायने भी नहीं पता हैं।

उच्च न्यायालय को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश देना पड़ा। बीएसएफ के 300 जवानों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 5 कंपनियां भी तैनात की गई हैं। यह नौबत ही क्यों आई? राज्यपाल सीवी आनंद बोस को कठोर बयान देने पड़े कि सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और किसी की जिंदगी को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल ऐसे उग्र, नफरती, हिंसक हालात और माहौल का बुनियादी सबब क्या है? वक्फ संशोधन कानून एक मुखौटा कारण हो सकता है, लेकिन जो मुस्लिम नेता, सांसद, मौलाना आदि सरेआम औसत मुसलमानों को भडक़ा-सुलगा रहे हैं, क्या उनके 'कुत्ते', 'हरामखोर', 'गद्दार' वाले बयान किसी कानून के दायरे में नहीं आते? क्या ये गालियां भी 'अभिव्यक्ति की आजादी' हैं? कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, लिहाजा अमन-चैन बरकरार रखना मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस का संवैधानिक दायित्व है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा विभिन्न देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद नई व्यापार दुनिया ने जन्म ले लिया

भारत की टैरिफ कूटनीति के लाभ

डा. जयंती लाल भंडारी

अप्रैल को अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की टैरिफ कूटनीति के लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जहां अमेरिका के द्वारा चीन पर 145 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ लागू कर दिया गया है, वहीं अमेरिका पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाने वाले भारत सहित सभी देशों के लिए 90 दिनों तक टैरिफ के अमल को स्थगित कर दिया है। ट्रंप के इस निर्णय के बाद चीन ने अमेरिका पर 125 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। ट्रंप के इस ऐलान के बाद भारतीय निर्यात पर मंडरा रही अनिश्चितता फिलहाल रुक गई है।

यकीनन इस समय टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति और अमेरिका के लिए शुल्कों में कमी की रणनीति रंग लाते हुए दिखाई दे रही है। 9 अप्रैल को अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की टैरिफ कूटनीति के लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जहां अमेरिका के द्वारा चीन पर 145 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ लागू कर दिया गया है, वहीं अमेरिका पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाने वाले भारत सहित सभी देशों के लिए 90 दिनों तक टैरिफ के अमल को स्थगित कर दिया है। ट्रंप के इस निर्णय के बाद चीन ने अमेरिका पर 125 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। ट्रंप के इस ऐलान के बाद भारतीय निर्यात पर मंडरा रही अनिश्चितता फिलहाल रुक गई है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा विभिन्न देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद नई व्यापार दुनिया ने जन्म ले लिया है। यह नई व्यापार दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप की उस हठ पर आधारित है जिसमें वे विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन और अमेरिका के साथ कथित आर्थिक दुर्व्यवहार को रोकने के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को होने वाले किसी भी तरह के कष्ट की अनदेखी करने को भी तैयार हैं। नई व्यापार दुनिया पहले की व्यापार दुनिया से पूरी तरह से अलग है। कल तक दुनिया में मजबूत आर्थिक विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के आधार पर विकास की कहानी आगे बढ़ती रही है, वहीं अब संरक्षणवाद तथा द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों का नया सितारा उदित हो रहा है। ऐसे में भारत को अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और दुनिया की बदलती आर्थिक सूरत की नई हकीकत के मद्देनजर नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। ट्रंप का टैरिफ वियतनाम पर 46 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत तथा थाइलैंड पर 36 प्रतिशत सुनिश्चित किया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी रही,

जो करीब 77.5 अरब डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटक रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में करीब 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आ सकती है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। खास बात यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ की आपदा के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। जहां अमेरिका के द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ दूसरे कई प्रतिस्पर्धी देशों से कम होने से अमेरिका सहित दुनिया में भारत के निर्यात बढ़ने की संभावना है। भारत जिस तरह से अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के लिए तथा अन्य देशों के साथ भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ा रहा है, उससे भारत के लिए अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में निर्यात और कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। चूंकि एशिया के उभरते बाजारों में भारत पर टैरिफ फिलीपींस को छोड़कर सबसे कम है, ऐसे में तुलनात्मक रूप से कम टैरिफ से भारत को वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खास तौर पर चीन और वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल के निर्यात बाजार में अभी से भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से अमेरिका में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। टैरिफ की चुनौतियों के बीच भी भारत की विकास दर बढ़ने की संभावनाएं हैं। हाल ही में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक टैरिफ चुनौतियों के बीच भी चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहेगी और यह स्थिति अर्थव्यवस्था के मजबूत और स्थिर विस्तार का संकेत देती है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनी रहेगी। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान दिया जाना होगा। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि वर्ष 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने की जो रणनीति लागू हुई, उससे देश को उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को कारोबार करने में आसानी बढ़ानी होगी। लॉजिस्टिक्स व बुनियादी ढांचे में निवेश करना होगा और नीतिगत स्थिरता कायम रखनी होगी। हम उम्मीद करें कि अमेरिका के द्वारा चीन पर लागू किए गए 145 फीसदी टैरिफ से शुरू हुए अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आर्थिक मौकों को मुट्ठी में लेने के साथ-साथ भारत पर लागू किए जाने वाले 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में भारत के लिए अमेरिका के साथ नया कारोबार समझौता, विभिन्न देशों के साथ नए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते और मजबूत घरेलू आर्थिक घटक असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे। हम उम्मीद करें कि सरकार नई व्यापार दुनिया में भारत को रचनात्मक देश बनाने के लिए ऐसी नई आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी, जिसमें बड़े-बड़े उद्योगों के साथ सूक्ष्म, छोटे और मझौले उद्योगों के लिए भी अनुकूलताएं हों।

दृष्टि कोण

ऑपरेशन मेघदूत के गुमनाम जांबाजों को नमन

चार दशक पूर्व 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सेना ने 'आपरेशन मेघदूत' को अंजाम देकर 22 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद सियाचिन ग्लेशियर के बिलाफोंड लॉ व सियाला जैसे दुर्गम क्षेत्रों पर तिरंगा फहरा कर अदम्य साहस का ऐतिहासिक मजमून लिख डाला था। दरअसल सन 1947-48 में भारत-पाक सेनाओं के दरम्यान कश्मीर युद्ध की जंगबंदी के बाद 'अक्वाम-ए-मुत्तहिदा' की मध्यस्थता से जुलाई 1949 को हुए 'कराची समझौते' के तहत मुकर्रर की गई 'युद्धविराम रेखा' का अंतिम बिंदू 'एनजे 9842' सुनिश्चित किया गया था। लेकिन एनजे 9842 के आगे हिमालय की काराकोरम रेंज में मौजूद बर्फ का रेगिस्तान कहा जाने वाला सियाचिन ग्लेशियर अधूरा रह गया था। पाक सेना ने 'बुर्जिल फोर्स' तैयार करके 'आपरेशन अबाबील' मंसूबे के तहत 17 अप्रैल 1984 को सियाचिन पर पेशकदमी की योजना बनाई थी। मगर भारतीय सेना ने 13 अप्रैल 1984 को विश्व के सबसे ऊंचे रणक्षेत्र सियाचिन के उपखंडों पर तिरंगा फहरा कर अपनी मौजूदगी सुनिश्चित कर दी थी। सन 1984 के आपरेशन 'मेघदूत' में सियाचिन पर कब्जा करने में सेना की 'चार कुमाऊं' व '19 कुमाऊं' बटालियन तथा 'लद्दाख स्काउट' के जवानों ने अनुकरणीय बहादुरी का परिचय दिया था। जब पाक हुक्मरानों को सियाचिन में भारतीय सेना की मौजूदगी का एहसास हुआ तो पाक सेना ने भी सियाचिन पर कब्जा करने के लिए सैन्य अभियान शुरू कर दिए। शुरुआती दौर में भारतीय सेना को सियाचिन में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मौके की नजाकत का लाभ उठाकर पाक सेना ने नवंबर 1986 में बिलाफोंड ला के नजदीक 'कायद पोस्ट' नामक सैन्य चौकी कायम कर ली। भारतीय सेना की 'आठ जैकलाई' बटालियन के बहादुर जवानों ने बेहद जोखिम भरे ऑपरेशन को अंजाम देकर 26 जून 1987 को कायद चौकी पर मौजूद पाक 'स्पेशल सर्विस ग्रुप' के सैनिकों को हलाक करके तिरंगा फहरा दिया था। उस सैन्य अभियान में सूबेदार 'बाना सिंह' को 'परमवीर चक्र' तथा मेजर 'वरिंदर सिंह मिन्हास' को 'वीर चक्र' से नवाजा गया था।

उस खतरनाक मिशन में 29 मई 1987 को बलिदान हुए लेफ्टिनेंट 'राजीव पांडे' को 'वीर चक्र' 'मरणोपरांत' से अलंकृत किया गया था। कायद पोस्ट अब 'बाना पोस्ट' के नाम से जानी जाती है। सन 1989 में सियाचिन में 'आपरेशन आईबेक्स' के दौरान पाक सेना पर जोरदार हमले में 'डोगरा रेजिमेंट' के हिमाचली शूरवीर 'सरदार सिंह' को अदम्य साहस के लिए 'वीर चक्र' से सरफराज किया गया था। सन 1992 में सियाचिन के 'चुलुंग' में पाक सेना ने भारतीय चौकियों पर हमला किया। लेकिन भारतीय सेना ने शिद्दत भरा पलटवार करके पाक हमलावर दस्ते को हलाक करके पाक 'फोर्स कमांडर नार्दर्न एरिया' ब्रिगेडियर 'मसूद नबीद अनवारी' को उनके हैलीकॉप्टर सहित मार गिराया था। सियाचिन पर कब्जा करने का सफर सेना के लिए आसान नहीं रहा है। 29 मई 1984 को सियाचिन में गश्त के दौरान 19 कुमाऊं के लेफ्टिनेंट 'प्रदीप सिंह पुंडीर' सहित 20 जवान बर्फीले तूफान की चपेट में आकर ग्लेशियर की आगोश में समा गए थे, जिनमें 14 सैनिकों के शव कुछ दिनों बाद बरामद हुए थे। एक सैनिक 'चंद्रशेखर' का पार्थिव शव 38 वर्षों बाद सन 2022 में मिला था। बाकी पांच सैनिकों के शव आज तक लापता हैं। चंद्रशेखर जैसे सैकड़ों सैनिक ग्लेशियरों की बर्फ तले दबे हैं। उन गुमनाम सैनिकों के परिजन आज भी अपने सपूतों के इंतजार में हैं। अप्रैल 1989 में 'गाडूस रेजिमेंट' के नौ जवान तथा सन 2016 में 'मद्रास रेजिमेंट' के दस सैनिक सियाचिन में एवलांच की चपेट में आकर बलिदान हो गए थे। सियाचिन में सैन्य बलिदान का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जुलाई 2023 को सेना के डॉक्टर कैप्टन 'अंशुमान सिंह' 'कीर्ति चक्र' 'मरणोपरांत' सियाचिन में एक हादसे का शिकार हुए। हालांकि सन 2012 में सियाचिन के पश्चिम 'ग्यारी सेक्टर' में पाक सेना के 140 सैनिक बर्फीले तूफान की जद में आकर शहीद हो गए थे। बेशक पाकिस्तान के गिलगित व बाल्टिस्तान पर नजर रखने में सक्षम 2583 वर्ग कि.मी. में फैला सियाचिन भारत को चीन तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

कुछ अलग

व्यंग्य की अंतिम इच्छा

अचानक व्यंग्य आत्महत्या करने पर आमादा हो गया। वह मरने के लिए गढ़े मुर्दे खोजने तक के लिए तैयार था ताकि गले-सड़े मुर्दों के बीच वह ऐतिहासिक मौत मरे। वह कई कब्रों के चक्कर काटने लगा, लेकिन अभी उन्हें खोदने का चांस दिखाई नहीं दे रहा, अंततः वह बड़ी ही तीव्र व अंतिम इच्छा से प्रेरित होकर औरंगजेब की कब्र पर जा बैठा। उसे उम्मीद है कि कोई न कोई उसे खोद देगा, तो वह वहां सदा के लिए समा जाएगा। व्यंग्य पर ढेरों आरोप लगे हैं, जबकि हजारों खोजे जा रहे हैं। वह शांत है, लेकिन उसे ही कोई आग, तो कोई विवाद मान रहा है। आरोप यह भी है कि व्यंग्य अब सीधे कानून को उल्टे हाथ में ले रहा है, इसलिए कानून व्यवस्था के हर खतरे में कोई न कोई व्यंग्य है। सरकार हालात बिगडऩे से पहले बिगड़े व्यंग्य को पूरी तरह सुधारना चाहती है। अक्सर खबरों के कारण व्यंग्य पैदा हो रहा है या कई बार खबर ही व्यंग्य हो जाती है। हालांकि खबर में व्यंग्य आने की वजह न व्यंग्य और न ही व्यंग्यकार है, बल्कि कई बार सदन की भाषा, भाषा की मर्यादा, योजनाओं का खाका या बजट की अभिलाषा व्यंग्य पैदा कर देती है। कुछ दिन पहले बड़ी मुश्किल से व्यंग्य को अदालत से बाहर भागना पड़ा, वहां फैसला कानून कर रहा था और बदनाम उसका चरित्र हो रहा था। हालांकि व्यंग्य कोशिश यह करता है कि वह सरकारी या कानूनी व्यवस्था में न घुस पाए, लेकिन देश जब चाक चौबंद होता है, तो इसे भी व्यंग्य समझा जाता है। देश सदन में बोलता है, व्यंग्य सदस्यों की जुबान पर चढ़ जाता है। व्यंग्य को अब मीडिया को देखते ही घबराहट होती है, वहां हर रिपोर्टिंग उससे मुकाबला करने पर तुली है। उसने मीडिया को हाथ-पांव जोड़ कर कहा, 'तुम चाहो तो अपनी पेशकश में स्टैंडअप कामेडी कर लो, लेकिन खामख्वाह व्यंग्य में न घुसो।' उसने आगे समझाया कि जब से टीवी के एंकर स्टैंडअप कामेडी कर रहे हैं, खबरें सचमुच कुछ न करतीं और न ही कहती हैं, बल्कि सुनने के बजाय इन्हें देखने में मजा आने लगा है। जनता को खबर के बजाय एंकर की तलाश है। व्यंग्य यह सोच-सोच कर दुबला हुआ कि कामेडियन बेकार होने लगे हैं। ये जहां से कामेडी लाते थे, वहां अब एंकर पैदा होने लगे हैं। दूसरी ओर व्यंग्य को व्यंग्यकार से ही छीना जा रहा है। व्यंग्य चाहता है वह जनता की गोदी में पले, लेकिन पत्रकार सरकार की गोदी से व्यंग्य पर प्रहार कर रहा है। इसी भ्रम में नागरिकों ने व्यंग्य को कुणाल कामरा समझ लिया है। जनता को लगा कि हर व्यंग्य वही है। जनता देश के मसलों में आदतन स्टैंडअप कामेडी हो चुकी है, इसलिए खुद पर कामेडी कर खुद ही मुस्करा लेती है। वह नेताओं के भाषणों से खुद को गुदगुदा लेती है। वह अब चुटकुले याद नहीं करती। मनोरंजन के लिए उसके हाथ में आया रिमोट आज्ञाकारी बना उसे न्यूज चैनल से जोड़े रखता है। वह अखबारों की खबरों में चुटकुले खोज लेती है। दरअसल व्यंग्य को न्यूज चैनलों व समाचारपत्रों के चुटकुलों ने बेरोजगार कर दिया है। व्यंग्य अपने ही व्यंग्य की अंतिम इच्छा के करीब पहुंच चुका था, इसलिए उसने सोचा कि इसके लिए किसी ऐसी कब्र पर जाकर बैठ जाना चाहिए, जहां इसके पूरा होने की संभावना अधिक हो। इसी संभावना से व्यंग्य औरंगजेब की कब्र पर बैठा ही था कि वहां दीमक उसकी अंतिम इच्छा पूछने आ गई। दीमक सियासी और सत्ता पक्ष की कट्टर समर्थक जैसी दिखाई दे रही थी। व्यंग्य को देख औरंगजेब की कब्र घबरा रही थी।

देश दुनिया से

जाति की जंजीरें: आज़ादी के बाद भी मानसिक गुलामी

भारत जिसे आध्यात्मिकता और विविधता का देश कहा जाता है, अपने भीतर विरोधाभासों का एक ऐसा संसार छुपाए बैठा है जो कभी-कभी चौंका देता है। एक ओर हम विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक और सांस्कृतिक परतों में आज भी मध्ययुगीन सोच जड़ें जमाए बैठी है। एक ही समाज में ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं जहां लोग किसी बाबा के चरणामृत को 'अमृत' मानकर पी जाते हैं, यहां तक कि गोमूत्र और गोबर को औषधि बताकर उसका सेवन करते हैं; और उसी समाज में एक दलित व्यक्ति के हाथ का पानी पीना 'पाप' मान लिया जाता है। यही वह विडंबना है जिसे इस तीखे वाक्य ने पूरी ताकत से उजागर किया है—"आस्था पेशाब तक पिला देती है, जाति पानी तक नहीं पीने देती।" यह पंक्ति महज़ एक व्यंग्य नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहराई से जमी हुई दो बड़ी बीमारियों की पहचान है—एक है अंधविश्वास में डूबी आस्था और दूसरी है जातिगत भेदभाव। दोनों ही एक हद तक इंसानियत, तर्कशक्ति और समानता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देते हैं। आस्था किसी भी समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ होती है। यह इंसान को एक उद्देश्य देती है, उसे नैतिकता और आत्मबल प्रदान करती है। लेकिन जब यही आस्था तर्क, विज्ञान और मानवाधिकारों की सीमा लांघकर अंधश्रद्धा में बदल जाती है, तब वह खतरनाक रूप ले लेती है। भारत में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां धर्मगुरुओं ने अपने अनुयायियों को गोमूत्र पीने, मल-मूत्र का सेवन करने, या स्वयं को 'भगवान' घोषित कर देने जैसे कृत्य करवाए और लोग आंख मूंदकर उनका पालन करते रहे। एक बाबा द्वारा 'चमत्कारी जल' के नाम पर अपनी पेशाब पिलाने की खबरें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। श्रद्धालु इसे 'आशीर्वाद' मानकर पीते हैं, और मीडिया जब इन घटनाओं पर सवाल उठाती है, तो आरोप लगाया जाता है कि वह धर्म का अपमान कर रही है। यह कैसी आस्था है जो इंसान को अपनी सोच और विवेक को पूरी तरह त्यागने को विवश कर देती है? यह कैसी श्रद्धा है जो सवाल उठाने वालों को अपराधी बना देती है? अब बात करें उस दूसरी बड़ी सामाजिक बीमारी की—जातिवाद की। भारत में जाति एक ऐसी संरचना है जो जन्म के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा, अधिकार और यहां तक कि जीवन-मरण के अवसर भी तय करती है। भारतीय संविधान ने भले ही जातिवाद को गैरकानूनी घोषित कर दिया हो, लेकिन सामाजिक मानसिकता में इसकी जड़ें आज भी उतनी ही गहरी हैं। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों को मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता, उनके लिए अलग कुएं या नल होते हैं, स्कूलों में उनके बच्चों को अलग बैठाया जाता है, और उनके स्पर्श मात्र से वस्तुएं 'अपवित्र' मानी जाती हैं। हाथ से मैला उठाने जैसी अमानवीय प्रथा आज भी समाप्त नहीं हुई है। ऐसे उदाहरण रोज़ सामने आते हैं जब दलित युवक को ऊंची जाति की लड़की से प्रेम करने के लिए मार दिया जाता है, या जब किसी गांव में सिर्फ इस वजह से उनके घरों में आग लगा दी जाती है कि उन्होंने 'मर्यादा' लांघी। यह कितना त्रासद है कि वही समाज जो गोमूत्र को औषधि मान सकता है, वह एक इंसान के छूने मात्र से पानी को अपवित्र मानता है। इस विरोधाभास की जड़ें कहीं और नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संरचना में छिपी हुई हैं। धर्म के नाम पर आस्था को हथियार बनाकर लोगों की सोच को नियंत्रित किया गया। धर्मग्रंथों की मनमानी व्याख्याओं के ज़रिए एक वर्ग को 'ऊंचा' और दूसरे को 'नीचा' साबित किया गया। जो सवाल उठाए, वह 'धर्म विरोधी' करार दे दिया गया। राजनीति ने भी इस व्यवस्था को खूब पोषित किया। जातियों को वोट बैंक में बदल दिया गया। आरक्षण के नाम पर नफरत फैलाई गई, लेकिन जातिगत अत्याचार को खत्म करने के लिए न ठोस प्रयास किए गए, न इच्छाशक्ति दिखाई गई। आस्था के नाम पर जनता को भावनात्मक रूप से बांधा गया, और वैज्ञानिक सोच को 'पश्चिमी विचारधारा' बताकर नकार दिया गया। शिक्षा वह उपकरण है जो समाज को तर्कशील और न्यायप्रिय बनाता है। लेकिन भारत की शिक्षा व्यवस्था में तर्क और मानवाधिकार की शिक्षा बहुत सीमित है। हम बच्चों को विज्ञान पढ़ाते हैं, लेकिन उनकी सोच में वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं भरते। हम उन्हें नैतिक शिक्षा देते हैं, लेकिन जातिवाद और सामाजिक न्याय के सवालों पर चुप रहते हैं। जब बच्चा स्कूल में यह देखता है कि उसके सहपाठी को 'चमार' या 'भंगी' कहा जा रहा है, जब शिक्षक ही छात्रों से जाति पूछते हैं, तो यह सोच उसकी चेतना में गहराई तक बैठ जाती है। यही बच्चा बड़ा होकर वही भेदभाव करता है, और एक बार फिर वह दुष्चक्र शुरू हो जाता है। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, लेकिन जब बात जातिवाद या अंधविश्वास की आती है, तो उसका रुख या तो बेहद सतही होता है या पूरी तरह से चुप्पी ओढ़ लेता है। बाबाओं के चमत्कारों को वह 'मनोरंजन' के नाम पर दिखाता है, लेकिन किसी दलित की हत्या पर सिर्फ दो मिनट की रिपोर्ट चलाकर बात खत्म कर देता है। वह जानबूझकर ऐसे मुद्दों से बचता है जो उसे किसी 'विशेष वर्ग' से नाराज़ कर सकते हैं। वहीं समाज भी अपनी सुविधानुसार संवेदनशीलता चुनता है। गोमूत्र बेचने वाले को 'आधुनिक ऋषि' कहा जाता है, लेकिन मैनहोल की सफाई करते मजदूर की मौत पर कोई आवाज़ नहीं उठती। तर्कशील शिक्षा का विस्तार: स्कूलों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय पर आधारित पाठ्यक्रम को शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को बचपन से यह सिखाना ज़रूरी है कि आस्था का मतलब अंधश्रद्धा नहीं होता, और हर इंसान समान है। सख्त कानून और उनका क्रियान्वयन: जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ बने कानूनों को सिर्फ कागज़ पर नहीं, ज़मीन पर भी लागू करना होगा। दोषियों को सज़ा मिले, तभी समाज में बदलाव संभव है। मीडिया की ज़िम्मेदारी: मीडिया को इस विषय पर ईमानदार विमर्श शुरू करना चाहिए। दलितों के मुद्दों, जातिगत अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ सशक्त रिपोर्टिंग ज़रूरी है।

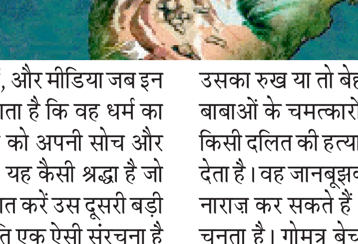

आप का नजरिया

गोद में शिक्षा

शिक्षा का परचम और शिक्षा के परिचय को एक साथ जोडऩे की कोशिश में हिमाचल के सरकारी स्कूल अब गोद लिए जा रहे हैं। इंतखाब की एक कोशिश में दरगाह बन गए, इबादत करने हाथ उठाए न उठे तो क्या करेंगे। शिक्षा में आकाशीय गुणवत्ता लाने के लिए गोद का परिचय दिया जा रहा है, यानी जन प्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों या सेवानिवृत्त अफसरों व सैन्य अधिकारियों के सान्निध्य में स्कूलों में शिक्षा की पैरवी बढ़ेगी। कोशिश के लिए कोशिश अच्छी है और इससे परिसर को एक नाम भी मिलेगा। कल फलां स्कूल फलां व्यक्ति के नाम से चलेगा, तो एक ताजगी फर्ज में पहचानी जाएगी। जाहिर है स्कूल परिसर के नाम हस्तियों के दर्पण में देखे जाएंगे, तो पद्धति में बदलाव आ सकता है। कुछ अधिकारियों के व्यक्तित्व में जरूर ऐसी खूबी हो सकती है कि शिक्षा प्रांगण के आदर्श घूमते हुए नजर आएंगे। असली सवाल तो यह कि अब शिक्षा शुरू कहां से होती है। अब प्री नर्सरी से पहले जब कोई मां अपने मोबाइल से औलाद को व्यस्त रखना चाहती है, तो उन कार्यक्रमों की संगत में बचपना अपनी आंख खोलता है। औपचारिक शिक्षा से पहले बच्चों की बुनियाद से समाज की अठखेलियां जहां होती हैं, वहां जीवन के चिन्हित मंसूबे बाहर आते हैं। अतः आंगनबाड़ी या प्री नर्सरी स्कूलों में वाकई चरित्र और महत्त्वाकांक्षा की प्रारंभिक गोद दिखाई देनी चाहिए। एक अबोध बालक या बालिका को गोद का अर्थ समझाया जा सकता है, लेकिन जमा दो के छात्रों के लिए यह भी एक परिचय का बहाना है। बावजूद इसके शिक्षा में ऐसे प्रयास के अपने मूल्य और संदेश हैं। शिक्षा में छात्र किस चरित्र और महत्त्वाकांक्षा में अग्रसर होता है, यह एक ऐसा अध्याय है जो स्कूल के माहौल, अभिभावकों के विश्वास, पाठ्यक्रम की सार्थकता और व्यावहारिकता पर निर्भर करता है। बेशक गोद में कुछ खास पीरियड निकल आएं और जहां छात्र आदर्श पुरुषों की प्रेरणा, भाषा की संगत और दृष्टिकोण की नई अभिलाषा में आगे बढें। मसलन कोई प्रशासनिक अधिकारी अगर स्कूल को अपनी गोद सौंपता है, तो उसका जीवन वृत, व्यावसायिक उपलब्धियां और व्यक्तित्व का करिश्माई अंदाज प्रेरणा स्रोत बनेगा, लेकिन चुनावी उधार से नेताओं के अर्जित व्यक्तित्व की गोद में सिर्फ प्रचार ही होगा। मसलन हिमाचल के सरकारी स्कूलों के वार्षिक समारोह एक तरह की सियासी कसरत है, जहां नेताओं का रुतबा परवान चढ़ता है। इसके विपरीत स्कूली माहौल में शिक्षा, शिक्षक और छात्रों का रुतबा आगे बढऩा चाहिए। अगर जिला के विभिन्न विभाग स्कूलों को गोद लें, तो खेल विभाग की दक्षता में खेल नर्सरी पैदा हो जाएगी। एक ही जिले में कोई फुटबाल, कोई हॉकी, कोई बैडमिंटन, तो कोई अन्य खेलों में प्रतिष्ठित स्कूल बन जाएगा। कला-संस्कृति विभाग की गोद में कई स्कूल हिमाचल का थियेटर बन सकते हैं। नाचते-गाते अगर बच्चों को कला की लत जाए, तो भविष्य में हिमाचली बच्चों का आकाश फिल्मों या टीवी क्षेत्र तक खुल सकता है। हिमाचल के इतिहास से जुड़ी संस्थाएं अगर अपनी गोद में स्कूली बच्चों को प्रश्रय दें, तो शिक्षा का रुझान शोध के कई नए अध्याय चुन लेगा।

पाक में आधीरात ट्रेन को रास्ते में सुरक्षा कारणों से रोका गया

इस्लामाबाद, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में कराची से क्वेटा जा रही बोलन मेल (3अप) को रविवार रात सुरक्षा कारणों से जैकोबाबाद रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। यात्री रात भर परेशान रहे। उनमें सुबह कुछ को बसों के जरिए उनके गंतव्य स्थानों के लिए भेजा गया। कुछ यात्रियों को किराया वापस कर दिया गया।

खबर के अनुसार, रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि ट्रेन आधी रात के बाद कराची से जैकोबाबाद पहुंची। संबंधित अधिकारियों ने स्टेशन मास्टर को सूचित किया कि ट्रेन को स्टेशन पर ही रोक दिया जाए और सुरक्षा मंजूरी मिलने तक इसे क्वेटा की ओर आगे न बढ़ने दिया जाए।

पाकिस्तान रेलवे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आमिर अली बलूच ने क्वेटा जाने वाली बोलन मेल के घंटों तक रुके रहने की पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि ऐसा सुरक्षा कारणों से किया गया क्योंकि रात के समय बलूचिस्तान में ट्रेन संचालन की अनुमति नहीं है। क्वेटा डिवीजन के एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया कि ट्रेन में करीब 150 यात्री सवार थे। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा मंजूरी नहीं मिलने के बाद ट्रेन की आगे की यात्रा स्थगित कर दी गई और यात्रियों को कड़ी सुरक्षा के बीच बसों के जरिए क्वेटा और अन्य गंतव्यों के लिए भेज दिया गया।

सीईओ ने कहा कि यह ट्रेन रात के समय जैकोबाबाद पहुंची और अगर यह अपनी यात्रा जारी रखती तो देररात सिबी पहुंचती। इसलिए ट्रेन को जैकोबाबाद में रोककर यात्रियों से सुबह तक इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा कि कुछ यात्रियों को रिफंड दिया गया, जबकि करीब 100 यात्रियों ने रेलवे अधिकारियों से वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था करने को कहा। इसलिए उन्हें बसों के जरिए उनके गंतव्य तक भेजा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से ट्रेन खाली करने को कहा। इस पर यात्री भड़क गए और उन्होंने जैकबाबाद में विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए यात्रियों ने कहा कि रेलवे प्रशासन ने उनसे कराची से क्वेटा तक का किराया तो वसूल लिया, लेकिन बीच यात्रा में उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। यात्रियों ने इसे अन्याय बताया और कहा कि जैकबाबाद से क्वेटा तक का किराया एक हजार रुपये से अधिक था, लेकिन रेलवे प्रशासन ने कुछ यात्रियों को केवल 200 रुपये लौटाए, जबकि अन्य को बिल्कुल भी पैसे नहीं दिए गए। इस बीच, बोलन मेल के समय में कल (मंगलवार) से संशोधन तय है। अधिकारियों ने कहा कि यह ट्रेन अब कराची से शाम 7 बजे के स्थान पर दोपहर तीन बजे रवाना हुआ करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप की हत्या के लिए खरीदना थे हथियार, पैसों के लिए मां-बाप को उतारा मौत के घाट

वॉशिंगटन। यहां एक नाबालिग पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का जुनून सवार हो गया। हथियार खरीदने के लिए उसने पैसे जुटाने की कोशिश की, जब सफलता नहीं मिली तो उसने पैसों के लिए अपने ही माता पिता की हत्या कर दी।पुलिस ने बताया कि लड़का चाहता था कि डोनाल्ड ट्रंप को मारने के लिए उसे मां-बाप पैसा दें। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने का बाद से ही वह फ्रस्ट्रेट था। फरवरी में 35 साल की टाटियाना कैसप और 51 साल के डोनाल्ड मेयर के शव उनके घर में ही पाए गए थे। वॉकेशा काऊंटी का रहने वाले निकिता कैसप पर फर्स्ट डिग्री मर्डर का आरोप है। उसने अपनी मां और सौतेले पिता डोनाल्ड मेयर की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि लड़के ने फरवरी में ही मां-बाप की हत्या कर दी। इसके बाद वह कई हफ्ते तक शवों के साथ ही रहा। इसके बाद 14 हजार डॉलर लेकर वहां से भाग गया। अपने साथ वह पासपोर्ट और कुत्ता भी ले गया था। पिछले महीने उसे कंसास से गिरफ्तार किया गया।कैसप वॉकेशा काउंटी जेल में है। एफबीआई आरोपी के खिलाफ जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक आरोपी अपनी मां से पैसे लेकर एक ड्रोन और विस्फोटक खरीदना चाहता था। उसने तीन पेज में अपने इरादों को लिखा था। उसने लिखा था कि वह हिटलर जैसा बनना चाहता है। सर्च वारंट में बताया गया कि लड़का कई अन्य लोगों के साथ भी संपर्क में था। इसके अलावा वह डोनाल्ड ट्रंप की हत्या करके इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहता था।

भगोड़ा मेहुल चौकसी बेल्जियम में गिरफ्तार, अब भारत लाने का रास्ता होने लगा साफ

ब्रूसेल्स। आतंकी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद अब घोटालेबाज भगोड़ा मेहुल चौकसी पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। चौकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। खास बात है कि यह गिरफ्तारी ऐसे समय पर हुई है, जब भारत सरकार की ओर से उसे प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया गया है। वह कथित तौर पर पत्नी के साथ बेल्जियम में रह रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि चौकसी को गिरफ्तार किया गया था और उसे जमानत मिलने में समय लगेगा। उन्होंने यह भी बताया है कि सीबीआई बेल्जियम के अधिकारियों के संपर्क में है, ताकि प्रत्यर्पण के अनुरोध पर काम किया जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि चौकसी ने बेल्जियम में रहने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था, ताकि भारत में प्रत्यर्पण से बचा जा सके। एक रिपोर्ट में कहा गया था, चौकसी ने बेल्जियम के अधिकारियों को झूठे घोषणापत्र और जाली दस्तावेज दिए थे और आवेदन प्रक्रिया में राष्ट्रीयता को गलत बताया था। उसने भारत और एंटिगुआ की नागरिकता की जानकारी नहीं दी थी।

पृथ्वी से चंद्रमा का दूर वाला हिस्सा हो सकता है अधिक शुष्क

वॉशिंगटन । चीनी वैज्ञानिकों ने चंद्रमा के सुदूर हिस्से से जुड़े एक महत्वपूर्ण रहस्य का खुलासा किया है। इस शोध के अनुसार, चंद्रमा का वह भाग जो पृथ्वी से दूर है, अपेक्षाकृत अधिक शुष्क हो सकता है। यह जानकारी चीन के 'चांग'ई 6' मिशन से प्राप्त मिट्टी और चट्टानों के नमूनों के विश्लेषण से सामने आई है। बीते साल चीन, चंद्रमा के उस हिस्से पर यान उतारने वाला पहला देश बना, जहां अब तक कोई नहीं पहुंचा था। इस मिशन के तहत दक्षिणी ध्रुव के पास स्थित ऐटकेन बेसिन से ज्वालामुखीय चट्टानों और मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए। चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिक सेन हू और उनकी टीम ने करीब पांच ग्राम मिट्टी को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मदद से परखा। उन्होंने कुल 578 कणों का गहन विश्लेषण किया और पाया कि इन नमूनों में पानी की उपस्थिति मात्र 1.5 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम से भी कम थी। इसकी तुलना अगर चंद्रमा के उस हिस्से से की जाए जो पृथ्वी की ओर है, तो वहां के नमूनों में पानी की मात्रा एक माइक्रोग्राम से लेकर 200 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम तक पाई गई थी। यह भी कहा गया है कि सीमित नमूनों के कारण अभी यह तय करना मुश्किल है कि यह शुष्कता चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से में कितनी व्यापक है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की आंतरिक संरचना और उसके विकास को समझने के लिए पानी की मौजूदगी या अनुपस्थिति का अध्ययन बेहद जरूरी है।

फिलिस्तीन को मान्यता देने की तैयारी पर भड़के नेतन्याहू ने जमकर लगाई फटकार

कीव, 13 अप्रैल (एजेंसियां)।

फिलिस्तीन को मान्यता देने की तैयार कर रहे फ्रांस पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों पर जमकर हमला बोला। नेतन्याहू की यह टिप्पणी मैक्रों द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा कि फ्रांस फिलिस्तीन को मान्यता देने की योजना पर काम कर रहा है।

नेतन्याहू के पहले उनके बेटे यायर नेतन्याहू ने भी फ्रांस पर निशाना साधते हुए कहा था कि मैक्रों को यह ख्याल छोड़ देना चाहिए कि अगर वह फिलिस्तीन को मान्यता देते हैं तो अरब देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार हो जाएंगे। नेतन्याहू ने बयान जारी करते हुए कहा राष्ट्रपति मैक्रों हमारी धरती के एक केंद्र पर फिलिस्तीनी राज्य के विचार को बढ़ावा देना चाहते हैं। उनका यह विचार बहुत ही गलत है। फिलिस्तीन एक ऐसा राज्य होगा, जिसकी एकमात्र आकांक्षा इजरायल का विनाश करना है, और हम ऐसा नहीं होने देंगे। नेतन्याहू ने 7 अक्तूबर 2023 में इजरायल पर हुए हमास के हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आज तक हमास या फिलिस्तीन से संबंधित किसी भी व्यक्ति या संस्था ने यहूदियों पर हुए उस भीषण हमले और नरसंहार की निंदा नहीं की। यही हकीकत है, जो इजरायल के प्रति उनके रवैये को प्रदर्शित करती है। उनको मान्यता देकर हम इसी मानसिकता को बढ़ावा देंगे। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि हम किसी भ्रम या बिना सिर-पैर वाली योजना के लिए अपने अस्तित्व को खतरे में नहीं डाल सकते। कोई चाहे कुछ भी कहे लेकिन एक देश के रूप में इजरायल फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के बारे में नैतिक बातों को स्वीकार नहीं करेगा। खासतौर पर ऐसी बातें जो इजरायल के अस्तित्व को खतरे में डाल दें। फ्रांस पर निशाना साधते हुए नेतन्याहू ने कहा कि हम ऐसे लोगों से ज्ञान को बिल्कुल नहीं लेंगे जो कोर्सिका, न्यू कैलेडोनिया, फ्रेंच गुयाना और अन्य क्षेत्रों को स्वतंत्रता देने का विरोध करते हैं ऐसे लोगों को बयान देने का अधिकार नहीं है।

हमास और इजराइल युद्ध के बीच नई युद्धविराम-बंधक रिहाई डील का प्रस्ताव भेजा

कीव। इजराइल ने हमास से 9 या 10 जीवित बंधकों की रिहाई की मांग की है, जिनमें अमेरिकी-इज़रायली नागरिक एडन अलेक्जेंडर भी शामिल हैं। अमेरिका ने कथित तौर पर हमास को यह आश्वासन दिया है कि यदि वह 8 से अधिक बंधकों को रिहा करता है, तो वह सुनिश्चित करेगा कि इजराइल स्थायी युद्धविराम की वार्ता में भाग ले। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वॉशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात के बाद कुछ नरमी बरती है। इजराइल चाहता है कि 45 दिन के युद्धविराम की शुरुआती दो हफ्तों में ही बंधकों की रिहाई हो जाए। इजराइल ने यह भी संकेत दिया है कि वह हर बंधक के बदले रिहा किए जाने वाले कैदियों की संख्या में कटौती करेगा और साथ ही 16 मृत इज़रायली बंधकों के शवों की वापसी की मांग की है। इजराइल ने कहा है कि अगर युद्धविराम लागू होता है तो वह स्थायी शांति समझौते के लिए बातचीत करने को तैयार है, लेकिन तब तक नहीं जब तक हमास की सैन्य ताकत पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाती। नेतन्याहू की यह नीति उनके कट्टरपंथी गठबंधन सहयोगियों के दबाव में भी है। इजरायली मीडिया के अनुसार, हमास का प्रतिनिधिमंडल हाल ही में काहिरा पहुंचा है, जहां मध्यस्थ देश जनवरी में हुई डील के दूसरे चरण की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इसमें स्थायी युद्धविराम और हमास के असैनिकिकरण की शर्त शामिल है, जिसे मिस्र की निगरानी में लागू किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमास ने उम्मीदें कम कर रखी हैं, लेकिन उसे लगता है कि मई के मध्य से पहले एक सहमति बन सकती है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उस समय सऊदी अरब, यूएई और क़तर की यात्रा पर होंगे।

जेफ बेजोस की मंगेतर समेत 6 महिलाएं करेंगी अंतरिक्ष की सैर

वॉशिंगटन,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

महिलाओं के लिए एक खास अंतरिक्ष टूरिज्म मिशन चलाया गया है। इसके तहत जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज, नासा वैज्ञानिक अमान्डा न्गुयेन, एयरोस्पेस इंजीनियर ऐशा बोवे और फिल्म प्रोड्यूसर केरियान फ्लिन शामिल हैं। ये सभी महिलाएं 11 मिनट तक अंतरिक्ष में रहेंगी।

यह मिशन सिर्फ 11 मिनट का होगा लेकिन इसके मायने बेहद गहरे हैं। न्यू शेपर्ड रॉकेट टेक्सास से उड़ान भरने के बाद 100 किलोमीटर ऊपर कार्मन लाइन को पार करेगा, जो अंतरिक्ष की सीमा मानी जाती है।

कैप्सूल रॉकेट से अलग होकर अंतरिक्ष में कुछ देर के लिए जीरो ग्रेविटी का अनुभव कराएगा और फिर पैराशूट की मदद से धरती पर लौट आएगा।इस मिशन की एक नहीं कई खासियत हैं। यह सिर्फ महिलाओं का स्पेस टूरिज्म मिशन है। अंतरिक्ष में ग्लैमर और विज्ञान का संगम देखने को मिलेगा, जिसमें पॉप स्टार कैटी पेरी से लेकर नासा वैज्ञानिक तक एक ही कैप्सूल में दिखेंगी। ये महिलाएं अपने-अपने क्षेत्रों की प्रतिनिधि बनकर गई हैं।कैटी पेरी ने मिशन से पहले मजाक में कहा था, अगर मैं अपना ग्लैमर स्पेस में ले जा सकती, तो ज़रूर ले जाती! इस मिशन में ग्लैमर के साथ-साथ उद्देश्य भी बड़ा है, युवाओं को दिखाना कि अंतरिक्ष सिर्फ वैज्ञानिकों के लिए नहीं, बल्कि हर सपने देखने वाले के लिए है। बता दें कि अंतरिक्ष की दुनिया में महिलाओं की उड़ान की नींव उस वक्त पड़ी थी, जब 1963 में रूस की वेलेंटिना तेरेश्कोवा अकेले ही अंतरिक्ष की यात्रा पर निकली थीं, वो पल इतिहास में अमिट हो गया था।

इंसानों को पानी के नीचे बसाने की तैयारी हो चुकी है शुरू

ब्रिटेन की एक स्टार्टअप कंपनी दीप समंदर की गहराइयों में इंसानी बस्तियां बसाने का सपना देख रही है। कंपनी का मानना है कि समुद्र के भीतर रहना अब सिर्फ कल्पना नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में हकीकत बन सकता है। कंपनी का यह विचार तब और मजबूत हुआ जब एक बायोमेडिकल इंजीनियर ने हाल ही में 100 दिन तक पानी के नीचे रहकर यह साबित कर दिया कि इंसान सीमित संसाधनों में भी समंदर के भीतर टिक सकता है। इस ऐतिहासिक प्रयोग के बाद अब यह बहस तेज हो गई है कि क्या भविष्य में लोग समुद्र के भीतर स्थायी रूप से रह सकेंगे कंपनी ने सबसी हेबीटेटस यानी पानी के नीचे रहने योग्य संरचनाओं पर काम शुरू कर दिया है। इस साल के अंत तक कंपनी का पहला अंडरवॉटर घर वैनगार्ड तैयार हो जाएगा।

यूक्रेन युद्ध पर बातचीत सकारात्मक दिशा में, त्वरित हल की उम्मीद नहीं : क्रेमलिन

मॉस्को,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यूक्रेन युद्ध के समाधान की दिशा में की जा रही कोशिशों पर क्रेमलिन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वाशिंगटन के साथ संपर्क बहुत अच्छे स्तर पर है, लेकिन त्वरित कोई परिणाम निकालना संभव नहीं है। क्रेमलिन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सेंट पीटर्सबर्ग में चार घंटे लंबी वार्ता की। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रूसी राज्य टीवी से बातचीत में कहा, संपर्क कई स्तरों पर हो रहे हैं- विदेश मंत्रालय, खुफिया एजेंसियों और निवेश प्रतिनिधियों के माध्यम से। लेकिन बाइडन प्रशासन के दौरान संबंधों को जो क्षति पहुंची, उसे देखते हुए त्वरित परिणाम की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। प्रवक्ता ने कहा कि- डोनाल्ड ट्रंप, जो खुद को शांति दूत के रूप में याद किया जाना चाहते हैं, कई बार कह चुके हैं कि वे यूक्रेन में तीन साल से जारी रक्तपात को खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप का प्रशासन अब इस युद्ध को अमेरिका और रूस के बीच एक प्रॉक्सी युद्ध के रूप में देखता है, जो रूस के नजरिए से मेल खाता है। पेस्कोव ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन की मुलाकात की संभावनाएं बनी हुई हैं, लेकिन अभी इस दिशा में संयम और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, संबंधों की बहाली में समय और गंभीर प्रयास लगते हैं। वहीं शांति की पहल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि कुछ हद तक बातचीत सही दिशा में जा रही है, लेकिन एक बिंदु आता है जब या तो आगे बढ़ना पड़ता है या चुप रहना होता है।

सुअर की किडनी नहीं आई काम, कुछ ही महीनों बाद निकलवानी पड़ी

वॉशिंगटन,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक महिला को सुअर की किडनी लगाई थी और सफल प्रत्यारोपण का दावा भी किया गया था। हालांकि 130 दिन बीतने के बाद ही किडनी फिर से निकालनी पड़ गई। बताया गया कि महिला के शरीर ने उस किडनी को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। ऐसे में कुछ दिन बाद ही उसे फिर से डायलिसिस का सहारा लेना पड़ा।

हाल ही में एक 66 साल के शख्स की किडनी प्रत्यारोपित की गई थी। मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल में शख्स को सुअर की किडनी लगाई गई थी। एक सप्ताह बाद ही अस्पताल ने उसे डिसचार्ज कर दिया।अमेरिका में अब तक पांच लोगों को सुअर की किडनी लगाई गई है। हालांकि यूएस फूड ऐंड ड्रग ऐडमिनिस्ट्रेशन की मंजूरी के तहत एक ही केस है। पहले दो प्रत्यारोपण में मरीजों की मौत हो गई थी। अमेरिका में अंग प्रत्यारोपण के लिए लंबी वेटिंग लिस्ट है। इनमें से ज्यादातर किडनी फेल्योर के ही मरीज हैं। अंगों की कमी दूर करने के लिए ही सुअर की जीन में बदलाव करके किडनी प्रत्यारोपण पर शोध किया जा रहा है। 53 साल की तोवाना लूनी ने 130 दिन सुअर की किडनी के भरोसे बिताए। कई अन्य मामलों में भी मरीज को जेनेटिकली मोडिफाइड सुअर की किडनी लगाई गई है। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि यह जेनोट्रांसप्लांटेशन लगभग सफल रहा है। भविष्य में जेनेटिकली मोडिफाइड किडनी लगाकर इंसान को लंबा जीवन भी दिया जा सकता है। अस्पताल के सर्जन ने कहा कि अब तक जितने भी इस तरह के मामले हैं उनमें यह सबसे ज्यादा दिन तक सुअर की किडनी के सहारे जीवित रहने वाला केस है।बता दें कि अंगों की कमी और किडनी फेल्योर का सामना कर रहे मरीजों के लिए भविष्य में यह वरदान साबित हो सकता है। सुअर की किडनी के लिए मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा परिवार के शख्स को किडनी भी नहीं डोनेट करनी होगी।

नेपाल में भड़की हिंसा में सीमा सील होने के बाद उठ रहे सवाल, कर्फ्यू भी लगा

रक्सौल। नेपाल के बीरगंज शहर में शनिवार को दो समुदायों के बीच अचानक भड़की हिंसा ने इलाके में तनाव का माहौल पैदा कर दिया। इस बीच नेपाल सरकार ने जहां हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में 24 घंटे का कर्फ्यू लागू कर दिया वहीं भारत-नेपाल सीमा को भी पूरी तरह से सील कर दिया। इससे रक्सौल-बीरगंज बॉर्डर पर आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई और अनेक भारत के लोग नेपाल में फंसे रह गए। बताया जा रहा है कि हिंसा की घटना तब शुरु हुई जबकि बीरगंज के छपकैया इलाके में एक धार्मिक शोभायात्रा के दौरान पत्थबाजी होने लगी। अचानक छतों से ईंट-पत्थर फेंके गए। इसके बाद हालात बेकाबू हो गए और भीड़ ने कई दुकानों और वाहनों को आग के हवाले कर दिया। हिंसा में अब तक करीब 50 लोग घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे, राहगीर और पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। नेपाल सरकार ने घटना को गंभीरता से लेते हुए हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया वहीं भारत-नेपाल सीमा को सील भी कर दिया। इसके बाद नेपाल में फंसे भारतीयों को लेकर चिंता व्यक्त की जाने लगी है। नेपाल सीमा से सटे भारतीय इलाकों में निवास करने वाले लोगों ने अपने परिजनों की सलामती के लिए प्रार्थना भी की है। प्रशासन सख्त, कर्फ्यू के आदेश इससे पहले स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए नेपाल पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया, लेकिन जब हालात नहीं संभले तो प्रशासन ने कर्फ्यू लागू कर दिया। बीरगंज के जिलाधिकारी गणेश अर्याल हालात पर नजर बनाए हुए हैं और लगातार शांति बहाली की कोशिशों में जुटे हैं। सीमा सील, रक्सौल के लोग नेपाल में फंसे सीमा सील होने के चलते रक्सौल के कई व्यापारी और आम नागरिक जो रोज़गार या व्यापार के लिए बीरगंज गए थे, वहीं फंसे रह गए हैं। कई दुकानों के बंद होने और स्थानीय लोगों के छिपे होने की खबरें भी सामने आई हैं। भारत-नेपाल संबंधों पर असर इस हिंसा के बाद कुछ लोग घटनाओं के तार कथित तौर पर भारत से जोड़ने की भी कोशिश करते देखे गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। ऐसे लोगों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पोस्टर लहराने वाली घटना की भी याद दिलाने का काम किया है। हालांकि फिलहाल दोनों देशों के अधिकारी संयम बरतने और हालात को सामान्य करने के प्रयास में लगे हैं। स्थानीय लोगों से अपील प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। यह घटना भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र की संवेदनशीलता को फिर से रेखांकित करती है और दोनों देशों के लिए चुनौती बनकर सामने आई है।

जीत की पटरी पर लौटी चेन्नई, लखनऊ को 5 विकेट से हराया, धोनी-शिवम की 50+ रन की साझेदारी

लखनऊ, 14 अप्रैल (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 में लगातार 5 मैच हारने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को आखिरकार जीत मिल गई है। महेंद्र सिंह धोनी की टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम पर 5 विकेट से जीत हासिल की। पहले खेलते हुए लखनऊ ने 7 विकेट पर 166 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई ने 20वें ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 7 मैचों में चेन्नई की यह दूसरी जीत है जबकि लखनऊ 7 मैच में तीसरी हारी है।मुश्किल विकेट पर चेन्नई को आखिरी 5 ओवर में जीत के लिए 56 रन चाहिए थे। महेंद्र सिंह धोनी और शिवम दुबे ने यहां से टीम को जीत दिला दी। धोनी के बल्ले से 11 गेंद पर 26 रनों की पारी निकली। एक समय 30 गेंद पर 26 रन बनकार खेल रहे शिवम दुबे ने 37 गेंद पर 43 रन बनाए। 19वें ओवर में शार्दुल ठाकुर के खिलाफ 19 रन बने और इसी ने चेन्नई की जीत लगभग पक्की कर दी।कप्तान ऋषभ पंत ने 49 गेंद में 63 रन बनाये। उन्हें शुरुआत में दिक्कत हुई लेकिन धीरे धीरे लय हासिल कर ली और अब्दुल समद (20) के साथ पांचवें विकेट के लिये 33 गेंद में 53 रन बनाये। लगातार पांच पराजय का सामना करके आई चेन्नई सुपर किंग्स ने इससे पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। खलील अहमद ने पहले ही ओवर में एडेन माक्रम को आउट किया, जिनका बेहतरीन कैच पीछे की ओर दौड़ते हुए राहुल त्रिपाठी ने लपका। दो ओवर बाद अंशुल कम्बोज ने निकोलस पूरन को पगबाधा आउट किया।टीम में वापसी कर रहे मिचेल मार्श ने खलील को लगातार दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाया। वहीं अब तक टूर्नामेंट में जूझते नजर आये पंत ने आते ही आत्मविश्वास से भरे शॉट्स खेले। इनमें जैमी ओवरटन की गेंद पर रिवर्स स्कूप पर जड़ा छक्का शामिल है। अनुभवी रविंद्र जडेजा ने पहले ओवर में दस रन दिये लेकिन दूसरे ओवर में शानदार वापसी करके मार्श का विकेट लिया। युवा आयुष बड़ोनी (17 गेंद में 22 रन) ने ओवरटन को लगातार दो छक्के लगाकर लखनऊ को 12 ओवर के बाद तीन विकेट पर 95 रन तक पहुंचाया।आयुष बडोनी को दो जीवनदान भी मिले जब पहली बार वह नो बॉल पर लपके गए और फिर जडेजा की गेंद पर पगबाधा होने से बचे। वह आ-खिरकार जडेजा का ही शिकार हुए और धोनी ने चुस्त स्टम्पिंग करके उन्हें रवाना किया।

न्यूज ब्रीफ

आईटीटीएफ विश्व कप 2025: मनिका श्रीजा ने ग्रुप स्टेज के शुरुआती मैच जीते

नई दिल्ली। ओलंपियन मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने सोमवार को चीन के मकाऊ में आईटीटीएफ विश्व कप में अपने ग्रुप चरण के पहले मैच में जीत हासिल की। ग्रुप 16 में शामिल विश्व की 30वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने न्यू कैलेडोनिया की मेलिस गिरेट को 4-0 (11-1, 11-2, 11-6, 11-4) से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय खिलाड़ी का सामना अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में ब्राजील की विश्व की 23वें नंबर की खिलाड़ी ब्रूना ताकाहाशी से होगा। ग्रुप 9 में विश्व की 34वें नंबर की खिलाड़ी श्रीजा ने ऑस्ट्रेलिया की कॉन्स्टेंटिना साइहोगियोस को 3-1 (11-9, 11-4, 11-8, 6-11) से हराया। विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी रोमानिया की बर्नडेट स्ज़ोक्स ग्रुप की तीसरी खिलाड़ी हैं। मनिका और श्रीजा टूर्नामेंट में केवल दो भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। कोई भी भारतीय पुरुष पैडलर इस इवेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया। टूर्नामेंट में दो चरण शामिल हैं। स्टेज 1 में, 48 खिलाड़ियों (पुरुष और महिला दोनों एकल में) को तीन के 16 समूहों में विभाजित किया जाता है। स्टेज 1 में मैच चार गेम के होते हैं, जिसमें जीत-हार के अनुपात के आधार पर अंतिम रैंकिंग होती है। प्रत्येक समूह का विजेता स्टेज 2 के लिए क्वालीफाई करेगा, जिसमें नॉकआउट ड्रॉ होगा। नॉकआउट चरण में बेस्ट-ऑफ-सेवन गेम फिक्स्चर होंगे।

द मास्टर्स 2025: रोरी मैकइ्लरॉय ने पूरा किया करियर ग्रैंड स्लैम, मिली ग्रीन जैकेट

अगस्ता। अगस्ता नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को इतिहास रच दिया गया, जब रोरी मैकइ्लरॉय ने एक

रोमांचक मुकाबले में जस्टिन रोज़ को प्लेऑफ में हराकर द मास्टर्स 2025 का खिताब जीत लिया। इसी के साथ मैकइ्लरॉय ने करियर ग्रैंड स्लैम भी पूरा कर लिया और वो गोल्फ इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले छठे खिलाड़ी बन गए। ऐसे बना रोमांचक मुकाबला पूरे टूर्नामेंट में बढ़त बनाए रखने वाले मैकइ्लरॉय ने आखिरी दिन शुरुआत में ही दो शॉट की बढ़त गंवा दी। इसके बाद बैक-नाइन पर तीन होल में चार शॉट की बढ़त भी हाथ से निकल गई। 13वें होल पर उनकी एक गलती ने मैच को पूरी तरह रोमांचक बना दिया, जब उनका शॉट रे क्रीक में चला गया और डबल बोगी करनी पड़ी। दो शानदार शॉट्स से वापसी हालात मुश्किल होने के बाद भी मैकइ्लरॉय ने हार नहीं मानी। 15वें होल पर शानदार 7-आयरन से गेंद को 6 फीट तक पहुँचाया और बर्डी लगाकर बराबरी कर ली। इसके बाद 17वें होल पर 8-आयरन से बेहतरीन शॉट खेलते हुए 2 फीट तक गेंद पहुँचाई और बर्डी कर एक शॉट की बढ़त ले ली। जस्टिन रोज का जबरदस्त संघर्ष जस्टिन रोज़ ने भी कमाल की वापसी की। शनिवार को 75 का स्कोर खेलने वाले रोज़ आखिरी दिन 10 बर्डी लगाकर खिताबी दौड़ में लौटे। 18वें होल पर 20 फीट की बर्डी पुट लगाकर मुकाबला प्लेऑफ में पहुँचाया। हालांकि प्लेऑफ में उनकी किस्मत ने फिर साथ नहीं दिया। आखिरकार मिली ग्रीन जैकेट प्लेऑफ में मैकइ्लरॉय ने तीसरे शॉट पर गेंद को 3 फीट तक पहुँचाया और बर्डी करते हुए खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद वो घुटनों के बल बैठ गए और खुशी के आँसू बहाए। इस खिताब के साथ उन्होंने 11 साल का मेजर टाइटल का सूखा खत्म किया और टाइगर वुड्स, जैक निकलॉस जैसे दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए।

कार्लोस अल्कराज ने जीता मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब

मोनाको। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में

इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर अपना पहला मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। 21 वर्षीय अल्काराज ने यह मुकाबला 3-6, 6-1, 6-0 से अपने नाम किया। यह कार्लोस अल्कराज के करियर का छठा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। इसके साथ ही यूरोपीय क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत उन्होंने जीत के साथ की है। अब अल्कराज फ्रेंच ओपन में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। मुसेट्टी ने पहले सेट में चौंकाया, लेकिन फिर अल्काराज ने की वापसी मैच की शुरुआत में अल्कराज लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे और उन्होंने अपने शुरुआती दो सर्विस गेम गंवा दिए। पहले सेट में उन्होंने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसका फायदा उठाकर मुसेट्टी ने 6-3 से बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद अल्कराज ने जबरदस्त वापसी की और दूसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। तीसरे और निर्णायक सेट में उन्होंने मुसेट्टी को पूरी तरह दबाव में रखते हुए 6-0 से मुकाबला समाप्त कर खिताब अपने नाम किया।

आईपीएल 2025 : सीएसके ने गायकवाड़ की जगह आयुष म्हात्रे को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अब तक खराब प्रदर्शन से जूझ रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने बड़ा फैसला लिया है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर पूरे सीजन से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने मुंबई के युवा ओपनर आयुष म्हात्रे को टीम में शामिल किया है। 17 वर्षीय म्हात्रे को दो दिन में टीम से जुड़ने के लिए कहा गया है और वे जल्द ही सीएसके के स्क्वाड का हिस्सा बन सकते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ये सीजन अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने सात में से केवल एक मुकाबला जीता है और लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी बीच कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के कोहनी में फ्रैक्चर के चलते पूरे सीजन से बाहर हो जाने से टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं।

ट्रायल के बाद मिला मौका, दिग्गजों को पछाड़ा

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार,, सीएसके मैनेजमेंट ने आयुष म्हात्रे समेत उर्विल पटेल (गुजरात), सलमान निज़ार (उत्तर प्रदेश) और पृथ्वी शॉ को ट्रायल के लिए चेन्नई बुलाया था। हालांकि, प्रदर्शन और फिटनेस के आधार पर आयुष म्हात्रे का चयन किया गया। आईपीएल 2025 की नीलामी में 30 लाख के बेस प्राइस पर भी कोई खरीदार न मिलने वाले म्हात्रे को अब बड़ा मौका मिल गया है।

सीएसके अभी लखनऊ में अपना सातवां मुकाबला खेलने पहुंची है, जहां सोमवार रात वे लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ भिड़ेगी। इसके बाद टीम 20 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में उतरेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि आयुष म्हात्रे मुंबई में ही सीएसके स्क्वाड से जुड़ेंगे।

मुंबई के क्रिकेट सर्कल में चर्चित नाम

17 वर्षीय आयुष म्हात्रे मुंबई के क्रिकेट सर्कल में उभरता हुआ सितारा हैं। अब तक खेले गए 9 फर्स्ट क्लास मैचों में वे 504 रन बना चुके हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं, 7 लिस्ट ए मुकाबलों में भी उन्होंने 458 रन बनाए हैं। पिछले साल अक्टूबर में डेब्यू करने वाले म्हात्रे को क्रिकेट विशेषज्ञ भविष्य का भारतीय खिलाड़ी मानते हैं।

आईपीएल 2025: धीमी ओवर गति के कारण अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) के 29वें मुकाबले में रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को अपने ही घर अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के हाथों 12 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में दिल्ली की ओर से करुण नायर ने शानदार 89 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं, धीमे ओवर रेट के चलते दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। करुण नायर की पारी गई बेकार, तीन रन आउट ने पलटा मैच दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मुंबई इंडियंस ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी और सूर्यकुमार यादव व नमन धीर की तेजतर्रार बल्लेबाजी के दम पर 20 ओवर में 205/5 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही और पहले ही गेंद पर जैक फ्रेजर मैकगर्क बिना खाता खोले आउट हो गए। दिल्ली की ओर से करुण नायर ने तीन साल बाद आईपीएल में खेलते हुए 40 गेंदों पर 12 चौके और 5 छक्कों की मदद से 89 रन की धमाकेदार पारी खेली। इसके अलावा केवल अभिषेक पोरेल ने 33 रन बना सके। आखिरी ओवरों में दिल्ली ने तीन विकेट रन आउट से गंवाए, जिसने मैच का रुख पलट दिया और दिल्ली 19 ओवर में 193 रन पर सिमट गई। मुंबई ने 12 रन से मुकाबला अपने नाम किया। अक्षर पटेल पर धीमे ओवर रेट के चलते लगा जुर्माना इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत ओवर रेट में पहली बार नियम का उल्लंघन किया। इस वजह से कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। अक्षर पटेल ने बताई हार की वजह मैच के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में अक्षर पटेल ने हार की बड़ी वजह खराब शॉट चयन और मिडिल ऑर्डर के विफल रहने को बताया। उन्होंने कहा, हम मैच को अपने हाथ में ले आए थे।

मेजर लीग सॉकर: इंटर मियामी ने शिकागो फायर के खिलाफ खेला गोल रहित ड्रॉ

शिकागो, 14 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में रविवार को इंटर मियामी और शिकागो फायर के बीच मुकाबला बिना किसी गोल के ड्रॉ रहा। लियोनेल मेसी ने पूरे 90 मिनट मैदान पर बिताए और कई रोमांचक मौके बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। मुकाबले में दोनों टीमों के गोलकीपर्स ने शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार इस सीजन में क्लीन शीट हासिल की।

मेसी के दो शानदार प्रयास, लेकिन किस्मत ने नहीं दिया साथ

इस मुकाबले में लियोनेल मेसी ने 64वें और 85वें मिनट में गोल करने की पूरी कोशिश की। पहले मेसी का शानदार शॉट शिकागो के गोलकीपर क्रिस ब्रैडी ने क्रॉसबार की मदद से बचाया, वहीं दूसरे मौके पर भी गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई।

मेसी ने लुइस सुआरेज को भी एक बेहतरीन पास दिया था, लेकिन वह ऑफसाइड करार दिया गया। इंटर मियामी का लगातार दूसरा ड्रॉ कॉनकाकैफ चैंपियंस कप क्वार्टर फाइनल में एलएएफसी के खिलाफ जबरदस्त वापसी के बाद इंटर मियामी को एमएलएस में लगातार दूसरे मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। इस सीजन यह पहला मौका था जब इंटर मियामी किसी एमएलएस मुकाबले में गोल नहीं कर सका।

शिकागो फायर ने पहली बार रखा क्लीन शीट

शिकागो फायर के लिए यह इस सीजन का पहला क्लीन शीट था। टीम ने बीते तीन मैचों में दो ड्रॉ और एक हार झेली थी। इस मुकाबले में भी शिकागो ने आखिरी मिनटों में कुछ बेहतरीन मौके बनाए, लेकिन इंटर मियामी के गोलकीपर ऑस्कर उस्टारी ने शानदार बचाव कर टीम को हार से बचा लिया।

अंतिम मिनटों में मुकाबला हुआ रोमांचक

पहले हाफ में मुकाबला धीमा रहा, लेकिन दूसरे हाफ के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। शिकागो के जोनाथन बम्बा और मारन हाइले-सेलासी ने भी गोल करने की कोशिश की, लेकिन किस्मत और इंटर मियामी की डिफेंस ने उन्हें सफलता नहीं दी।

जीत के बाद शैंपेन से जश्न मनाते हुए ओस्कर पियास्ट्री

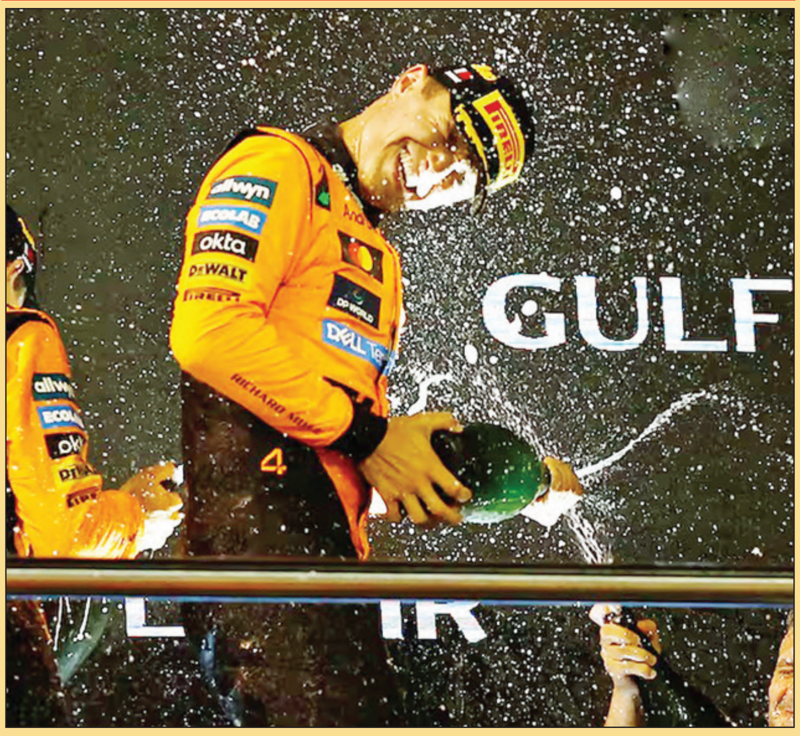

बहरीन में मैकलरेन के ओस्कर पियास्ट्री जीत के बाद शैंपेन से जश्न मनाते हुए।

तीरंदाजी वर्ल्ड कप स्टेज-1 : पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में भारत ने जीता रजत

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत ने आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-1 में पुरुष रिकर्व टीम इवेंट का रजत मेडल अपने नाम किया। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को चीन के हाथों 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

धीरज, तरूणदीप और अतानु की तिकड़ी ने दिलाया भारत को तीसरा पदक

भारतीय टीम की ओर से धीरज बोम्मडेवरा, तरूणदीप राय और अतानु दास की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में भारत का तीसरा पदक दिलाया। इससे पहले भारत ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में स्वर्ण और कंपाउंड मेंस टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था।

पहले सेट में बराबरी, फिर चीन ने ली बढ़त

रिकर्व टीम इवेंट के गोल्ड मेडल मुकाबले में भारत और चीन की टीमों ने पहले सेट में 54-54 की बराबरी की। लेकिन दूसरे सेट में चीन ने चार 10 का स्कोर करते हुए 58-55 से जीत दर्ज की और 3-1 की बढ़त बना ली। भारत की ओर से एक बार फिर 8 अंक स्कोर कर पिछड़ने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

तीसरे सेट में भी चूकी भारतीय टीम, चीन ने स्वर्ण किया अपने नाम

तीसरे सेट में भारत को मैच में बने रहने के लिए जीत दर्ज करनी थी, लेकिन भारतीय तीरंदाज 54 अंक ही जुटा सके। चीन ने 55 अंक बनाकर सेट और मुकाबला दोनों अपने नाम कर लिया। इसी के साथ चीन ने स्वर्ण पदक जीता।

अभिषेक वर्मा चौथे स्थान पर, धीरज से उम्मीद

कंपाउंड मेंस इंडिविजुअल कैटेगरी में भारत के अनुभवी अभिषेक वर्मा मेडल से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे। वहीं, धीरज बोम्मडेवरा मेंस रिकर्व इंडिविजुअल इवेंट में अभी भी मुकाबले में बने हुए हैं, जिनका प्रदर्शन दिन में बाद में होगा।

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 26 सदस्यीय भारतीय महिला टीम घोषित की

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हॉकी इंडिया ने सोमवार को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। यह दौरा 26 अप्रैल से 4 मई 2025 तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा।

इस पांच मैचों की सीरीज में भारत पहले दो मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से खेलेगा, जबकि इसके बाद तीन मुकाबले सीनियर ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ होंगे।

इस दौरे के लिए टीम की कमान अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। यह दौरा भारतीय टीम के लिए आगामी जून में यूरोप में होने वाली एफआईएच प्रो लीग 2024-25 की तैयारियों के तहत महत्वपूर्ण साबित होगा।

उल्लेखनीय रूप से पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को सीनियर टीम में शामिल किया गया है और वे सीनियर टीम में पदार्पण करने के लिए उत्सुक होंगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने टीम पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरा हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जहां हम शीर्ष स्तर की प्रतिस्पर्धा के खिलाफ अपनी स्किल्स और रणनीतियों का परीक्षण करेंगे। हमने एक संतुलित टीम का चयन किया है, जिसमें अनुभव और नई ऊर्जा का मिश्रण है।

सलीमा टेटे कप्तान, नवनीत कौर होंगी उपकप्तान

यह देखकर अच्छा लगता है कि युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों और सीनियर कैंपों में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद अपनी जगह बनाई है। कोच ने कहा, हमने बेंगलुरु में राष्ट्रीय कैंप में अच्छा प्रशिक्षण लिया है और टीम मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छी स्थिति में है।

ऑस्ट्रेलिया ए और हॉकीरूस के खिलाफ खेलने से हमें यूरोपियन प्रो लीग से पहले अपनी खेल शैली को बेहतर करने में मदद मिलेगी। हम फिटनेस, निर्णय लेने की क्षमता और मानसिक दृढ़ता को मजबूत कर रहे हैं ताकि हम उच्च दबाव वाली स्थितियों में भी संयमित और प्रतिस्पर्धी बने रहें।

26 सदस्यीय भारतीय टीम इस प्रकार है-

- गोलकीपर- सविता, बिचू देवी खारीबाम।
- डिफेंडर्स- ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा।
- मिडफील्डर- सलीमा टेटे (कप्तान) वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनीता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेमसियामी।
- फॉरवर्ड- नवनीत कौर (उपकप्तान), दीपिका, रुतजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग।
- स्टैंडबाय खिलाड़ी-बंसरी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग, लालथंतलुंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला, खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर), दीपी मोनिका टोप्पो, सोनम (फॉरवर्ड)।

सिंगापुर ने जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 0-2 प्रतिशत किया

सिंगापुर, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिंगापुर ने 2025 के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 0-2 प्रतिशत कर दिया है। व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय (एमटीआई) ने सोमवार को इस घोषणा में वैश्विक व्यापार पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क के प्रभाव का हवाला दिया।

फरवरी में सिंगापुर की जीडीपी वृद्धि का अनुमान एक से तीन प्रतिशत था

सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस), वास्तविक केंद्रीय बैंक ने भी लगातार दूसरी बार मौद्रिक नीति में नरमी का रुख अपनाया क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के कारण आर्थिक आशंकाएं बढ़ रही हैं। एमटीआई के अनुसार फरवरी में सिंगापुर की जीडीपी वृद्धि का अनुमान एक से तीन प्रतिशत था। इसमें अमेरिका और चीन सहित सिंगापुर के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की समग्र वृद्धि में अपेक्षित कमी को ध्यान में रखा गया था। हालांकि अब 2025 के जीडीपी वृद्धि अनुमान को घटाकर 0–2 प्रतिशत कर दिया गया है। एमटीआई ने कहा कि तब से अमेरिका ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत का आधारभूत शुल्क लगाया है तथा अमेरिका के साथ बड़े व्यापार अधिशेष वाले देशों पर उच्च जवाबी शुल्क लगाया है। मंत्रालय के अग्रिम अनुमानों के अनुसार, 2025 की पहली (जनवरी–मार्च) तिमाही में सिंगापुर की अर्थव्यवस्था 3.8 प्रतिशत बढ़ेगी, जो पिछली तिमाही की पांच प्रतिशत की वृद्धि से कम है। एमटीआई ने 90 दिन की अस्थायी रोक के साथ ही अमेरिका और चीन के बीच शुल्क युद्ध का उल्लेख किया। चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका का वृद्धि परिदृश्य खराब है, क्योंकि आयात लागत बढ़ने से खपत कमजोर होने की आशंका है। चीन का वृद्धि परिदृश्य भी नरम पड़ गया है, क्योंकि अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध के बीच उसके निर्यात में वृद्धि रुकने के आसार हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

चीन का निर्यात बढ़ा, आयात में गिरावट

बैंकॉक। चीन के निर्यात में मार्च में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं इसी दौरान आयात में 4.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। अमेरिका के चीन से आयातित वस्तुओं पर शुल्क में बढ़ोतरी के बाद यह बढ़ोतरी देखी जा रही है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निर्यात 2025 के पहले तीन (जनवरी–मार्च) महीनों में सालाना आधार पर में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि आयात में सात प्रतिशत की गिरावट आई। चीन का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष मार्च में 27.6 अरब डॉलर रहा, जबकि इसके निर्यात में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष की पहली जनवरी–मार्च तिमाही में अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 76.6 अरब डॉलर रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों में हाल ही में किए गए संशोधनों के अनुसार चीन को अमेरिका को किए जाने वाले अधिकतर निर्यातों पर 145 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। सीमा शुल्क प्रशासन के प्रवक्ता ने कहा कि चीन जटिल व गंभीर स्थिति का सामना कर रहा है, लेकिन वह घुटने नहीं टेकेगा। उन्होंने चीन के विविध निर्यात विकल्पों और विशाल घरेलू बाजार की ओर इशारा करते हुए यह बात कही।

फ्लाई ऐश मामले में वेदांता को 71 करोड़ मुआवजा देने को कहा

नई दिल्ली। वेदांता ने कहा है कि ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने फ्लाई ऐश (राख) के अनधिकृत निपटान के लिए उससे 71.1 करोड़ रुपये का मुआवजा जमा करने को कहा है। फ्लाई ऐश एक महीन चूर्ण जैसा अपशिष्ट पदार्थ है जो विद्युत संयंत्रों में कोयले को जलाने पर उत्पन्न होता है। वेदांता ने बीएसई को दी गई सूचना में कहा कि यह मामला फ्लाई ऐश के अनधिकृत निपटान के आरोप से संबंधित है। सदस्य सचिव ने कंपनी से 71,16,53,320 रुपये का पर्यावरण मुआवजा जमा करने का अनुरोध किया है। उसने कहा कि वह इस मामले में उचित मंच के समक्ष कानूनी सहायता लेना चाहती है

क्रूड सस्ता हुआ फिर भी महंगा हुआ पेट्रोल, वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 64.81 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिराट के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार सुबह पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। सोमवार को यूपी से बिहार तक कई शहरों में तेल की खुदरा कीमतों में बदलाव दिख रहा है। इससे पहले सरकार ने भी इस महीने की शुरुआत में पेट्रोल–डीजल पर एक्साइज ड्यूटी करीब 2 रुपये बढ़ा दिया था। ग्लोबल मार्केट में अभी क्रूड का भाव 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 25 पैसे सस्ता होकर 94.87 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 28 पैसे गिरा और 89.01 रुपये लीटर पहुंच गया है लेकिन गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये और डीजल 30 पैसे बढ़त के साथ 87.81 रुपये लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 13 पैसे बढ़कर 105.60 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 11 पैसे महंगा होकर 92.43 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 64.81 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी गिरावट के साथ 61.55 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

भारत में ऊर्जा की खपत तेजी से बढ़ रही देश की ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ रहा दबाव

देश में नेचुरल गैस की खपत 2030 तक 60 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय अर्थव्यवस्था जितनी तेजी से विकास कर रही है, उतनी ही तेजी से ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की खपत में वृद्धि के संकेत देती रिपोर्ट के अनुसार, देश की ऊर्जा आधारित इकनॉमी का विकास तो अच्छा है, लेकिन आयात पर निर्भरता बढ़ने से दरारें नजर आ रही हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, देश में नेचुरल गैस की खपत के बढ़ने के संकेत हैं, जिसे 2030 तक 60 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है।

वाहनों में सीएनजी और उद्योगों के लिए गैस का उपयोग वृद्धि के कारण प्राकृतिक गैस की खपत तेजी से बढ़ेगी। इसके साथ ही, सरकार ने गैस आधारित इकनॉमी के लक्ष्य का दिया था, जो पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इकनॉमी को बढ़ाने का मकसद रखता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि खपत और विकास दर ऐसे ही बढ़ती रही तो साल 2040 तक गैस की खपत 49.6 करोड़ यूनिट तक पहुंच सकती है। इसलिए, सरकार को अब इस संदेश पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि ऊर्जा की सुरक्षा बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। भारत अपनी गैस की आधी मांग आयात के जरिये पूरी करता है। मांग बढ़ने के साथ ही तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात में वृद्धि होने का अनुमान है। अध्ययन में कहा गया है कि लंबी दूरी के परिवहन ईंधन के रूप में एलएनजी पासा पलटने वाला साबित हो सकता है, क्योंकि यह डीजल वाहन की जगह लेने की क्षमता रखता है। भारत का एलएनजी आयात 2030 तक दोगुना से अधिक होने वाला है। जाहिर है कि इससे कीमतों पर भी असर पड़ेगा और खुदरा बाजार में गैस की कीमतें महंगी हो सकती हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर होगा, जबकि आयात बिल बढ़ने से इकनॉमी पर भी दबाव बढ़ेगा।

एक तरफ तो गैस की खपत तेजी से बढ़ती जा रही है और कीमतों में भी उतनी ही तेजी से बढ़ोतरी हो रही। दूसरी ओर, देश में प्राकृतिक गैस का उत्पादन करीब 9 करोड़ मीट्रिक मानक क्यूबिक मीटर प्रतिदिन, जबकि खपत प्रतिदिन 19 करोड़ मीट्रिक मानक क्यूबिक मीटर प्रतिदिन पहुंच गई है। भारत के पास इस चुनौती का घरेलू स्तर पर हल निकालने का अभी कोई रास्ता नहीं है। एकमात्र उपाय आयात के जरिये इस सप्लाई को पूरा करने का ही है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने खुदरा ऋण दर 0.25 प्रतिशत घटाई

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उद्यम
एक परिवार एक बैंक

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने खुदरा ऋण दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सोमवार को बयान में कहा कि बैंक की रेपो से जुड़ी ऋण दर (आरएलएलआर) अब 9.05 प्रतिशत से घटाकर 8.80 प्रतिशत कर दी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार दूसरी बार प्रमुख ब्याज दरों में बुधवार को 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी, ताकि अमेरिका के जवाबी शुल्क के खतरे का सामना कर रही वृद्धि को समर्थन दिया जा सके। बैंक ने कहा कि घटी हुई दरें ऋण को और अधिक किफायती बना देंगी तथा ग्राहकों के वित्तीय लाभ को बढ़ाएंगी। बैंक ने कहा कि चूंकि बैंक द्वारा पेश किए जाने वाले सभी खुदरा ऋण आरएलएलआर से जुड़े हैं इसलिए इस कटौती से गृह, कार, शिक्षा, सोना और अन्य सभी खुदरा ऋण उत्पादों का लाभ उठाने वाले ग्राहकों को फायदा होगा। इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र के एक अन्य ऋणदाता इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने भी रेपो दर में कटौती के अनुरूप अपनी प्रमुख ऋण दर को 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वर्चुअल बातचीत इस हफ्ते होगी

मुंबई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका की नजर 90 दिनों में 90 व्यापार करार करने पर है। ऐसे में भारत और अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर वर्चुअल तरीके से क्षेत्र-विशिष्ट से संबंधित चर्चा शुरू करने के लिए तैयार हैं। इसका उद्देश्य मई के अंत तक उन क्षेत्रों को अंतिम रूप देना है जहां बातचीत सुगमता से पूरी हो सकती है। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत क्षेत्र विशेष को लेकर बातचीत इस सप्ताह वर्चुअल रूप से शुरू होगी। जो आगे आमने-सामने की औपचारिक वाता के लिए आधार तैयार करेगी।

9 जुलाई तक अंतरिम करार की संभावना

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि बातचीत में कुछ पहलुओं पर समय लगता है। हमारी टीमें वर्चुअल बातचीत में जुटी हुई हैं। उम्मीद है कि अगले 6 हफ्तों में हमें यह पता चल जाएगा कि किन क्षेत्रों पर चर्चा करने में ज्यादा वक्त लगेगा और कहां बातचीत तेजी से निपटाई जा सकती है।

उक्त अधिकारी ने कहा कि अगले कुछ हफ्ते में दोनों देशों में शुल्क और व्यापक आर्थिक नीतियों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए ऐसे लक्ष्यों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिसे सही मायने में प्राप्त किया जा सकता है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि भारत को पहले कदम उठाने का फायदा होगा क्योंकि दोनों देशों ने जवाबी शुल्क की घोषणा से पहले ही व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू कर दी थी।

अधिकारी ने कहा, द्विपक्षीय व्यापार करार का पहला चरण साल के अंत तक पूरा हो सकता है। हालांकि हम एक ऐसे व्यापक करार की संभावना तलाश कर रहे हैं जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हो। हम सौदे के अगले चरण पर चर्चा जारी रख सकते हैं। छह महीने में सब कुछ नहीं हो सकता।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस को अगर...

मुसलमानों सहित किसी का भला करने का कोई इरादा नहीं रहा। उन्होंने कहा, यही कांग्रेस की असली सच्चाई है।मोदी ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास देश में लाखों हेक्टेयर जमीन है जिसका इस्तेमाल गरीबों, बेसहारा महिलाओं और बच्चों के हित में किया जा सकता था। उन्होंने कहा, अगर इसका ईमानदारी से इस्तेमाल किया जाता तो मुस्लिम युवाओं को पंक्चर टायर ठीक करके अपनी जिंदगी नहीं गुजारनी पड़ती।मोदी ने कहा, इससे केवल मुट्ठी भर भू-माफियाओं को फायदा हुआ। पसमांदा मुसलमानों को कोई फायदा नहीं हुआ। ये भू-माफिया दलितों, वंचितों, आदिवासियों और विधवाओं की जमीन लूट रहे थे। सैकड़ों विधवा महिलाओं ने केंद्र को पत्र लिखा और फिर इस कानून पर बहस हुई।उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में संशोधन के बाद गरीबों की ऐसी लूट बंद हो जाएगी। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद आठ अप्रैल से लागू किया गया।उन्होंने कहा, हमने वक्फ कानून में एक और संशोधन किया है। इसके तहत, वक्फ बोर्ड अब देश में किसी भी आदिवासी की जमीन और संपत्ति को छू भी नहीं सकता है।मोदी ने हाल में कहा था कि नया वक्फ कानून सामाजिक न्याय की दिशा में उनकी सरकार द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि 2013 में बनाया गया पिछला कानून भू-माफिया और मुस्लिम कट्टरपंथियों को खुश करने का एक प्रयास था। उन्होंने कहा, हमने आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने और संविधान की भावना का पालन करने का एक बड़ा काम किया है।उन्होंने कहा कि नए प्रावधानों से वक्फ की नेक भावना का भी सम्मान होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, गरीब मुस्लिम, पसमांदा परिवार, मुस्लिम महिलाएं खासकर विधवाएं और बच्चे भी अपने अधिकार प्राप्त कर सकेंगे और भविष्य में भी उनके अधिकार सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि यही असली भावना और सामाजिक न्याय है।

गुजरात एटीएस...

नारकोटिक्स जब्त होने की कार्रवाई को साझा किया है।केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ट्वीट कर गुजरात एटीएस और कोस्टगार्ड की 300 किलो नारकोटिक्स जब्त करने की कार्रवाई को बहुत बड़ी सफलता बताते हुए लिखा है कि ड्रग्स मुक्त भारत बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों में यह कार्रवाई एक बहुत बड़ी सफलता है। गुजरात एटीएस और कोस्टगार्ड को इस कार्रवाई के लिए बधाई।

एनडीए से हमारा...

उन्होंने बिहार में 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की बात कही और महागठबंधन से दोस्ती के संकेत देते हुए कहा कि अगर उन्हें सही समय पर उचित सम्मान मिलता है, तो वे भविष्य की राजनीति पर विचार करेंगे।उन्होंने लालू प्रसाद यादव के परिवार और राष्ट्रीय जनता दल के साथ अपने अच्छे संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि वे सही समय का इंतजार कर रहे हैं, जब वे सर्वसम्मति से कोई निर्णय लेंगे। पारस के इस बयान से बिहार की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना जताई जा रही है। एनडीए से नाराजगी और महागठबंधन से दोस्ती के संकेत ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। अब देखना होगा कि आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस करवट बैठती है।

बंगाल में फिर...

आरोप लगाते हुए कहा है कि बीएसएफ के कुछ जवान ऐसे लोगों को बंगाल में प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं, जो हिंसा फैलाकर वापस लौट जा रहे हैं। यही बात बीजेपी नेता दिलीप घोष भी कह चुके हैं। टीएमसी ने सवाल उठाया है कि अगर दिलीप घोष को बीएसएफ की इस भूमिका की जानकारी है, तो गृह मंत्रालय और प्रधानमंत्री इससे कैसे अनजान हो सकते हैं? टीएमसी ने यह भी दावा किया है कि स्थानीय खुफिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ बीएसएफ जवान चप्पल पहनकर मार्च कर रहे हैं और राजनीतिक नारेबाजी कर रहे हैं। पार्टी ने सवाल उठाया कि क्या बीएसएफ चप्पल पहनकर मार्च करती है? यदि वे बीएसएफ के जवान हैं, तो यह बहुत गंभीर मामला है, और अगर नहीं हैं, तो यह एक बड़ी साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस पूरे मामले को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि सरकार बनाने के लिए देश की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।मुर्शिदाबाद में हिंसा के बाद कुछ परिवारों के पलायन पर प्रतिक्रिया देते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा, 'वे तो बंगाल से ही बंगाल में जा रहे हैं।.. सब कुछ ठीक है... जो हुआ, वह हुआ... हालांकि यह निंदनीय है और पुलिस इसकी जांच कर रही है कि इसके पीछे कौन है।'

पीएनबी घोटाले का...

पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है।बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी। सूत्रों के मुताबिक, मेहुल चोकसी बेल्जियम से स्विट्जरलैंड भागने की कोशिश कर रहा था।पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई 2018 और 15 जून 2021 के थे।

चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि उनका मुवक्किल जमानत के लिए अपील दायर करेगा। इस दौरान वह यह भी अपील करेगा कि उसे हिरासत में न रखा जाए और कैद से बाहर रहकर उसे खुद का बचाव करने और प्रत्यर्पण अपील का विरोध करने की अनुमति दी जाए।वकील ने कहा कि अपील में कहा जाएगा कि चोकसी के भागने का कोई जोखिम नहीं है। वह बहुत बीमार है और कैंसर का इलाज करा रहा है। यह भी कहा जाएगा कि चोकसी का मामला राजनीतिक मामला है और भारतीय जेलों की हालत बहुत खराब है।चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम का 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' हासिल किया था, जो कथित तौर पर उसकी बेल्जियन नागरिक पत्नी की मदद से प्राप्त किया गया था। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चोकसी ने बेल्जियम अधिकारियों को फर्जी दस्तावेज सौंपे थे। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता छिपाकर गलत जानकारी दी, ताकि उसे भारत न भेजा जा सके।2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी बार-बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार करता रहा। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती थी। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं।चोकसी का भतीजा नीरव मोदी भी इस घोटाले में आरोपी है और लंदन में प्रत्यर्पण कार्यवाही का सामना कर रहा है।चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। उइख की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची, लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया।हालांकि, डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। यहां उसने दलील दी थी कि वो एंटीगुआ जाकर वहां के एक न्यूरोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट कराना चाहता है। एंटीगुआ पहुंचने के कुछ दिन बाद डोमिनिका की अदालत ने चोकसी के खिलाफ दर्ज केस भी खारिज कर दिए।पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के व्हिसलब्लोअर हरिप्रसाद एसवी ने मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी पर कहा कि प्रत्यर्पण कोई आसाना काम नहीं है। उसका बटुआ भरा है। वह यूरोप के सबसे अच्छे वकीलों को हायर करेगा। जैसा कि विजय माल्या कर रहा है। इसलिए भारत के लिए उसे वापस लाना आसान नहीं है।हरिप्रसाद ने कहा कि चोकसी भले ही वह एंटीगुआ में पकड़ा गया था, लेकिन वह वहां से भागने में कामयाब रहा क्योंकि उसके पास वकीलों का एक बड़ा दल था। भारत सरकार के लिए यह इतना आसान नहीं होगा, हालांकि मुझे उम्मीद है कि इस बार सरकार सफल होगी।

सभी से चीनी...

खबरें हैं कि ये टेलीकॉम कंपनियां हर साल चीनी कंपनियों को मेंटेनेंस के लिए काफी पैसा देती हैं। अकेले हुआवेई लगभग 600 करोड़ रुपये सालाना कमाती है, जबकि जेडटीई उससे थोड़ा कम कमाती है। अभी की टेलीकॉम पॉलिसी के मुताबिक चीनी कंपनियों को सिर्फ मौजूदा उपकरणों की मरम्मत या उन्हें बदलने की इजाजत है। नए नियमों के तहत उन्हें नेटवर्क बढ़ाने या नया इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए कोई नया कॉन्ट्रैक्ट नहीं दिया जाएगा। उपकरणों की जानकारी लेने के अलावा डीओटी ने पहले टेलीकॉम कंपनियों को पुराने सिम कार्ड को धीरे-धीरे हटाने का निर्देश दिया था, जिन्हें 2 जी और 3 जी के समय चीन से आयात किया गया था। ये सिम कार्ड ज्यादातर चीनी कंपनियों से लिए गए थे। हालांकि, 4 जी और 5 जी आने के बाद स्थिति बदल गई है और अब भारत में ही सिम कार्ड बनने लगे हैं।

डाटा खंगालने ...

हैरानी की बात यह है कि जैसे ही दिल्ली सरकार ने शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिविल एवं सत्र न्यायालय, दिल्ली अग्निशमक विभाग, दिल्ली शहरी विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से आंकड़े मंगवाए तो उसने सभी को हैरान कर दिया। दरअसल मुफ्त राशन का लाभ लेने वाले परिवारों में कोई सरकारी शिक्षक है तो कोई सरकारी डाक्टर, लाइब्रेरियन, नर्स, लैब सहायक, कोर्ट में काम करने वाले विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी हैं। इनकी संख्या तकरीबन 5622 है।इनमें सर्वाधिक बाजी दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ाने वाले टीजीटी व पीजीटी शिक्षकों ने मारी है। जबकि खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएस एक्ट) में कहा गया है कि राशन कार्ड उन्हीं परिवारों का बन सकता है, जिनकी सालाना आय एक लाख रुपए या उससे कम हो। वहीं दिल्ली सरकार के सूत्रों के अनुसार, इन राशनकार्डों को रद्द करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।राशनकार्ड निरस्त करने के साथ ही ऐसे कर्मचारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी। इसे लेकर खाद्य विभाग भी 15 अप्रैल को बैठक करने जा रहा है। जिसमें सरकारी कर्मचारियों का डाटा संबंधित विभागों से प्राप्त कर हटाने की प्रक्रिया को नियमानुसार प्रारंभ किया जाएगा।

मंगलवार के दिन पूजा के समय करें ये उपाय मंगल दोष से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन हनुमान जी और मंगल देव की पूजा की जाती है। साथ ही मंगलवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही मंगल दोष का प्रभाव भी कम होता है।धार्मिक मत है कि मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करने से कुंडली में व्याप्त अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है। साथ ही न्याय के देवता शनिदेव और मंगल देव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है। ज्योतिष मंगल दोष दूर करने के लिए हनुमान जी की पूजा करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी मगंल दोष से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो मंगलवार के दिन भक्ति भाव से हनुमान जी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ये उपाय जरूर करें।

कैसे लगता है मंगल दोष?

ज्योतिषियों की मानें तो कुंडली में बारह भाव हैं। इनमें प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और द्वादश भाव में मंगल के रहने पर जातक मांगलिक कहलाता है। कई अवसर पर मंगल दोष का परिहार स्वत: हो जाता है। इसके लिए मंगल दोष का विश्लेषण बारीकी से करना चाहिए। वहीं, मंगल दोष से पीड़ित जातक के लिए निवारण अनिवार्य है। वहीं, मंगल दोष के प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमान जी की अवश्य पूजा करें।

उपाय

मंगलवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद हनुमान जी की पूजा करें। पूजा के समय हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ अवश्य करें। इस उपाय को करने से अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है।

अगर आप हनुमान जी को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मंगलवार के दिन पूजा के समय वीर बजरंगी को चुटकी भर सिंदूर अवश्य ही अर्पित करें। इस उपाय को करने से भी मंगल का प्रभाव समाप्त हो जाता है।

मंगलवार के दिन लाल रंग की चीजों का दान करने से भी मंगल दोष का प्रभाव कम हो जाता है। इसके लिए मंगलवार के दिन पूजा के बाद लाल रंग के वस्त्र का दान करें। इसके साथ ही अन्न और फल-सब्जी का भी दान कर सकते हैं।

कुंडली में व्याप्त अशुभ ग्रहों का प्रभाव खत्म करने के लिए मंगलवार के दिन हनुमान जी को मोतीचूर के लड्डू अर्पित करें।

मांगलिक जातक मंगलवार के दिन मंगलनाथ मंदिर में भात पूजन कर सकते हैं। भात पूजन से भी मंगल दोष दूर होता है।

श्री अंगारक स्तोत्रम्

अंगारकः शक्तिधरो लोहितांगो धरासुतः।
कुमारो मंगलो भौमो महाकायो धनप्रदः ।।
ऋणहर्ता दृष्टिकर्ता रोगकृत् रोगनाशनः।
विद्युत्प्रभो व्रणकरः कामदो धनहृत् कुजः ।।
सामगानप्रियो रक्तवस्त्रो रक्तायतेक्षणः।
लोहितो रक्तवर्णश्च सर्वकर्मावबोधकः ।।
रक्तमाल्यधरो हेमकुण्डली ग्रहनायकः।
नामान्येतानि भौमस्य यः पठेत् सततं नरः।।
ऋणं तस्य च दौर्भाग्यं दारिद्र्यं च विनश्यति।
धनं प्राप्नोति विपुलं स्त्रियं चैव मनोरमाम् ।।
वंशोद्योतकरं पुत्रं लभते नात्र संशयः ।
योऽर्चयेदह्नि भौमस्य मङ्गलं बहुपुष्पकैः।
सर्वं नश्यति पीडा च तस्य ग्रहकृता ध्रुवम् ।।

ऋषि मार्कंडेय ने शिकारी देवी मंदिर में की थी कई वर्षों तक तपस्या

खुले आसमान के नीचे है देवी की प्रतिमा

हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। इस राज्य में देवी-देवताओं को समर्पित कई मंदिर हैं, जिनको बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है और मंदिरों में दूर-दूर से भक्त देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना और दर्शनों के लिए आते हैं। हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा मंदिर है, जहां कई वर्षों तक ऋषि मार्कंडेय ने तपस्या की थी और इस मंदिर की छत नहीं है। इसे शिकारी देवी मंदिर के नाम से जाना जाता है। शिकारी देवी मंदिर से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में।

कहां है शिकारी देवी मंदिर?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में शिकारी देवी मंदिर है। यह मंदिर जंजैहली से लगभग 18 किलोमीटर दूर 3359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। शिकारी चोटी मंडी की सबसे ऊंची चोटी है, जिसकी वजह से इसे मंडी का मुकुट भी कहा जाता है। इस मंदिर के रास्ते में अधिक जंगल है। सर्दी के मौसम के दौरान मंदिर के इलाके में अधिक बर्फबारी देखने को मिलती है।

क्या है मंदिर की खासियत

इस मंदिर की छत नहीं है। मंदिर में प्रतिमा खुले आसमान के नीचे विराजमान है। यह मंदिर श्रद्धालुओं के बीच आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि मां शिकारी की प्रतिमा खुले आसमान के नीचे विराजमान हैं।

पांडवों ने की थी तपस्या

इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। ऐसा बताया जाता है कि अज्ञातवास के समय इस मंदिर में ऋषि मार्कंडेय ने कई वर्षों तक तपस्या की थी। इस मंदिर में मां शिकारी देवी की प्रतिमा विराजमान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में मां शिकारी देवी की पूजा और दर्शन करने से भक्त की सभी मुरादें पूरी होती है और शुभ फल की प्राप्ति होती है।

कैसे पहुंचे शिकारी देवी मंदिर

अगर आप शिकारी देवी मंदिर जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आप मंदिर में हवाई मार्ग, ट्रेन और सड़क मार्ग के द्वारा पहुंच सकते हैं।

इस मंदिर से लगभग 118 किलोमीटर की दूरी पर कुल्लू हवाई अड्डा है। यहां पर आप कैब के द्वारा मंदिर पहुंच सकते हैं।

जोगिंदर नगर में नैरो गेज लाइन है। यहां से मंदिर से 152 किलोमीटर दूर है। यहां से ट्रेन के बाद आप कैब की मदद से मंदिर सकते हैं।

इसके अलावा चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग भी नजदीक है।

अयोध्या नहीं बल्कि अंग देश की राजकुमारी बनी थीं राम जी की बड़ी बहन शांता, जानिए पौराणिक कथा

हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथों में से एक माना गया है। इस काव्य में मुख्य रूप से भगवान विष्णु के सातवें अवतार यानी प्रभु श्रीराम का वर्णन मिलता है। यह तो लगभग सभी को पता है कि राम जी सहित राजा दशरथ के 4 पुत्र श्रीराम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न थे। लेकिन आप में से कम ही लोग राम जी की बहन के बारे में जानते होंगे।

आज हम बात कर रहे हैं, भगवान राम की बहन शांता की। शांता राजा दशरथ और कौशल्या की पहली संतान थीं, जो चारों भाइयों में सबसे बड़ी थीं। कथा के अनुसार, एक बार कौशल्या की बड़ी बहन वर्षिणी और उनके पति अंग देश के राजा रोमपद, अयोध्या आए थे।

वर्षिणी के कोई संतान नहीं थी, जिस कारण वह काफी उदास रहती थी। यह देखकर कौशल्या ने शांता को उन्हें गोद दे दिया। वह दोनों शांता को अपनी पुत्री के रूप में पाकर प्रसन्न हुए और उसे लेकर अंग देश चले गए। आगे चलकर शांता अंग देश की राजकुमारी बनी।

कैसा था स्वभाव

शांता बचपन से ही बहुत बुद्धिमान और सुंदर थी। साथ ही उसमें त्याग और समर्पण, विनम्रता और माता-पिता का सम्मान करने जैसे कई गुण थे। विवाह होने के बाद शांता ने अपना पतिव्रता धर्म भी बड़ी ही निष्ठा के साथ निभाया। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि शांता धार्मिक और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है।

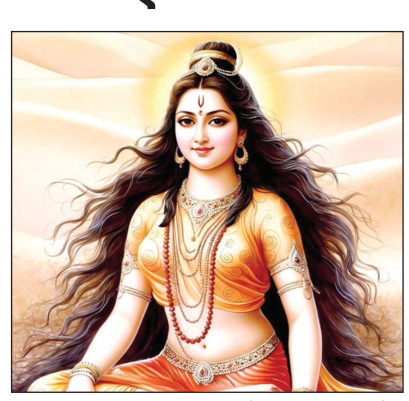

किससे हुआ था विवाह

शांता का विवाह ऋषि श्रृंग से हुआ था, जो विभांडक ऋषि के पुत्र थे। ऋषि श्रृंग ने ही राजा दशरथ के लिए पुत्रेशती यज्ञ भी करवाया था, जिसके फलस्वरूप राजा दशरथ को श्री राम समेत 4 पुत्रों की प्राप्ति हुई थी। कथा के अनुसार, एक बार राजा रोमपद के राज्य में सूखा पड़ने से हाहाकार मच गया। तब राजा रोमपद ने ऋषि श्रृंग से सहायता मांगी। ऋषि ने वर्षा हेतु एक यज्ञ का आयोजन किया, जिससे राजा को सूखे की समस्या से छुटकारा मिल गया। तब राजा ने प्रसन्न होकर ऋषि श्रृंग के साथ अपनी पुत्री शांता का विवाह कर दिया।

सिंह राशि के जातकों को कब मिलेगी शनि की ढैय्या से मुक्ति, ऐसे करें शनिदेव को प्रसन्न

ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव को मोक्ष प्रदाता कहा जाता है। शनिदेव की पूजा करने से साधक को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। साथ ही सभी प्रकार के संकटों से भी मुक्ति मिलती है। कहते हैं कि शनिदेव की पूजा करने से जीवन में आने वाली बलाएं भी टल जाती हैं। इसके लिए लोग हर शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा की जाती है।

वर्तमान समय में मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का पहला चरण चल रहा है। वहीं, मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण चल रहा है। जबकि, कुंभ राशि के जातकों पर अंतिम चरण चल रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिंह राशि के जातकों को कब शनि की ढैय्या से मुक्ति मिलेगी?

सिंह राशि

सिंह राशि के स्वामी आत्मा के कारक सूर्य देव हैं और आराध्य जगत के पालनहार भगवान विष्णु हैं। इस राशि का शुभ रंग सुनहरा है और शुभ अंक पांच है। सिंह राशि के जातकों पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा रहती है। उनकी कृपा से सात्विक गुणों का विकास होता है। वहीं, सूर्य देव की कृपा से सिंह राशि के जातकों को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। सिंह राशि के जातक रोजाना पूजा के समय सूर्य देव को जल अर्पित करें और विष्णु चालीसा का पाठ करें।

कब मिलेगी शनि की ढैय्या से मुक्ति?

न्याय के देवता शनिदेव 02 जून, 2027 तक मीन राशि में रहेंगे। इसके अगले दिन 03 जून को शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव 03 जून को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से सिंह राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही कुंभ राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी।

शनि देव को कैसे करें प्रसन्न?

शनिदेव के आराध्य भगवान कृष्ण हैं। भगवान कृष्ण की पूजा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसके साथ ही हनुमान जी की पूजा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसके लिए हर मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसके अलावा, सोमवार और शनिवार के दिन गंगाजल में काले तेल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इन उपायों को करने से न्याय के देवता प्रसन्न होते हैं।

26 मई को रखा जाएगा वट सावित्री व्रत

वट सावित्री का व्रत सुहागन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। यह व्रत पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए रखा जाता है। इस व्रत में कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए, वरना व्रत का फल नहीं मिलता है और बुरे परिणाम भी मिल सकते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल वट सावित्री का व्रत जेठ माह की अमावस्या तिथि यानी 26 मई, 2025 को रखा जाएगा, तो चलिए इस दिन से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं।

वट सावित्री व्रत में न करें ये गलतियां

वट सावित्री व्रत के दिन तामसिक भोजन जैसे मांस, मछली, प्याज, लहसुन आदि का सेवन नहीं करना चाहिए, इस दिन सात्विक भोजन ही करना चाहिए।

वट सावित्री व्रत के दिन काले या नीले रंग के कपड़े नहीं पहनने चाहिए।

इस दिन लाल या पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है।

वट सावित्री व्रत के दिन किसी के साथ बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए।

इस दिन सभी के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना चाहिए।

वट सावित्री व्रत के दिन वट वृक्ष की पूजा की जाती है।

इस दिन वट वृक्ष को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।

इस दिन झूठ नहीं बोलना चाहिए।

इस दिन किसी का अपमान नहीं करना चाहिए।

इस दिन किसी के साथ झगड़ा नहीं करना चाहिए।

वट सावित्री व्रत का महत्व

वट सावित्री का व्रत सुहागन महिलाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस व्रत को करने से पति की आयु लंबी होती है और वैवाहिक जीवन सुखमय होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस व्रत के ही प्रभाव से सावित्री अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस ले आई थीं। इसलिए, इस व्रत को बहुत ही फलदायी माना गया है।

वट सावित्री व्रत पूजा विधि

वट सावित्री व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। इसके बाद वट वृक्ष की पूजा करें। वट वृक्ष को जल, फूल, अक्षत और मिठाई अर्पित करें। वट वृक्ष के चारों ओर सात बार परिक्रमा करें और सावित्री की कथा सुनें। इसके बाद अपने पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना करें।

वट सावित्री व्रत के नियम

वट सावित्री व्रत के दिन निर्जला व्रत रखना चाहिए।

इस दिन केवल फल और दूध का ही सेवन करना चाहिए।

इस दिन किसी भी तरह का अन्न नहीं खाना चाहिए।

वैशाख महीने में दान करने से मिलती है लक्ष्मी-नारायण की कृपा

वैशाख मास को सभी महीनों में श्रेष्ठ माना गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, सनातन धर्म में 12 महीने हैं लेकिन भगवान विष्णु को सबसे प्रिय वैशाख का महीना है। इस महीने के बारे में राजा अम्बरीष ने जब नारद जी से पूछा था तो उन्होंने बताया था कि यह जैसे नदियों में गंगा, वृक्षों में कल्पतरु और पक्षियों में गरुड श्रेष्ठ है, उसी तरह माहों में वैशाख श्रेष्ठ है। इस महीने स्नान, दान और ध्यान का विशेष महत्व है। नारद जी ने तो यहां तक बताया है कि वैशाख महीने में जूते का दान करने वाले शख्स को जीते जी सांसारिक दुख नहीं सताते हैं और मृत्यु के बाद उसे नरक नहीं भोगना पड़ता है। ऐसे में विस्तारपूर्वक जानिए वैशाख महीने में किन चीजों का दान करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त की जा सकती है और इस महीने स्नान का क्या महत्व है।

सभी महीनों में श्रेष्ठ है वैशाख मास

स्कंद पुराण में वैशाख मास के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके बारे में नारद जी राजा अम्बरीष को बताते हैं कि सभी महीनों में वैशाख मास वैसे ही श्रेष्ठ है, जिस तरह सभी विद्याओं में वेदविद्या और मंत्रों में प्रणव। वृक्षों में कल्पतरु, गायों में कामधेनु, सब नागों में शेषनाग, पक्षियों में गरुड़। देवताओं में विष्णु, वर्णों में ब्राह्मण, प्रिय वस्तुओं में प्राण, सहृदया में भार्या (पत्नी)। नदियों में गंगा, तेजयुक्त पदार्थों में सूर्य, अस्त्रों में सुदर्शन चक्र, धातुओं में स्वर्ण।

वैशाख में स्नान करने का महत्व

नारद जी बताते हैं कि जो मनुष्य मेष संक्राति में सूर्योदय से पहले वैशाख महीने में रोज स्नान करता है, उससे माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु अधिक प्रीति करते हैं। वैशाख स्नान करने से भगवान विष्णु अत्यंत प्रसन्न होते हैं। मेष संक्राति में जो मनुष्य सुबह स्नान करके नित्यकर्म करता है, वह सभी पापों से मुक्त होकर विष्णु लोक में स्थान पाता है। इस महीने में स्नान करने वाला मनुष्य महापापों से विमुक्त होकर विष्णु की सायुज्य मुक्ति पाता है। यही नहीं उसे 10 हजार अश्वमेध यज्ञ का फल भी मिलता है।

वैशाख में स्नान नहीं करने से मिलता है शाप

नारदजी बताते हैं कि जो मनुष्य वैशाख महीने में स्नान नहीं करता है तो तीर्थों के अधिष्ठाता सभी देवता सूर्योदय से लेकर छः घड़ी तक जल के बाहर आते हैं और उस व्यक्ति को दारुण श्राप देकर अपने-अपने स्थानों पर चले जाते हैं। इसलिए इस महीने स्नान करना बेहद जरूरी है। इसलिए नारदजी, राजा अम्बरीष से कहते हैं कि जिस तरह सतयुग के समान दूसरा युग नहीं है और गंगा के समान दूसरा तीर्थ नहीं है, इसी तरह वैशाख मास के समान दूसरा कोई महीना नहीं है। वैशाख मास सबसे उत्कृष्ट है।

वैशाख मास में क्या दान करें

नारदजी बताते हैं कि वैशाख महीने में मनुष्य उन सभी पुण्यों को केवल जलदान से पा सकता है, जिन्हें पाने के लिए अन्य माह में उसे सभी तीर्थ करने होते हैं और सब प्रकार के दान करने होते हैं। वैशाख में जो जलदान और पंखे का दान नहीं करता है उसे नरक के समान यातना भोगकर संसार में पाप का भागीदार बनना पड़ता है। इसी तरह जो इस महीने छाते का दान नहीं करता है उसे छाया हीन होना पड़ता है। यही नहीं वह क्रूर, पिशाच होकर रहता है।

वैशाख में किन चीजों का दान उत्तम

राजा अम्बरीष को नारी बताते हैं कि वैशाख में खड़ाऊं का दान करने वाले को विष्णुलोक में स्थान मिलता है। इसी तरह वैशाख महीने में अगर कोई ब्राह्मण खड़ाऊं मांगता है तो उसे इसका दान करने वाला व्यक्ति हर जन्म में राजा जैसा सुख भोगता है। आज के दौर में खड़ाऊं की जगह चप्पल का दान किया जा सकता है। इस महीने मार्ग में लोगों की थकान दूर करने के लिए जो मंडप (शेल्टर) बनवाता है, उसे इतना पुण्य मिलता है कि उसका वर्णन ब्रह्मा भी नहीं कर सकते हैं। इसी तरह वैशाख में भूखे को भोजन कराने, अन्न, पलंग, तकिया, चटाई आदि के दान का खास महत्व है।

फिल्म नागजिला में दोहरी भूमिका में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन

मृगदीप सिंह लांबा का निर्देशन

कार्तिक आर्यन हिंदी सिनेमा के सबसे मशहूर युवा अभिनेताओं में से एक हैं और उनके पास ऐसी कई फ़िल्में हैं, जिनसे बॉक्स ऑफ़िस पर धमाल मचाने की उम्मीद है। जहाँ वे अनुराग बसु के निर्देशन में अगली फ़िल्म में नज़र आने वाले हैं, वहीं वे तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी और नागज़िला में भी नज़र आएंगे, दोनों फ़िल्में करण जौहर द्वारा निर्मित हैं। युवा नायक को निर्माताओं द्वारा 50 करोड़ रुपये की पेशकश की जा रही है, जो उनकी स्थिति को मज़बूत करने का एक संकेत है।

बॉलीवुड हंगामा ने पुष्टि की है कि नागजिला में कार्तिक आर्यन दोहरी भूमिका में होंगे। बॉलीवुड हंगामा को एक सूत्र ने बताया, नागजिला मानव बनाम साँप संघर्ष पर एक प्रफुल्लित करने वाला रूप है, और सबसे बड़ा ट्विस्ट कार्तिक आर्यन की दोहरी भूमिका की यूएसपी से उपजा है। जवान में शाहरुख की तरह, कार्तिक के दो किरदार नायक और खलनायक होने के कगार पर होंगे, लेकिन एक हास्यपूर्ण मोड़ के साथ।

नागजिला सभी फुकरे फिल्मों से भी ज्यादा मजेदार है, और निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा बतौर निर्देशक अपने करियर की सबसे महत्वाकांक्षी और रोमांचक यात्रा पर निकलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म को मृगदीप सिंह लांबा निर्माता महावीर जैन के साथ मिलकर विकसित कर रहे हैं, जिन्होंने इसे शानदार बनाने के लिए करण जौहर के साथ साझेदारी की। तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग पूरी होने के बाद टीम सितंबर से शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नागज़िला की शूटिंग सितंबर में शुरू होगी और इसे 2026 की दूसरी छमाही में रिलीज़ किया जाएगा।

अनिल कपूर की तरह ट्रेनिंग करें

मंडे फिटनेस मंत्र जो आपको बनाए रखे हमेशा फिट

जब बात उम्र के साथ ग्रेसफुल और एनर्जेटिक बने रहने की होती है, तो अनिल कपूर जैसा कोई नहीं। वो सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल ज़िंदगी में भी फिटनेस गोल्स सेट कर रहे हैं। उनकी दमकती त्वचा, गज़ब की ऊर्जा और युवा सा आकर्षण देख हर कोई पूछता है उनका राज़ क्या है?

✻ माइंड ओवर मैटरः अनिल कपूर के लिए फिटनेस शारीरिक से ज़्यादा मानसिक है, जैसा कि वो कहते हैं, ज़िंदगी कई बार हमें ऐसी दिशा में ले जाती है, जहाँ कुछ ऐसा चाहिए जो हमें ज़मीन से जोड़े रखे, कुछ ऐसा जो हमें बार-बार लौटने को मजबूर करे। उनका सकारात्मक दृष्टिकोण, लचीलापन और खुद को बेहतर बनाने की इच्छा उन्हें सबसे अलग बनाती है। और यह कुछ ऐसा है जिसे आप झुठला नहीं सकते।

✻ दिन की शुरुआत पसीने बहा कर करेंः मीठे खाने और देर रात तक जागने के बीच, कपूर कभी भी अपनी मॉर्निंग वर्कआउट कभी नहीं छोड़ते। चाहे वह जॉगिंग हो, HIIT सर्किट हो, या फिर एक तगड़ी होम सेशन – उनका सीधा मंत्र हैः मेहनत करो ताकि दिवाली भी जमकर मना सको!

✻ योग से होती है पॉजिटिव शुरुआतः अनिल कपूर का दिन सुबह जल्दी शुरू होता है। और उनका मानना हैः स्वस्थ मन और शरीर के लिए रोज़ाना किसी न किसी प्रकार का योग ज़रूरी है। योग से लेकर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक, उनकी सुबह ऐसे वर्कआउट के लिए आरक्षित होती है जो शरीर को ताकत देते हैं और दिमाग को तरोताजा करते हैं।

✻ रेस्ट और रिकवरी की ताकतः जहाँ दुनिया हर वक्त हसल करने की बात करती है, वहीं अनिल कपूर वर्कआउट जितना ही महत्व रेस्ट को भी देते हैं। वो लिखते हैंः आउटडोर शूटिंग शेड्यूल के दौरान ब्रेक का मज़ा ले रहा हूँ! स्ट्रेचिंग, मसाज, नेचर में साइकिल चलाना और कभी-कभी आराम करना भी उनके शरीर और दिमाग को तरोताजा रखने में अहम भूमिका निभाता है।

✻ जिम के बाहर भी रहें एक्टिवः अनिल कपूर मानते हैं कि मूवमेंट ही मेडिसिन है और फिट रहने के लिए हमेशा जिम की ज़रूरत नहीं होती। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद, वो आउटडोर खेलों और एक्टिव लाइफस्टाइल को अपनाकर खुद को फिट रखते हैं। अनिल कपूर दिखाते हैं कि एनर्जी और मोटिवेशन का असली राज़ सही माइंडसेट में छुपा है।

तो अगर आप भी अपने हफ्ते की शुरुआत ऊर्जा और फोकस के साथ करना चाहते हैं, तो यह है आपका मंत्रः इरादे के साथ आगे बढ़ो, पोषण के लिए खाओ, रिचार्ज के लिए आराम करो, और दिल से मुस्कराओ। क्योंकि अगर अनिल कपूर गति बनाए रख सकते हैं, तो आप भी ऐसा कर सकते हैं।

इन 8 सुपरहिट फिल्मों से दूर रहे बॉबी देओल, शाहरुख-सलमान की ब्लॉकबस्टर भी ठुकराई

बॉबी देओल इन दिनों फिर से चर्चा में हैं, खासकर अपनी दमदार परफॉर्मेंस और अलग अंदाज के कारण। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड में उनकी राह हमेशा आसान नहीं रही? एक समय ऐसा भी था जब उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को करने से मना कर दिया था उनमें से कुछ फिल्में ऐसी थी जो बाद में सुपरहिट साबित हुईं और कुछ में शाहरुख और सलमान जैसे सुपरस्टार्स नजर भी आए। तो आइए, जानते हैं किन-किन बड़ी फिल्मों को बॉबी देओल ने ठुकराया और कैसे वो मौके किसी और की किस्मत बदल गए।

इम्तियाज अली की रोमांटिक फिल्म जब वी मेट आज भी लोगों की फेवरेट लव स्टोरी में से एक मानी जाती है। शाहिद कपूर और करीना कपूर की जोड़ी ने इस फिल्म में कमाल कर दिया था। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए सबसे पहले शाहिद नहीं, बल्कि बॉबी देओल को अप्रोच किया गया था। लेकिन किसी वजह से बॉबी ने ये रोल करने से मना कर दिया और फिर ये मौका शाहिद को मिला, जिसने इसे अपने अंदाज में निभाकर फिल्म को हिट बना दिया।

करण अर्जुन

करण अर्जुन में शाहरुख, सलमान और काजोल की तिकड़ी ने धमाल मचाया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शुरुआत में मेकर्स की पहली पसंद सनी देओल और बॉबी देओल थे? उस वक्त बरसात रिलीज नहीं हुई थी, और बॉबी को ये फिल्म अपने करियर के लिए रिस्की लगी, इसलिए उन्होंने मना कर दिया।

ये जवानी है दीवानी

ये जवानी है दीवानी आज की जनरेशन की फेवरेट फिल्मों में से एक है, जिसमें रणबीर, दीपिका, आदित्य और कुणाल ने शानदार काम किया था। मगर क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म में कुणाल रॉय कपूर वाला रोल पहले बॉबी देओल को ऑफर हुआ था? लेकिन उस वक्त वो यमला पगला दीवाना 2 में बिजी थे, इसलिए उन्होंने ये फिल्म छोड़ दी।

एक विवाह ऐसा

एक विवाह ऐसा भी में सोनू सूद और ईशा कोप्पिकर की जोड़ी को काफी सराहा गया था। लेकिन इस फिल्म के लिए सबसे पहले बॉबी देओल को अप्रोच किया गया था। हालांकि, किसी वजह से बॉबी ने इस फिल्म को करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई और उन्होंने ये ऑफर ठुकरा दिया।

युवा

डायरेक्टर मणिरत्नम की फिल्म युवा के लिए उन्होंने बॉबी देओल को कास्ट करने का प्लान बनाया था। दरअसल, एक रोल तो खास तौर पर बॉबी को ध्यान में रखकर ही लिखा गया था। लेकिन उस समय बॉबी तीन हीरो वाली फिल्म करने में कंफर्टेबल नहीं थे, इसलिए उन्होंने फिल्म का हिस्सा बनने से मना कर दिया।

36 चाइना टाउन

36 चाइना टाउन एक मस्ती और मिस्ट्री से भरी मल्टीस्टारर फिल्म थी, जिसमें कई बड़े चेहरे नजर आए थे। इस फिल्म के लिए बॉबी देओल को भी अप्रोच किया गया था। लेकिन किसी वजह से उन्होंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया और ये मौका किसी और को मिल गया।

हाईवे

इम्तियाज अली की फिल्म हाईवे में रणदीप हुड्डा ने शानदार एक्टिंग की थी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये रोल पहले बॉबी देओल को ऑफर हुआ था? बॉबी ने किसी वजह से इस फिल्म को करने से मना कर दिया, और फिर ये मौका रणदीप को मिला, जिसने किरदार को अपने अंदाज में यादगार बना दिया।

मिशन इस्तांबुल

बॉबी देओल को मिशन इस्तांबुल जैसी एक और मल्टीस्टारर एक्शन फिल्म का ऑफर मिला था। मेकर्स उन्हें फिल्म में देखना चाहते थे, लेकिन बॉबी ने इस प्रोजेक्ट को करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई और उन्होंने इसे करने से मना कर दिया।

सोनू कक्कड़ ने तोड़ा नेहा और टोनी के साथ रिश्ता!

कक्कड़ भाई-बहनों के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। तीनों में सबसे बड़ी सोनू कक्कड़ ने घोषणा की है कि वह अब गायिका नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ की बहन नहीं हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने एक चौंकाने वाला बयान साझा किया। उन्होंने लिखा, आप सभी को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं अब दो प्रतिभाशाली सुपरस्टार्स टोनी कक्कड़ और नेहा कक्कड़ की बहन नहीं हूं। मेरा यह फैसला गहरी भावनात्मक पीड़ा से उपजा है और मैं आज वाकई बहुत निराश हूं। सोनू कक्कड़ का यह पोस्ट जैसे ही अपलोड हुआ, यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में सवालों की बाढ़ ला दी।एक यूजर ने लिखा, क्या कारण हैं? ऐसा क्यों हो रहा है? एक अन्य ने लिखा, ओह, उम्मीद है कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। तीसरी ने लिखा, आपको शुभकामनाएं। (थोड़ा हैरान)। वहीं, एक अन्य ने लिखा, क्या?अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि सोनू ने अपने भाई-बहनों से अलग होने का इतना बड़ा फैसला क्यों लिया। सोनू को 'इंडियन आइडल 12' और 'सा रे गा मा पा पंजाबी' जैसे सिंगिंग रियलिटी शो को जज करने का श्रेय दिया जाता है। इसके बाद वह 'कोक स्टूडियो इंडिया' में भी नजर आईं।

इतना ही नहीं, सोनू अपने भाई-बहन नेहा और टोनी कक्कड़ के साथ पेशेवर रूप से भी जुड़ी हुई थीं। गायिका ने भाई टोनी द्वारा गाए गए कई गानों को अपनी आवाज दी, जिनमें अखियां नू रहन दे, अर्बन मुंडा, फिर तेरी बाहों में, ऊह ला ला, फंकी मोहब्बत और 'बूटी शेक शामिल हैं।(इनमें से कुछ गानों को नेहा ने सोनू के साथ मिलकर गाया है।

छोटी-छोटी चीजें मायने रखती हैं, इन्हीं में खुशियां तलाश लेती हैं कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा खुद को यर्थाथवादी मानती हैं। एक्ट्रेस के अनुसार वो छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढ लेती हैं। कृतिका की जिंदगी पर कोई फिल्म बने, तो उसका शीर्षक क्या होगा? इस सवाल पर उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, थोड़ा है, थोड़े की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी की कहानी है। मैं यथार्थवादी हूं और मेरे लिए खुशी छोटी-छोटी चीजों में है। मेरे पास जो कुछ भी है, मैं उसके लिए आभारी हूं।

उन्होंने आगे कहा, जीवन एक यात्रा है और अब तक की मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है।

कृतिका को शो 'कितनी मोहब्बत है' में आरोही शर्मा का किरदार निभाकर सुर्खियां मिलीं। इसके बाद उन्हें 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोर्ट्स' और 'प्रेम या पहेली – चंद्रकांता' जैसे शो में देखा गया।

इसके अलावा, अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7' में भी भाग लिया है और 'तांडव' और 'बंबई मेरी जान' जैसी श्रृंखलाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई 'मित्रों' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। उनके पास एक और प्रोजेक्ट है। वह प्रतीक गांधी के साथ 'फॉर योर आईज ओनली' में भी हैं।

इस बारे में बात करते हुए कि उन्हें कौन सा किरदार निभाना मुश्किल लगता है- खुद से बिल्कुल अलग किरदार या फिर खुद से मिलता-जुलता किरदार। इस पर कृतिका ने आईएएनएस को बताया, एक आदर्श किरदार वह होता है जिसमें ऐसे गुण और भावनाएं हों जिससे आप कनेक्ट कर सकें, लेकिन उस किरदार का जीवन आपसे (एक्टर) बिल्कुल अलग हो। मैं ऐसे किरदारों की तलाश करती हूं जो मुझे ऐसी परिस्थितियों की कल्पना करने के लिए मजबूर करें जिनमें मैं कभी नहीं रही।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसी चीजें जो मैंने कभी नहीं की या महसूस नहीं कीं। लेकिन उस स्थिति में होना तभी संभव है जब आपकी उस चरित्र से कुछ समानता हो और सभी अच्छे से लिखे गए पात्रों में यह होता है। बस आपको उसका इतिहास, उससे जुड़ी भावना या उस किरदार के सिद्धांत पर काम करना होता है। बाकी आप अभिनव यात्रा में अनुभव के साथ सीख लेते हैं।

अभिनेत्री को हाल ही में ग्यारह ग्यारह सीरीज में देखा गया था, जो कोरियाई नाटक सिग्नल का रूपांतरण है। उनका अगला प्रोजेक्ट मटका किंग है, जिसके निर्माता राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नागराज मंजुले हैं।

'मटका किंग' मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दर्शाता है। इस सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

गलतफहमी और लगातार असहमति पारिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान–पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच–समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है.
सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार–व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी .

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख–शांति बनी रहेगी.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन–जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी.
ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई–बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह–शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा–प्रतियोगिता में सफलता,षड्यंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 15 अप्रैल 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 10:58 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 03:10 तक
योग : सिद्धि प्रातः 11:31 तक
करण : गर प्रातः 10:58 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 08:27 तक
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 12:08 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार : भजनलाल

जयपुर,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। बाबा साहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने चार जातियों युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं और प्रदेश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेद–भाव रहित समाज का मार्ग

दिखाया है। शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तीकरण तथा श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दुनिया उनके सामाजिक दर्शन और कानूनी ज्ञान का लोहा मानती है और उन्हें सिंबल ऑफ नॉलेज भी कहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों में आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे। इसके लिए 250 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवपीढ़ी को डॉ. साहब के योगदान से परिचित कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों जन्म भूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर), महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली), चैत्य भूमि (मुंबई) और शिक्षा भूमि (लंदन) को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। साथ ही, उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। शर्मा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनकी इसी भावना को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री की पहल पर संविधान संशोधन किया गया और लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर जब जीवित थे, तब उन्हें कोई सम्मान नहीं दिया गया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सवा साल के कार्यकाल में कुल सवा सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा है। प्रदेश में आज 91 लाख से ज्यादा लोग पेंशन पा रहे हैं। साथ ही, हमने पेंशन राशि 1,000 से बढ़ाकर अब 1,250 रुपए प्रतिमाह की है। बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत हर महीने 2 हजार 500 रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। वहीं सरकार विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना के माध्यम से 60 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।शर्मा ने दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की।

सीएम शर्मा ने किया परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण

जयपुर,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु है।

राजस्थान में अदालतों का समय बदला: अब सुबह 8 बजे से दोपहर तक होगी सुनवाई

जयपुर,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में गर्मियों के मौसम को देखते हुए अदालतों का समय बदल दिया गया है। 15 अप्रैल से प्रदेश की सभी अदालतें मॉर्निंग शिफ्ट में काम करेंगी। यह नई व्यवस्था राजस्थान हाईकोर्ट से लेकर सभी अधीनस्थ अदालतों में लागू होगी। नए शेड्यूल के अनुसार, हाईकोर्ट में सुनवाई का समय अब सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा, जबकि अधीनस्थ अदालतों में यह समय सुबह 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। अदालतें 27 जून तक इसी शेड्यूल पर काम करेंगी। इसके बाद 1 जुलाई से फिर पुराने समयानुसार कार्यवाही शुरू होगी।

कोर्ट से जुड़े रजिस्ट्री और अन्य कार्यालयों का समय भी बदल गया है। अब ये दफ्तर सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक खुलेंगे। वहीं, अधीनस्थ अदालतों के न्यायाधीश सुबह 7:30 से 8 बजे तक और दोपहर 12:30 से 1 बजे तक अपने चैम्बर में कार्य करेंगे।गौरतलब है कि राजस्थान में यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है, जब गर्मी के मौसम में अदालतें सुबह के समय संचालित की जाती हैं, जिससे न्यायिक कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके और गर्मी से राहत मिल सके।

कोरोनाकाल से बंद नेहरू गार्डन जल्द खुलेगा

उदयपुर,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

उदयपुरवासियों और पर्यटकों के लिए एक ख़ुशख़बरी! फतहसागर झील के मध्य स्थित ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक नेहरू गार्डन अब एक बार फिर खुलने को तैयार है। ज़िला कलेक्टर नमित मेहता ने सोमवार को गार्डन का दौरा किया और वहां चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसे जल्द से जल्द आमजन और पर्यटकों के लिए खोला जाए। यूडीए आयुक्त राहुल जैन के मुताबिक, नेहरू गार्डन में चल रहे कार्य अब अंतिम चरण में हैं। फव्वारे, हरियाली से सजे पार्क, और झील के किनारे तैरता फ्लोटिंग रेस्त्रां – यह सब पर्यटकों के लिए एक नया अनुभव तैयार करने जा रहे हैं। कलेक्टर मेहता ने इस दौरान कहा कि गार्डन के लिए साफ–सफाई और उचित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि झील में कचरा न फैलने पाए और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया दलित, पिछड़ा वर्ग और संविधान विरोधी होने का आरोप

जयपुर,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. मथुरादास माथुर की पुण्यतिथि के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा गांधी भवन में कांग्रेसजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई कांग्रेस विधायक और पदाधिकारी शामिल हुए।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देते हुए भाजपा पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज देश में संविधान पर सवाल उठाए जा रहे हैं, क्योंकि सत्ता में ऐसे लोग बैठे हैं जिनकी विचारधारा संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों के चुनाव समय पर नहीं करा रही है, जो संविधान का उल्लंघन है। डोटासरा ने भाजपा नेताओं द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं के साथ किए जा रहे भेदभाव का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एक दलित नेता के मंदिर में जाने पर भाजपा नेता द्वारा मंदिर को गंगाजल से धोना संविधान के समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

3.8 फीट का लड़का, 3.6 की लड़की... दोनों ने रचाई ऐसी शादी

अंबाला,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

कहते हैं दुनिया गोल है और असंभव चीज भी यहां संभव हो जाती है, लेकिन इन दिनों अंबाला में स्मॉललेस्ट हाइट कपल खूब चर्चाओं में है। दरअसल, अंबाला छावनी के मतिदास नगर का नितिन इन दिनों खूब चर्चा का विषय बना हुआ है, नितिन के माता–पिता की हाइट तो नॉर्मल है, लेकिन बावजूद उसके नितिन 3।8 फुट का है। शुरुआत से ही नितिन और उसका परिवार उनके भविष्य और शादी की चिंता करता था, लेकिन ऊपर वाले ने कुछ और ही उनकी किस्मत में लिखा, जहां आरुषि का बाजार में घूमना उनके लिए वरदान बन गया।

पंजाब के रोपड़ की रहने वाली आरुषि से नितिन के परिजनों की मुलाकात बाजार में हुई थी, देखते ही देखते वो मुलाकात 1 हफ्ते में शादी में तब्दील हो गई, जिसके बाद परिवार में खुशी का माहौल है और मुंह मीठा करवा कर जश्न मना रहे हैं। साथ में यह जोड़ी भी अपनी शादी से काफी ज्यादा खुश है। वहीं लोकल 18 को ज्यादा जानकारी देते हुए नितिन ने बताया कि उनकी आयु तो 25 वर्ष की ह, लेकिन उनकी लंबाई 3।8 इंच है, जिसके कारण उन्हें लोगों के कई बार ताने सुनने पड़ते थे। उन्होंने बताया कि वह बाहर जब भी जाया करते थे, तो लोग उनका मजाक बनाया करते थे, लेकिन अब उनकी शादी हो गई है, जिससे वह काफी खुश हैं।

उनकी धर्मपत्नी आरुषि ने बताया कि वह पंजाब के रोपड़ जिले की रहने वाली हैं और उनकी लंबाई 3।6 इंच है। लोग उन्हें ताना दिया करते थे कि शादी कैसे होगी। ऐसे में एक दिन दूल्हे का जीजा बाजार में किसी काम से आए थे, तब उनकी मुलाकात हुई थी। इस्लाम उनके जीजा ने मेरी माता जी का नंबर लिया और यह मुलाकात एक हफ्ते के अंदर शादी में तब्दील हो गई। उन्होंने बताया कि वह और लोगों से यह कहना चाहती है कि परिस्थितियों जैसे मर्जी हो लेकिन हमें ईश्वर पर विश्वास रखना चाहिए।

हिसार से कहां–कहां के लिए उड़ेगी फ्लाइट?

हिसार,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार (14 अप्रैल) को हिसार से अयोध्या के लिए कमर्शियल उड़ान को हरी झंडी दिखाई और एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन के लिए आधारशिला रखी। हवाई यात्रा को सुरक्षित, किफायती और सभी के लिए सुलभ बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन के लिए आधारशिला रखी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, ''विकसित हरियाणा के संकल्प की उड़ान, हरि की धरा से अयोध्या धाम। जय श्री राम। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हरी झंडी दिखाकर हरियाणा के पहले हवाई अड्डे (महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा, हिसार) से उड़ान का शुभारंभ और नए

अयोध्या के लिए दिखाई गई हरी झंडी

टर्मिनल भवन का शिलान्यास किया।

उन्होंने आगे लिखा, ''हरियाणा के मेरे 2।80 करोड़ परिवारजनों की ओर से प्रधानमंत्री जी का आभार और सभी हरियाणवियों को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि यह कदम 'विकसित भारत–विकसित हरियाणा' के संकल्प की सिद्धि में मील का पत्थर साबित होगा।''

हिसार के उन्मुक्त आसमान में विकास की उड़ान–सावित्री जिंदल

वहीं, हिसार से विधायक और पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल ने एक्स पर लिखा, ''हिसार के उन्मुक्त आसमान में विकास की उड़ान। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कर–कमलों से महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे का भव्य शुभ आरंभ हुआ। यह सिर्फ एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि हिसार के सपनों और संभावनाओं का प्रवेशद्वार है। सावित्री जिंदल ने आगे लिखा, ''जनसामान्य के लिए सुलभ हवाई यात्रा, व्यापार के नए अवसर और युवाओं के लिए सुनहरा भविष्य–यह हिसार के विकास की नई उड़ान है। माननीय प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी जी का हार्दिक स्वागत एवं आभार, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल को साकार किया।''

महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का निर्माण अनुमानित 410 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। इसमें एक अत्याधुनिक यात्री टर्मिनल, एक कार्गो टर्मिनल और एक एटीसी भवन शामिल होगा। इस परियोजना को दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सैनी के बयान से बिहार में मची सियासी खलबली, बोले- सम्राट चौधरी के नेतृत्व में...

पटना/चंडीगढ़,14 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी का सम्राट चौधरी पर दिया बयान, बिहार चुनाव में एनडीए के लिए फायर का काम करेगा या मिस फायर हो जाएगा? सैनी ने बयान दिया था कि बिहार चुनाव में एनडीए का नेतृत्व सम्राट चौधरी करेंगे और उनके नेतृत्व में जीत भी हासिल करेंगे। सैनी के इस बयान के बाद बिहार का राजनीतिक तापमान में अचानक से गर्माहट आ गई है। जेडीयू और बीजेपी के कई नेताओं ने इस बयान पर सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। लेकिन सैनी का यह बयान नीतीश कुमार के पुराने ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए फायर न कर जाए, इस बात की चिंता अब एनडीए नेताओं को सताने लगी है। सैनी के बयान के बाद दोनों तरफ से डैमेज कंट्रोल की कोशिश जारी है, लेकिन पीएम मोदी के 'दुलरुआ' की पलटीमार पॉलिटिक्स की सुगबुगाहट एक बार फिर से शुरू हो जाए तो हैरानी की बात नहीं होगी।

नायब सिंह सैनी ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, उपेंद्र कुशवाहा और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री छगन भुजबल की मौजूदगी में कहा, हरियाणा के बाद अब बिहार की बारी है। ये विजय पताका रुकनी नहीं चाहिए। ये विजय का झंडा बिहार में फहराया जाएगा। हमारे सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में झंडा फहराया जाएगा। खास बात यह है कि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इस बयान पर किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, वह चाहते तो बाद के अपने संबोधन में सैनी के बयान का मायने समझा सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

नायब सिंह सैनी के बयान के बाद जेडीयू नेताओं के फोन बजने लगे हैं। जेडीयू के छोटे से लेकर बड़े नेता बीजेपी की 'सम्राट प्लान' की चर्चा करने लगे। खास बात यह है कि इस तरह के बयान पर जोरदार हमला बोलने वाले एमएलसी

और जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने भी सधा बयान दिया। नीरज कुमार बीजेपी आलाकमान को कड़ी प्रतिक्रिया देने से बचने की सलाह भी सधे हुए अंदाज में दे दिया। नीरज कुमार ने कहा, 'बिहार में नीतीश हैं तो निश्चित है। अमित शाह भी बोल चुके हैं कि अगला चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा तो फिर कौन क्या बोल रहा है उसके मायने नहीं रह जाते। दूसरी बात कहां से आती है?

सैनी के बयान के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर तंज कसा। पत्रकारों के सवाल पर तेजस्वी ने कहा, 'बीजेपी में कौन नहीं सीएम बनेगा ये तो बता दो? काहेल आपलोग झगड़ा लगवा रहे हैं। दो दिन के बाद कोई दूसरा नाम आ जाएगा। ये लोग आपस में नूरा–कुश्ती करते रहेंगे। इस बार बिहार की जनता खाटारा गाड़ी नहीं नई गाड़ी पर सवारी करने जा रही है। महागठबंधन राष्ट्रीय जनता दल की सरकार बनने जा रही है। इस तरह के बयानों का कोई मतलब नहीं रह गया है।' ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जेडीयू का '2025 फिर से नीतीश' वाला नारा बीजेपी नेताओं को हजम नहीं हो रहा है? रविवार को भी केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी पत्रकारों के सवाल पर बोले थे कि कोई शक है कि 2025 फिर से नीतीश? कुल मिलाकर सैनी के एक बयान ने बिहार की सियासी फिजा को एक बार फिर से गर्मा दिया है। क्या सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बीजेपी बिहार में विजय पताका लहराएगी या फिर सैनी का सम्राट चौधरी पर दिया बयान बैक फायर कर जाएगा?

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी के लिए तैयार है बिहार

सीएम नीतीश ने किया लोगो और शुभंकर का अनावरण

पटना (एजेंसियां)।
हॉकी और सेपकटकरा विश्वकप के बाद बिहार अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। चार से 15 मई तक होने वाले इस खेल के लोगो एवं शुभंकर का आज अनावरण हो गया। सीएम नीतीश कुमार ने संवाद कक्ष में इसका लोकापर्ण किया। इस दौरान केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री ने खेल सॉन्ग का भी शुभारंभ किया। साथ ही खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मशाल गौरव यात्रा रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2025 का बिहार में आयोजन हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 मई को खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2025 का पटना में उद्घाटन करेंगे। हम सभी खिलाड़ियों का बिहार की धरती पर स्वागत करते हैं। यह आयोजन बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक

महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन के माध्यम से राज्य में खेलों की बुनियादी संरचना को और मजबूत करने तथा युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

वहीं, मशाल, गान और जर्सी का अनावरण शाम छह बजे ज्ञान भवन में होगा। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रम भी होगा। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। इधर, खेल विभाग की ओर से बताया गया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 के तहत अलग-अलग शहरों में हॉकी, बॉक्सिंग, भारोत्तोलन, कबड्डी, टेबल टेनिस, खो-खो, फुटबॉल व तलवारबाजी जैसे खेलों का आयोजन किया जाना है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के लोगो, मैस्कॉट का लोकार्पण सोमवार को हुआ। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद कक्ष में 11 बजे सीएम नीतीश कुमार ने लोकापर्ण किया। इस दौरान केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया मौजूद रहे। वहीं, मशाल, गान और जर्सी का अनावरण शाम 6 बजे ज्ञान भवन में होगा। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रम भी होगा।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स को लेकर राज्य के खेल परिसरों को मानकों के अनुरूप अपग्रेड करने का कार्य किया जा रहा है। पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय इसकी मेजबानी करेंगे। इसके लिए भवन निर्माण विभाग द्वारा खेल मैदानों की बुनियादी ढांचों का विकास और एथलीटों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए स्थल की तैयारियां तेजी से की जा रही है। इनमें खेल परिसरों को अपग्रेड करना, वीआईपी गैलरी का नवीनीकरण, लाइटिंग, बाउंड्री बॉल निर्माण, हॉस्टल, शौचालय आदि जरूरी सुविधाएं विकसित की जा रही है।

भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स एक बड़ा आयोजन है और विभाग द्वारा खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास प्रमुखता से की जा रही है। खेल एवं खिलाड़ियों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य किए जा रहे हैं। राजगीर खेल परिसर, पाटलीपुत्र खेल परिसर समेत अन्य शहरों के खेल परिसरों को अपग्रेड करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है और क्षेत्रीय एवं मुख्यालय स्तर से लगातार इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। यह सुनिश्चित की जा रही है कि सभी सुविधाएं समय पर तैयार हो जाए और खिलाड़ियों को बेहतर माहौल मिल सके। अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय आयोजन के लिए खेल परिसर को मानक स्तर के अनुरूप विकसित करने के लिए भवन निर्माण विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो राज्य की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

अंबेडकर जयंती पर वक्फ कानून के खिलाफ मुस्लिम समुदाय का प्रदर्शन

केंद्र सरकार के खिलाफ लगे नारे

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर मुजफ्फरपुर में वक्फ कानून के खिलाफ मुस्लिम समुदाय ने जोरदार प्रदर्शन किया।

शहर के विभिन्न हिस्सों से जुलूस निकालकर बड़ी संख्या में लोग जिला समाहरणालय पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और वक्फ कानून को लेकर विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान पर हमला किया जा रहा है, जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि अपनी ताकत दिखानी पड़ी, तो वह भी किया जाएगा, क्योंकि यह देश सभी का है और उनके खुदा की संपत्ति को कोई भी सरकार या उद्योगपति हड़प नहीं सकता।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता मो. नौशाद आलम ने कहा कि बाबा साहब ने देश को संविधान दिया, जिसमें सबको बराबरी का अधिकार मिला है। लेकिन केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों को छीनने की साजिश के तहत यह कानून लाई है, जिसका मुस्लिम समुदाय लगातार विरोध करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि अंबेडकर जयंती का दिन हमने इसलिए चुना ताकि संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ संविधान की रक्षा की भी शपथ ली जा सके।

उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार देश की धार्मिक संपत्तियों को उद्योगपतियों को सौंपने की तैयारी कर रही है, जिसे किसी भी हाल में सफल नहीं होने दिया जाएगा।

अंबेडकर जयंती पर निकली शोभायात्रा भगवा झंडे पर दिखी बाबा साहब की तस्वीर

शहर में होने लगी चर्चा

पटना (एजेंसियां)।
डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार को आरा शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा अंबेडकर सेवा समिति के बैनर तले रमना मैदान स्थित बाबा साहब की प्रतिमा से आरंभ होकर शहर का भ्रमण करते हुए पुनः उसी स्थान पर समाप्त हुई। इस दौरान शोभायात्रा में भगवा झंडे पर बाबा साहब की तस्वीर लगाई गई, जिसे लेकर शहर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

आमतौर पर अंबेडकर से जुड़े कार्यक्रमों में नीले झंडे का इस्तेमाल होता है, जो उनकी विचारधारा और दलित आंदोलन का प्रतीक माना जाता है। लेकिन इस बार पहली बार ऐसा देखने को मिला कि भगवा ध्वज पर बाबा साहब की तस्वीर लगाई

गई, जिससे यह कार्यक्रम चर्चा का विषय बन गया।

शोभायात्रा की अध्यक्षता अभय विश्वास भट्ट ने की, जबकि सचिव के रूप में यशवंत नारायण मौजूद रहे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. प्रेम रंजन चतुर्वेदी शामिल हुए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बाबा साहब भारत के भगवान हैं और हम भगवान को भगवा ध्वज पर ही स्थान देते हैं। संविधान में ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि आंबेडकर जी की तस्वीर केवल नीले झंडे पर ही लगाई जा सकती है। यह केवल एक भ्रम है, जिसे तोड़ने का प्रयास हमारी समिति ने किया है।

वहीं, शहरवासियों की प्रतिक्रिया इस मुद्दे पर बंटी हुई नजर आई। कुछ लोगों ने भगवा झंडे पर अंबेडकर की तस्वीर को नया प्रयोग बताते हुए सराहा, जबकि कुछ ने इसे परंपरा और विचारधारा के खिलाफ बताया।

सीएम नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट गंगा पथ पुल में आई दरार, नौ अप्रैल को ही हुआ था लोकार्पण

पटना (एजेंसियां)।
पटना में गंगा किनारे बनाया गया सीएम नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजक्ट गंगा पथ एक बार फिर से चर्चा में है। इस बार कारण इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठना है। दरअसल नौ अप्रैल को लोकार्पण के चार दिन बाद ही दीदारगंज के पास जेपी गंगा पथ पुल के पाया नंबर ए 3 पास पर सड़क पर बड़ी दरार देखी गई है। यह दरार गंगा पथ के दोनो ओर स्पष्ट दिख रही है।

अब सोशल मीडिया पर तेजी से इससे जुड़ी तस्वीर वायरल हो रही है। लोग गंगा पथ के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि चुनावी साल में जल्दबाजी में कंगनघाट से दीदारगंज तक गंगा पथ का लोकार्पण किया गया। इसलिए तेजी में सरकार ने गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा।

इधर, इस मामले को लेकर पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन कहा कि मुझे भी जानकारी मिली है। विभाग के अधिकारियों को गम्भीरता से जांच का आदेश दिया है। कहां क्या गड़बड़ी हुई है? हमलोग इसे भी दिखवा रहे हैं। बता दें कि करीब 3831 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस परियोजना का निर्माण बिहार राज्य पथ निर्माण निगम ने कराया है।

इस महत्वपूर्ण सड़क की लंबाई 20.5 किलोमीटर है, जो पटना शहर के दो महत्वपूर्ण छोरों को जोड़ती है। यह अटल पथ, एलसीटी घाट, गांधी मैदान, पीएमसीएच, पटना विश्वविद्यालय, एनआईटी, गायघाट, कंगन घाट, कृष्णा घाट और पटना घाट जैसे सभी महत्वपूर्ण स्थानों को एक सीध में जोड़ती है।

इससे पटना के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच यातायात काफी सुगम हो गया था। लेकिन, लोकार्पण के तीन दिन बाद ही दीदारगंज के पास दरार दिखने से अब इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती 11 अक्टूबर 2013 पर इस परियोजना की नींव रखी गई थी, जिस वजह से इसका नाम जेपी गंगा पथ नाम दिया गया था। पहले चरण में दीघा से गांधी मैदान तक 7.5 किमी सड़क 24 जून 2022 को जनता को समर्पित की गई।

इसके बाद दूसरे चरण में 14 अगस्त 2023 पीएमसीएच से गायघाट तक 5.0 किमी, तीसरे चरण 10 जुलाई 2024 को गायघाट से कंगन घाट तक 3.0 किमी और चौथे चरण में कृष्णा घाट संपर्क पथ का उद्घाटन 3 अक्टूबर 2024 को किया गया।

जेपी गंगा पथ पुल में दरार की सूचना पर मंत्री नितिन नवीन ने दिए जांच के आदेश

दरभंगा (एजेंसियां)।
पटना में जेपी गंगा पथ पुल में दरार की सूचना पर बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने जांच के आदेश दिए हैं। सोमवार को दरभंगा पहुंचे मंत्री ने बताया कि उन्हें भी इस संबंध में जानकारी मिली है और उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय अधिकारियों को तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं। बता दें कि मंत्री नितिन नवीन दरभंगा के जुबली हॉल में एनडीए की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि दरभंगा से लौटने के बाद मंगलवार को वह स्वयं पटना में पुल का निरीक्षण करेंगे।

मंत्री ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह दरार नहीं है, बल्कि दो पिलरों के जॉइंट के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, जो तकनीकी दृष्टिकोण से सामान्य है। इसके बावजूद उन्होंने पूरी रिपोर्ट तलब की है और बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के सीजीएम स्तर के अधिकारियों को जांच के लिए मौके पर भेजा गया है। उन्होंने दोहराया कि पुल की संरचना को लेकर किसी तरह की गंभीर चिंता की बात सामने नहीं आई है, फिर भी एहतियातन जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि नौ अप्रैल को लोकार्पण के चार दिन बाद ही दीदारगंज के पास जेपी गंगा पथ पुल के पाया नंबर ए 3 पास पर सड़क पर बड़ी दरार देखी गई है। यह दरार गंगा पथ के दोनों ओर स्पष्ट दिख रही है। अब सोशल मीडिया पर तेजी से इससे जुड़ी तस्वीर वायरल हो रही है।

छेड़खानी का विरोध करना मां-बेटी को पड़ा महंगा

बदमाशों ने आपत्तिजनक तस्वीरें की वायरल, पांच पर केस दर्ज

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में अपने मायके में रह रही महिला और उसकी नाबालिग बेटी को छेड़खानी का विरोध करना भारी पड़ गया।

आरोप है कि गांव के ही पांच युवकों ने सोशल मीडिया पर महिला और उसकी बेटी की आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर दीं। इस मामले को लेकर पीड़िता ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कुल 13 फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील और आपत्तिजनक तस्वीरों व पोस्ट को वायरल किया। इनमें से दो आईडी महिला के नाम पर भी फर्जी तरीके से बनाई गई हैं। पोस्ट में पीड़िता और उसकी बेटी का मोबाइल नंबर भी डाला गया, जिसके बाद से लगातार उन्हें

आपत्तिजनक कॉल और मैसेज आ रहे हैं। महिला का आरोप है कि पहले भी उक्त आरोपियों ने उसकी बेटी के साथ स्कूल जाते वक्त छेड़खानी की थी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने धमकी दी।

अब जब यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो बेटी मानसिक रूप से बुरी तरह प्रभावित हुई है और डर के कारण स्कूल जाना छोड़ चुकी है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट को लेकर वह अपने साथियों के बीच उपहास का केंद्र बन गई है। इस गंभीर प्रकरण पर साइबर थाना प्रभारी डीएसपी हिमांशु कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। वायरल हो रही पोस्ट और आईडी की तकनीकी जांच की जा रही है। पुलिस साक्ष्य एकत्र कर आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

मिनी शराब फैक्टरी पर पुलिस ने मारा छापा, पुलिस लिखा नंबर प्लेट बरामद

गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र स्थित रसूलपुर गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मिनी शराब फैक्टरी का उद्भेदन किया है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में देशी शराब, शराब बनाने वाले केमिकल, खाली बोतलें, रैपर, एक पंचिंग मशीन और दो

कार जब्त की गई हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पुलिस ने मौके से 'पुलिस' लिखा हुआ नंबर प्लेट भी बरामद किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि शराब बनाने के काम में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। छापेमारी का नेतृत्व प्रशिक्षु आईपीएस व लालगंज थानाध्यक्ष शैलजा ने किया, वहीं एसआई संतोष कुमार की भूमिका भी सराहनीय रही। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शराब माफिया अपने अवैध कारोबार को बचाने के लिए पुलिस की फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल कर रहे थे।

बता दें कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है और इसे सख्ती से लागू कराने के लिए पुलिस प्रशासन जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। यही कारण है कि राघोपुर, बिदुपुर और लालगंज के सररिया-सलेमपुर समेत कई इलाकों में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से लालगंज और आसपास के क्षेत्रों के शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com